केनरा बैंक की
द्विमासिक गृह पत्रिका
अक्टूबर 2025 – नवंबर 2025 । 303

श्रेयस
Shreyas

Canara Bank's
Bimonthly House Magazine
October 2025 - November 2025 I 303

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के साथ बैंकिंग का उभरता भविष्य एवं संस्थापक दिवस विशेषांक
Banking's New Frontier - AI Powered Solutions and Founder's Day Special

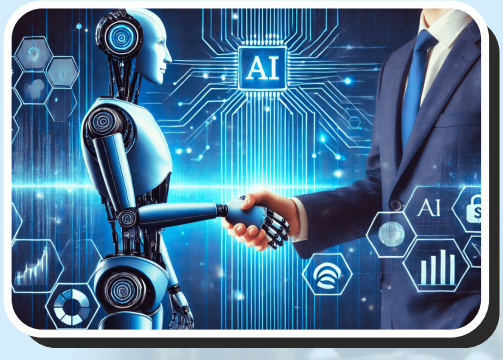

120th
संस्थापक दिवस
FOUNDER'S DAY

पश्चिम बंगाल राज्य विशेषांक
State in focus : West Bengal

दिनांक 17 अक्टूबर, 2025 को श्री के सत्यनारायण राजु, प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं केनरा एचएसबीसी लाइफ के प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री अनुज माथुर एनएसई, मुंबई में केनरा एचएसबीसी जीवन बीमा कंपनी लिमिटेड के लिस्टिंग समारोह के दौरान भारत सरकार, वित्त मंत्रालय व डीएफएस सचिव श्री एम नागराजू, आईएएस अधिकारी का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए।

Sri K Satyanarayana Raju, MD & CEO, is seen extending a warm welcome to Sri M Nagaraju, IAS , Secretary, DFS Ministry of Finance GOI, at the listing ceremony of Canara HSBC Life Insurance Company Ltd. at NSE, Mumbai, on 17th October, 2025. Sri Anuj Mathur, MD & CEO of Canara HSBC Life, is also seen in the picture.

दिनांक 15 नवंबर 2025 को श्री हरदीप सिंह अहलूवालिया, कार्यपालक निदेशक, बेंगलूरु में भारतीय दिवाला और शोधन अक्षमता बोर्ड (आईबीबीई) के सहयोग से आयोजित समिति ऑफ क्रेडिटर्स (सीओसी) पर एक दिवसीय कार्यशाला में उपस्थित रहे। इस दौरान आईबीबीआई की परामर्शदाता श्रीमती अजन्ता गुप्ता तथा अन्य बैंक कार्यकारीगण भी मौजूद थे।

Sri Hardeep Singh Ahluwalia, ED, at the one-day workshop on the 'Committee of Creditors (CoC)' conducted in Bengaluru in association with Insolvency and Bankruptcy Board of India (IBBI) on 15th November, 2025. Smt Ajanta Gupta, Consultant, IBBI and other bank executives are seen in the picture.

श्रेयश्च प्रेयश्च मनुष्यमेत स्तौ संपरीत्य विविनक्ति धीर://
(कठोपनिषद् II - 2)
Both good and pleasant approach us:
The wise on examining choose the good. (Kathopanishad II - 2)

केनरा बैंक Canara Bank
(भारत सरकार का उपक्रम) (A Government of India Undertaking)
सिंडिकेट Syndicate

श्रेयस – SHREYAS

SINCE 1974

केनरा बैंक की द्विमासिक गृह-पत्रिका
Bimonthly House Magazine of Canara Bank
अक्टूबर 2025 – नवंबर 2025 । 303 / October 2025 - November 2025 । 303

ADVISORY COMMITTEE

K Satyanarayana Raju
Hardeep Singh Ahluwalia
B P Jatav
Amitabh Chatterjee
Amit Mittal
Sreekala Sreekumar
Someshwara Rao Yamajala
Bibin Vargheese
Priyadarshini R

EDITOR
Priyadarshini R

ASST. EDITOR
Manisha Manohar
Nikhlesh Soni

सह संपादक (हिंदी)
बिबिन वर्गीस

Edited & Published by
Priyadarshini R
Senior Manager
House Magazine & Library Section
HR & PR Wing, HO, Bengaluru - 560 002.
Ph : 080-2223 3480
E-mail : hohml@canarabank.com
for and on behalf of Canara Bank

Design & Print by
Blustream Printing India (P). Ltd.
#1, 2nd Cross, CKC Gardens,
Lalbagh Road Cross, Bangalore - 560 008.
Ph : 080-2223 0070 / 2223 0006.

The views and opinions expressed herein are not necessarily those of the Bank. Reproduction of the matter in any manner with the permission of the editor only. For private circulation only. Not for Sale.

ABCI Member

CONTENTS

2 प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी का संदेश / MD & CEO's Message
5 संपादकीय / Editorial
6 New ED's Message
7 Chairman's Farewell Message
8 New GMs Messages
9 A Historic Milestone in the Canara Bank's Journey of Excellence - K Satyanarayana Raju, MD & CEO
10 Canara Bank's AI Odyssey - Papanasam S
11 AI का जमाना है – अजय कुमार
12 From One Man's Dream to a Million Promises: The Canara Story Lives On - Rohit Kumar
14 "दिवाली सब के संग" – मोहम्मद ज़ुहैब
15 "Cyber Suraksha - Our Digital Shield" - Avanish Srivastava
16 Rediscovering Local Business Through Intelligence - Ankita Sharma
17 मेरे बैंक की कहानी वर्ष 1930 से 1942 तक – बी.के. उप्रेती
21 Banking and beyond: Story of the northernmost branch of Canara Bank (A Founders' Day Special) - Abrar Ul Mustafa
23 4 दिन की CL – संजीव कुमार वर्मा
26 Save Today, Shine Tomorrow - Basavraj Kulali
27 केनरा बैंक, प्रधान कार्यालय, बेंगलूरु में हिंदी दिवस समारोह का भव्य आयोजन
28 Circle News / अंचल समाचार
36 Founder's day celebration at Head Office
38 West Bengal - The Sweetest Part of India Shantiniketan - Namrata Dutta
39 "A Dream Fulfilled" - N Laxmi Narayanan
40 "To the Base of the World's top – A Founders fortnight Trek to Everest" - Pavan Kumar Simhadri
42 "नव सीमाएँ - एआई संचालित समाधान" – आशीष रंजन
43 Case Study : Targeting a Senior Citizen - Rahul Rajwal
45 एक सादा आदमी: सुब्बा राव पाई – लवकुश गोठवाल
47 Making sense of India's second quarter GDP - Dr. Madhavankutty G
49 मां वैष्णो देवी की पावन यात्रा - एक अविस्मरणीय अनुभव – अक्षय गौरव
52 Fun corner
53 Rosogulla - Rochak Dixit
55 Cartoon
56 बैंकिंग में एआई – स्वीटी राज
57 Wisdom Capsule - D Bharathi
58 Banking in Bengal: Where Sweet meets Smart - Akanksha Khanna
59 "सेवा का मूल्य" - केनरा बैंक शिवपुर शाखा की एक सच्ची कहानी – राज भूषण पाण्डेय
60 Chestnuts are Falling! - Divyam Agarwal
61 CANARA - Champions Aiming New Achievements, Rising Ahead - Harsha K R
62 Health Corner
64 विश्वास की नींव: गांधीनगर जिले का केनरा बैंक जालियांमठ गाँव शाखा – अजीतसिंह भीखुसिंह परमार
65 The Beginning of Rural Industrial Financial Support - Sumithra S
66 "मिठास से भरी ज़मीन - मेरा पश्चिम बंगाल" – राजीव रंजन
67 Recipe Corner - Mishti Doi - The Soul of Bengal - M Shaiksha Basha
68 West Bengal "The Sweetest Part of India" - Vipin Kumar
70 West Bengal – "The Sweetest Part of India" - Swapnil Meshram
71 Homage
72 Movie Review - Timeless Masterpiece - Manisha Manohar

प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी का संदेश

MD & CEO's Message

प्रिय केनराइट्स,

हमारे 120वें संस्थापक दिवस के अवसर पर आप सभी को संबोधित करते हुए मुझे अत्यंत हर्ष हो रहा है। एक सौ बीस वर्ष पूर्व हमारे दूरदर्शी संस्थापक स्व. श्री अम्मेमबाल सुब्बा राव पै ने आशा और समृद्धि का वह बीज बोया था, जिसने आगे चलकर एक ऐसे संस्थान का रूप लिया जो केवल ईंट और मिट्टी पर आधारित नहीं था, बल्कि विश्वास, सेवा और समाज के सुदृढ़ स्तंभों पर खड़ा था। उनका यह सपना– 'आमजन की सेवा करना और राष्ट्र की प्रगति में योगदान देना' आज भी हमारी पहचान की आधारशिला है। हमारे संस्थापक ने ऐसे संस्थान की कल्पना की थी, जहाँ प्रत्येक ''केनराइट्स'' एक भरोसेमंद योगदानकर्ता बने और हमारे ग्राहक सशक्त हों। आज जब हम 1906 से 2025 तक की अपनी इस ऐतिहासिक यात्रा पर नज़र डालते हैं, तो वह छोटा–सा बीज अब एक विशाल वटवृक्ष के रूप में विकसित हो चुका है, जो राष्ट्रभर में करोड़ों सपनों को आश्रय प्रदान कर रहा है।

इस वर्ष का यह उत्सव इसलिए भी अत्यंत विशेष है क्योंकि हमने अपने विस्तार के सफर में एक ऐतिहासिक मुकाम पार किया है। यह साझा करते हुए मुझे अत्यधिक प्रसन्नता है कि इस संस्थापक दिवस पर हमने 10,000वीं शाखा का उद्घाटन बुदिगेरे क्रॉस, बेंगलूरु में तथा 10,001वीं शाखा का उद्घाटन आलापाडु, विजयवाड़ा में किया गया। यह केवल एक संख्या नहीं है, बल्कि इस बात का प्रतीक है कि हम भारत के हर कोने तक बैंकिंग सुविधा पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमें यह विशिष्ट सम्मान प्राप्त हुआ कि इस ऐतिहासिक शाखा का उद्घाटन श्री एम. नागराजु, आईएएस, सचिव –वित्तीय सेवाएँ विभाग (डीएफएस) के कर–कमलों द्वारा हुआ। उनकी उपस्थिति और प्रेरणादायी शब्दों ने राष्ट्र की वित्तीय प्रणाली में केनरा बैंक की महत्वपूर्ण भूमिका को और भी मजबूती प्रदान की। श्री नागराजु ने बैंक की निरंतर प्रगति और वित्तीय समावेशन के प्रति अटूट समर्पण की सराहना की तथा शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच की दूरी को और कम करने के लिए हमें प्रोत्साहित किया।

Dear Canarites,

It is with immense pride and a deep sense of gratitude that I address you on this historic occasion – our 120th Founder's Day. One hundred and twenty years ago, our visionary Founder, Late Sri Ammembal Subba Rao Pai, planted a seed of hope and prosperity. He envisioned an institution not just built on bricks and mortar, but on the pillars of trust, service, and community. This foundational philosophy of serving the common man and contributing to the nation's progress remains the bedrock of our identity, even as Our Founder envisioned an institution where every 'Canarite' is a trusted contributor and our customers are empowered. Today, as we look back at our journey from 1906 to 2025, we see that seed has grown into a magnificent banyan tree, sheltering millions of dreams across the nation.

This year's celebration is particularly momentous as we crossed a landmark frontier in our expansion journey. I am delighted to share that on this Founder's Day, we inaugurated our 10,000th branch at Budigere Cross, Bengaluru and 10,001th branch in Alapadu, Vijayawada. This is not just a number; it is a testament to our commitment to taking banking to every corner of India. It was our distinct honour to have Sri M. Nagaraju IAS, Secretary, Department of Financial Services (DFS), join us to inaugurate this milestone branch. His presence and encouraging words reinforced the pivotal role Canara Bank plays in the nation's financial ecosystem. Sri Nagaraju commended our bank's journey and our unyielding focus on financial inclusion, urging us to continue bridging the gap between urban and rural banking.

Founder's Day is not only about honouring the past but also about equipping ourselves for the future. To mark this occasion, and with the inauguration by the honourable DFS Secretary, we have launched a suite of

संस्थापक दिवस बीते गौरव का सम्मान करने के साथ–साथ भविष्य की तैयारी का भी अवसर है। इस अवसर पर, माननीय डीएफ़एस सचिव द्वारा उद्घाटन के उपलक्ष्य में हमने कई ग्राहक – केंद्रित डिजिटल उत्पादों की श्रृंखला लॉन्च की है, जैसे– ai1Pe — NPCI BHIM Services Ltd द्वारा संचालित एक विशेष यूपीआई ऐप, जो तेज और सहज भुगतान अनुभव प्रदान करता है। ग्रामीण क्षेत्रों में सेवाओं को सुदृढ़ करने हेतु हमारे ग्रामीण बैंकों के साथ को–ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड, गीग वर्कर्स हेतु विशेष बचत खाता, जिसमें बीमा, ऋण जैसी सुविधाएँ, हाइब्रिड इलेक्ट्रॉनिक बैंक गारंटी, जो डिजिटल–प्रथम पीढ़ी की आवश्यकताओं को पूरा करते हुए पारंपरिक ग्राहकों की सुरक्षा को भी सुनिश्चित करती है। अब हमारा संचालन उत्कृष्टता की ओर बढ़ता हुआ सफर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) और डेटा विश्लेषण द्वारा संचालित है, जो अब केवल विकल्प नहीं हैं, बल्कि केनरा बैंक का नया आधार बन चुके हैं। 'Best Bank to Bank With' बनने के अपने लक्ष्य के अनुरूप हम– एआई/एमएल एवं डेटा–आधारित व्यवसाय मॉडल, वैज्ञानिक लीड जनरेशन, रिटेल और कॉर्पोरेट ऋण में लक्षित वृद्धि के माध्यम से अपने कार्य में तेजी और गुणवत्ता ला रहे हैं। इससे शाखाओं का कीमती समय बच रहा है और हमारे कर्मचारियों का ध्यान उच्च–मूल्य ग्राहक रूपांतरण और संबंध प्रबंधन पर केंद्रित हो पा रहा है। हम केवल तकनीक नहीं अपना रहे हैं – हम अपने मानव संसाधनों को इसे महारतपूर्वक उपयोग करने के लिए प्रशिक्षित भी कर रहे हैं। सुदृढ़ एआई गवर्नेंस और कॉम्प्लायंस ढांचे अपनाकर हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि यह परिवर्तन नैतिक, जिम्मेदार और टिकाऊ रहे। इस प्रकार हमारा गहन मानव–शक्ति अत्याधुनिक तकनीक के साथ मिलकर बैंक को अधिक सशक्त, चुस्त और ग्राहक–निकट बना रहा है।

मुझे अत्यंत हर्ष है कि 2025 की दूसरी तिमाही के परिणाम आपके समर्पित प्रयासों का शानदार प्रमाण हैं। ये उपलब्धियाँ हमारे लिए सीमाओं को और आगे बढ़ाने की प्रेरणा देती हैं: सितंबर 2025 तक ग्लोबल बिज़नेस 13.55% (सालाना) बढ़कर ₹26,78,963 करोड़ हो गया, ग्लोबल डिपॉज़िट 13.40% (सालाना) बढ़कर ₹15,27,922 करोड़ हो गया और ग्लोबल एडवांस (ग्रॉस) 13.74% (सालाना) बढ़कर ₹11,51,041 करोड़ हो गया। सितंबर 2025 तक बैंक का डोमेस्टिक डिपॉज़िट 12.62% (सालाना) की बढ़ोतरी के साथ ₹13,94,999 करोड़ था। सितंबर 2025 तक बैंक का डोमेस्टिक एडवांस (ग्रॉस) 13.34% (सालाना) की बढ़ोतरी के साथ ₹10,81,428 करोड़ था। ढअक क्रेडिट 16.94% (सालाना) बढ़कर ₹6,71,141 इट हो गया। रिटेल लेंडिंग पोर्टफोलियो बढ़कर ₹2,51,190 करोड़ हो गया, यानी 29.11% (सालाना) की बढ़ोतरी हुई। हाउसिंग लोन पोर्टफोलियो 15.25% (सालाना) बढ़कर ₹1,14,615 करोड़ हो गया। एसेट क्वालिटी के तहत, हमारा ग्रॉस

new customer-centric products like - ai1Pe, a dedicated UPI app powered NPCI Bhim Services Ltd, which promises faster check out experience, Co-branding of credit cards with our Grameena Banks to enhance offerings in the rural areas in Karnataka and Kerala, Savings account for gig workers with numerous benefits like insurance/loans and Hybrid Electronic Bank Guarantee which is designed to meet the evolving needs of the digital-first generation while securing the future of our traditional customer base.

Our journey to operational excellence is now decisively powered by Artificial Intelligence and Data Analytics, which are no longer optional tools, but the very new core of Canara Bank. As part of our mission to be the 'Best Bank to Bank with,' we are leveraging AI/ML and data driven business to drive our incremental growth in key areas like retail and corporate lending. This is achieved through scientific lead generation at the back-end, allowing our dedicated branch staff to save significant time and focus almost exclusively on high-value customer conversion and relationship management. Furthermore, we are not just adopting technology; we are investing in our people to master it. By implementing robust AI governance and compliance frameworks, we ensure this monumental shift is both ethical and sustainable, solidifying a future where our deep-rooted human capital is powerfully amplified by advanced intelligence, making us stronger, more agile, and closer to our customers than ever before."

I am delighted to share our Q2 results of 2025 reflecting our teams unwavering dedication. These numbers showcase an outstanding performance and motivates us further to push our boundaries further. Global Business increased by 13.55% (y.o.y) to ₹26,78,963 Cr as at September 2025, Global Deposits increased by 13.40% (y.o.y) to ₹15,27,922 Cr and Global Advance (gross) increased by 13.74% (y.o.y) to ₹11,51,041 Cr. Domestic Deposit of the Bank stood at ₹13,94,999 Cr as at September 2025 with growth of 12.62% (y.o.y). Domestic Advances(gross) of the Bank stood at ₹10,81,428 Cr as at September 2025 grew by 13.34% (y.o.y). RAM credit increased by 16.94% (y.o.y) to ₹6,71,141 Cr. Retail lending Portfolio increased to ₹2,51,190 Cr i.e., grew by 29.11% (y.o.y). Housing Loan Portfolio increased by 15.25% (y.o.y) to ₹1,14,615 Cr. Under Asset quality our Gross Non-Performing Assets (GNPA) ratio improved at

नॉन–परफॉर्मिंग एसेट्स (GNPA) रेश्यो सितंबर 2025 तक 2.35% पर सुधरा है, जो जून 2025 के 2.69% और सितंबर 2024 के 3.73% से कम है। नेट नॉन–परफॉर्मिंग एसेट्स (NNPA) रेश्यो सितंबर 2025 तक 0.54% पर सुधरा है, जो जून 2025 के 0.63% और सितंबर 2024 के 0.99% से कम है। प्रोविज़न कवरेज रेश्यो (PCR) सितंबर 2025 तक 93.59% रहा, जो जून 2025 में 93.17% और सितंबर 2024 में 90.89% था। CRAR सितंबर 2025 तक 16.20% रहा। जिसमें से CET1 12.21% Tier-I है 14.28% और टियर–II 1.92% है। बैंक ने सितंबर 2025 तक प्रायोरिटी सेक्टर में 44.56% और एग्रीकल्चरल क्रेडिट में ANBC का 21.44% का टारगेट हासिल कर लिया है, जबकि नॉर्म क्रमशः 40% और 18% है। छोटे और मार्जिनल किसानों को क्रेडिट ANBC का 14.38% रहा, जबकि नॉर्म 10.00% है। कमजोर तबके को क्रेडिट ANBC का 20.14% रहा, जबकि नॉर्म 12.00% है। माइक्रो एंटरप्राइजेज को क्रेडिट ANBC का 9.98% रहा, जबकि नॉर्म 7.50% है। गैर–कारपोरेट किसान को क्रेडिट ANBC का 17.12% रहा, जबकि नॉर्म 14.00% है।

हम अपने 121वें वर्ष में प्रवेश करते हुए स्पष्ट संदेश लेकर आगे बढ़ रहे हैं – डिजिटल उत्कृष्टता के माध्यम से ग्राहक संतुष्टि हम केवल एक बैंक नहीं हैं;हम राष्ट्र की प्रगति के साझेदार हैं। मैं आप सभी का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। आपकी निष्ठा, परिश्रम और समर्पण ही हमारे संस्थापक के स्वप्न को प्रत्येक दिन साकार करते हैं। आइए, हम सभी मिलकर विश्वास और नवाचार की इस विरासत को नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ाएँ। हमारा ध्येय वाक्य – रहें संग, बढ़ें संग

आप सभी को बहुत–बहुत शुभकामनाएँ

मंगलकामनाओं सहित,

के. सत्यनारायण राजु
प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी

2.35% as at Sept 2025 down from 2.69% as at June 2025 and 3.73% as at Sept 2024. Net Non-Performing Assets (NNPA) ratio improved to 0.54% as at Sept 2025 down from 0.63% as at June 2025 and 0.99% as at Sept 2024. Provision Coverage Ratio (PCR) stood to 93.59% as at Sept 2025 against 93.17% as at June 2025, and 90.89% as at Sept 2024. CRAR stood at 16.20% as at Sept 2025. Out of which CET1 is 12.21%, Tier-I is 14.28% and Tier-II is 1.92%. The Bank has achieved Targets in Priority Sector at 44.56% and Agricultural Credit at 21.44% of ANBC as at Sept 2025, as against the norm of 40% and 18% respectively. Credit to Small and Marginal Farmers stood at 14.38% of ANBC, against the norm of 10.00%. Credit to Weaker Sections stood at 20.14% of ANBC, against the norm of 12.00%. Credit to Micro Enterprises stood at 9.98% of ANBC, against the norm of 7.50%. Credit to Non-Corporate Farmers stood at 17.12% of ANBC, against the norm of 14.00%.

Keep up the pace and let us remember that each of us has a role to play in carrying forward this legacy.

As we step into our 121st year, our focus remains clear: Customer Delight through Digital Excellence. We are not just a bank; we are a partner in the Nation's progress. I thank every one of you dedicated for your tireless efforts. It is your hard work that breathes life into our Founder's vision every single day. Let us pledge to continue this legacy of trust and innovation with renewed vigour. Let's take our Bank towards the many glorious years ahead." Together We Can"

Wish you all the very best

With warm regards,

K. Satyanarayana Raju
Managing Director & CEO

संपादकीय

Editorial

प्रिय साथियों,

नवंबर का महीना हम सभी केनराइट्स के लिए सदैव एक विशेष भावनात्मक महत्व रखता है, क्योंकि इसी माह हम संस्थापक दिवस की प्रेरणादायी परंपरा को पुनः स्मरण करते हैं। यह वर्ष इस अवसर को और भी गौरवपूर्ण बनाता है। हमारी प्रतिष्ठित संस्था 120 वर्षों की विशिष्ट ऐतिहासिक यात्रा का उत्सव मना रही है। यह उत्सव हमें हमारे संस्थापक एवं दूरदर्शी श्री अम्मेमबाल सुब्बा राव पै की उस मौलिक सोच की याद दिलाता है, जिसने बैंक को सेवा से उत्थान के सिद्धांत पर आगे बढ़ाया। साधारण आरंभ से लेकर अत्याधुनिक कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित बैंकिंग तक, हमारे बैंक ने विकास, विस्तार और नवाचार की एक उल्लेखनीय गाथा लिखी है।

आज एआई सिर्फ सुविधा नहीं, बल्कि आवश्यकता बन चुका है। यह पूरे बैंकिंग तंत्र को तेज, सुरक्षित और कुशल बनाता है। मशीन लर्निंग एल्गोरिथम अरबों लेन–देन को तुरंत समझकर धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग जैसे जोखिमों की पहचान कर लेती है। इससे बैंकिंग व्यवस्था पहले से कहीं अधिक मजबूत और सुरक्षित बनती है। रिएक्टिव इन्वेस्टिगेशन से प्रेडिक्टिव मिटिगेशन की ओर यह बदलाव फाइनेंशियल स्टेबिलिटी को सुरक्षित रखने और कम्प्लायंस को बनाए रखने के लिए ज़रूरी है। ग्राहक अब हर समय (24/7) उपलब्ध, व्यक्तिगत सेवा चाहता है और एआई चलित चैटबॉट्स व वर्चुअल असिस्टेंट यह सुविधा मिनटों में प्रदान कर रहे हैं। इससे बैंक एक साधारण सेवा प्रदाता से आगे बढ़कर एक सच्चा वित्तीय साथी बन रहा है। इस विशेष अंक में हम न केवल संस्थापक दिवस मना रहे हैं, बल्कि यह भी बता रहे हैं कि हमारा बैंक कैसे निरंतर तकनीक के क्षेत्र में अग्रसर हो रहा है।

इस अंक में केंद्रित राज्य है पश्चिम बंगाल – जो भारत की बौद्धिक और सांस्कृतिक राजधानी है। यह एक ऐसा राज्य है जहाँ मैदानों का आध्यात्मिक उत्साह हिमालय की निर्मल शांति से मिलता है। उत्तर में दार्जिलिंग और कलिम्पोंग की वादियाँ हिमालय की गोद में बसे हैं, जबकि दक्षिण में सुंदरबन का विशाल मैंग्रोव वन और रॉयल बंगाल टाइगर का रहस्यमयी संसार है। बंगाल की सांस्कृतिक ऊर्जा सबसे अधिक उसके उत्सवों में दिखती है। दुर्गा पूजा, जिसे यूनेस्को ने मान्यता दी है, पूरे कोलकाता राज्य को 10 दिनों के लिए एक खुले कला–मंच में बदल देती है, जो कला, समुदाय और अच्छाई की जीत का जश्न मनाता है।

तो तैयार हो जाइए श्रेयस 303 के इस विशेष संस्करण में विभिन्न विषयों पर लिखे गए रोचक लेखों को पढ़ने के लिए।

हमें आशा है आपको यह विशेष अंक पसंद आएगा। हमें आपकी प्रतिक्रियाएँ जानना अच्छा लगता है, इसलिए कृपया केननेट में हमारे एचएम एंड एल वेबपेज पर जाकर अपनी प्रतिक्रिया/टिप्पणियाँ दें / या hohml@canarabank.com पर ईमेल करें / या आप हमें 080 – 22233480 पर फोन भी कर सकते हैं।

अत्यंत प्रशंसा और कृतज्ञता सहित,

प्रियदर्शिनि आर
संपादक

Dear Colleagues,

For all us Canarites, November month holds a special significance. Yes, you guessed it right, “Founders Day”. This year makes it even more special as we celebrate the 120 glorious years of our Mighty Organisation. This day reaffirms the promise to empower individuals and businesses alike which aligns with the insights of our visionary Founder, Sri. Ammembal Subba Rao Pai. From the humble beginnings to adopting a highly sophisticated technology (Artificial Intelligence) our Bank has undergone a humongous transformation and is a pioneer amongst our peer PSBs.

Today, AI has moved past being a competitive advantage; it is now the essential infrastructure for survival. It acts not just as a tool, but as the new core operating system for the entire financial value chain. By analysing billions of transactions in real-time, Machine Learning algorithms can detect subtle anomalies and prevent sophisticated fraud and money laundering schemes with a speed and accuracy human analysts cannot match. This shift from reactive investigation to predictive mitigation is essential for safeguarding financial stability and upholding compliance. The modern consumer demands personalized service available 24/7. AI-powered chatbots and virtual assistants handle a high volume of queries instantly and this personalization transforms the bank from a transactional utility into a proactive financial partner. This special edition not just celebrates Founders Day but our achievement in evolving as an AI Power centre in the banking industry.

The State covered in this edition is West Bengal, the intellectual and cultural capital of India. It is a region where the spiritual fervour of the plains meets the cool serenity of the Himalayas. In the north, the majestic Himalayas embrace Darjeeling and Kalimpong and breath-taking views of the Kanchenjunga peak. In stark contrast, the south is dominated by the Sundarbans, a UNESCO World Heritage Site – the world's largest mangrove forest and the sole domain of the majestic Royal Bengal Tiger. The Bengali spirit finds its most vibrant expression in its festivals, chief among them is the UNESCO-recognised Durga Puja. It is not merely a religious event; it is a 10-day artistic and communal spectacle that transforms Kolkata and the entire state into an open-air gallery, celebrating art, community, and the triumph of good.

So, buckle up and get ready to cruise through the academic compilation of articles on diverse topics in this special edition of Shreyas 303.

Hope you enjoy reading this special edition. As we love to hear from you, please drop in your feedback/ comments by visiting our HM&L Webpage in Cannet / or as mail to hohml@canarabank.com / or you can always call us at 080 – 22233480.

With profound admiration and gratitude

Priyadarshini R
Editor

हमारे नये कार्यपालक निदेशक
श्री सुनील कुमार चुघ

Our New Executive Director
Sri Sunil Kumar Chugh

It gives me immense pleasure to address all of you as I step into the role of Executive Director of Canara Bank. It is both an honour and a responsibility that I accept with deep humility. I also extend my gratitude to the Board, to the senior leadership, and to all members of the Canara Bank family for their warm welcome.

Canara Bank stands as one of the Nation's most trusted financial institutions, distinguished by its strong fundamentals, robust governance framework, ethical conduct and unwavering commitment to customer service.

Over the years, our institution has grown not only in size but also in strength, resilience, and relevance. Today, we stand on a foundation of undeniable strength evidenced by nearly 10,000 plus branches, over 14 crore customers and a robust business mix exceeding ₹26 trillion. This progress has been made possible because of the dedication, integrity, and passion displayed by each member of the Canara Bank family.

At the heart of every number and every strategy is one central element: "The Customer". I firmly believe that achieving true customer-centricity rests on two indispensable pillars: People and Technology. While technology is a necessity, People define our real strength. The conduct of every employee is the Organization's strongest brand ambassador and that is achieved through customer service only.

Moving forward, like our MD & CEO has mentioned, our focus will remain firmly on strengthening operational efficiency, accelerating transformation through digital and AI, enhancing risk management practices, and deepening our customer-centric approach, thereby increasing our CASA share and improving our NIMs.

Canara Bank has a proud legacy built on trust, service, and a relentless focus on customer centricity. I look forward to working closely with each one of you as we steer the Bank towards sustained growth and long-term value creation. I want to assure you that my doors will always remain open for your ideas, feedback, and constructive dialogue. Let us carry forward our shared vision – "Together We Can" – to meet our Mission of providing State-of-the-Art Banking solutions and fulfilling our Vision to emerge as the Best Bank to Bank with by setting industry benchmarks.

श्रेयस टीम आपकी सफलता की कामना करती है।

Shreyas team wishes him all success

Chairman's Farewell Message

Sri Vijay Srirangan, Non-Executive Chairman

Dear Canarites,

As the eventful three years of my involvement with Canara Bank draws to a close, I am delighted to have been a participant in the significant UPWARD momentum of this Bank. I use the word "participant" deliberately, being well aware of the tremendous contribution of you Canarites – both as Individuals and as a Team, in making this happen.

First and foremost, it is important to highlight that with your active involvement we continue to embrace the VALUES espoused by our Founders- Integrity, Honesty, Ethics – which have been embedded in our operations for over a century now.

You have also facilitated INNOVATION in our Bank, resulting in better customer reach and service, newer product offerings, enhanced technology leveraging and progress in several other domains of the banking system. As a consequence, overall business has grown significantly, with substantial increase in profits. This pluralism has driven business and income growth with profits seeing even more impressive gains, together with job security and Government priority areas expansion. The significant reduction in Non-Performing Assets is noteworthy and serves as an icing on the cake.

We have witnessed and benefited from the successful MERGER of Canara and Syndicate Bank, something we can all be proud off.

We have also had the support and guidance of our Regulators (RBI and several others), GOI Ministries (Finance/DFS, as well as others) by way of Direction, Advice and Review; this has enabled the Bank to constructively move ahead. We have been fortunate to have had an experienced, informed, COHESIVE Board Unit and an exceptional Team of Executives and Executive Directors led by our Managing Director who are second to none - who prioritise and support both Customers and Employees. Last but not the least - a super enthusiastic Canarite Team. We all have collectively and successfully pursued progressive growth; I am confident the Bank will continue to excel in the future.

It is clear that the market recognizes Canara Bank strengths – this is reflected in the SHARE PRICE - which has soared.

In the years ahead, I do suggest we focus on continuous learning. KEEP LEARNING - be it Banking, Technology or any related field. Let's make learning a priority to stay ahead of the curve. Some of you may know that, the average learning time spent per employee per day in Canara Bank by way of instructor led training has been a whopping sixteen minutes, every single day: I expect this will be added to, going ahead. We can together create a symbiotic relationship where both the Organisation and Staff will be mutually benefited. Happy Learning!!!

A key part of such Learning will relate to TECHNOLOGY, including but not just limited to AI/Gen-AI/Agentic-AI. It will be appropriate to adopt such Technology to promote productivity and returns, while simultaneously keeping in mind two key strategic tenets – employment retention and Branch growth. Such adoption will continue to demonstrate the fundamental relevance of our maxim: "Together We Can".

As I conclude, I wish to include a small rhyme that reflect my ASPIRATIONS for the Bank and for myself

Best Wishes - Canara Bank Team
Keep the flag flying high
That is indeed my dream
As well as a rallying cry

I use a modified Shakespeare gem
Which I hope reflects in "Memories of Me" tones
"The good that men do lives after them
The evil is interred with their bones"

I WISH YOU ALL, THE VERY BEST, IN THE YEARS AHEAD

I owe from bottom of my heart to our great and beloved Institution Canara Bank for considering to elevate me to the position of General Manager. I joined this great Bank as a Probationary Officer in 1997 and it has been a thoroughly enriching, learning, rewarding and satisfying journey to serve the country through this great institution. The shift from the manual environment to paperless banking, smooth roll over of B2K threat and serving the public through COVID has been truly fascinating.

This great Institution has a unique family culture, where every new member of the family, irrespective of any cadre is received with full affinity and is hand-held for their smooth transition to be affluent with the work culture of the bank. I put my sincere gratitude to all Canarites and specially my mentors for having made me to imbibe the basic service attitude which is a prerequisite for any banker.

In my 27 years of journey, I was able to serve in most parts of India in various capacity ranging from Branch Head, SME Sulabh Head, Second in Commandant of Big Circle like Mumbai and currently as the Head of Higher Education Financing Agency which caters India's Top Central Government Educational Institutes. Every assignment has been an experience in itself.

The mentorship of seniors and the timely guidance of LDCs in imparting need-based trainings has been instrumental in shaping professional growth and develop qualities of leadership, managerial and technical skill. No amount of words can express the gratitude felt towards my mentors ,colleagues and this great Bank, who have always supported and guided me throughout my banking journey.

This elevation given by the bank gives me more enthusiasm and commitment to continue to deliver the best and commit to the progress and prosperity of our beloved Institution **CANARA BANK**.

With warm regards,

Mohammad Thophic
General Manager

I am filled with profound gratitude & humility and I am deeply honoured to be elevated to the rank of General Manager, heading Customer Service Vertical under Operations Wing. My Journey has been an adventure of learning and collective growth. It all has been possible with the blessings of The Almighty and I am eternally grateful to Him for this wondrous life filled with opportunities to grow with others. Our mother Bank has a distinct culture of Community-oriented service and work with sense of service and dedication, which I actively imbibe everyday and tries to spread across all my teams. I am a strong believer that everyone should give their best efforts with utmost dedication and judiciously each day and all the rest shall takes care of itself. I wish to convey the same message here as well, that each one of us has been given a very important role to play, and we should play that role with conviction of faith and complete dedication every day towards the common goal of making our Bank the best.

I owe an immense debt of thanks to the remarkable seniors and mentors with whom I have had the privilege of working. Their invaluable wisdom, strategic guidance, and belief in my potential have been instrumental, not only in navigating the complexities of the banking world but in fundamentally shaping my principles of leadership. I am now more committed than ever to upholding the bank's core values and contributing significantly to its future success in this new and exciting capacity.

With warm regards,

Muthulakshmi P
General Manager

A Historic Milestone in the Canara Bank's Journey of Excellence

It is a matter of immense pride and joy that we have celebrated a defining moment in our journey, that Canara Bank has become the first Public Sector Bank in the country to have three of its subsidiary / associate companies successfully listed on the stock exchanges, a testimony to our legacy of strength, stability and sustained growth.

This achievement marks two historic milestones that have further strengthened the Canara Group by bringing in a new era of transparency, growth, and value creation for Canara Bank.

- Can Fin Homes Ltd has been serving the nation by fulfilling the dream of home ownership. It was listed on 4th May 1989, setting early benchmarks of trust and performance in the housing finance sector.
- Canara Robeco AMC has consistently delivered excellence in wealth management and mutual fund services, helping investors achieve their financial goals and became the second listed subsidiary.
- Canara HSBC Life Insurance Company Ltd combines the strength of three trusted institutions to offer reliable protection and long-term financial security to millions and became the third listed subsidiary.

These achievements are more than financial milestones; they embody our commitment to governance, transparency, and sustainable growth. I extend my heartfelt congratulations to the leadership teams of our Bank and Canara Group Companies, shareholders, and every member of the Canara Bank family who contributed to achieving this milestone.

Unlocking Value

The listing of subsidiaries has unlocked significant value, generating a profit of around ₹2006 crore(CHLIC - ₹1322 Cr + CRAMC - ₹684 Cr and profit net of expenses is around ₹1930 Cr) for the Bank through the offloading of a 14.50% stake in CHLIC and a 13% stake in CRAMC, pursuant to the sale of shareholding through OFS/IPO. Our book value of investment before uploading stock was only ₹484.50 Cr (51% Stake) for CHL, ₹22.85 Cr (51% stake) for CRAMC and ₹111.18 Cr (29.99% stake) in Canfin Homes Ltd.

As on November 17, 2025, the residual market capitalization of the Bank's Shareholding in its listed group entities stands at ₹2258 Cr in CRAMC (38 % holding), ₹4161 Cr in CHLIC (36.5% holding) and ₹3560 cr in Canfin Homes Ltd (CFHL). The combine market cap is around ₹10000 Cr.

CANARA HSBC LIC
Listed on 17th Oct 2025

CANARA ROBECO AMC LTD
Listed on 16th Oct 2025

CANARA ROBECO AMC LTD
Listed on 4th May 1989

The listings have opened doors to new opportunities and greater aspirations to serve our customers, investors, and stakeholders with enhanced commitment and excellence.

I am confident that the journey ahead for our listed companies will be promising, as they continue to reposition themselves as pioneers in the industry. Together, we are building a diversified, future-ready financial ecosystem that upholds the Canara Bank legacy of trust, service, and nation-building.

Let us continue to move forward with the same unity, passion, and purpose that brought us to this proud moment. The journey ahead for Canara Group is promising and I am confident that together we will scale greater heights.

Wishing you all the Best,

K Satyanarayana Raju
Managing Director & CEO, Canara Bank

Canara Bank's AI Odyssey

Papanasam S
Deputy General Manager
Strategy & Data Analytics Vertical
Strategy, Resources & Govt. Services Wing

The banking environment today is shaped increasingly by data-led decision making, faster service expectations and the need for stronger risk management. Recognising this shift early, the Bank has steadily strengthened its capabilities in data, analytics and emerging technologies, ensuring that our systems, processes and people are equipped to respond to these demands in a structured and future-ready manner.

A major step in this direction was the establishment of the Data & Analytics Centre (DnA), which has become a central hub for modern analytical work across the Bank. The Centre operates on an agile collaborative model and brings together cross-functional teams to accelerate solution development. Over time, this has helped the Bank scale capabilities—from supporting daily insights to enabling advanced AI/ML models across business, risk and service domains.

These strengthened foundations have supported a wide range of improvements. Initiatives such as Business Around have contributed significantly to business mobilisation, while analytical tools and dashboards have enhanced the visibility of performance at branches and administrative units. Structured insights—delivered through solutions like Finsights (Power BI dashboards) and Finshots (Analytical capsule in mailbox) — now reach key decision-makers every day, enabling timely and objective reviews.

Customer experience has also seen meaningful progress. The Bank developed SmartCX, a consolidated monthly customer relationship statement, designed to provide transparency and empower customers with a unified view of their financial relationship with the Bank. Similarly, the adoption of Voice of Customer analytics on cloud infrastructure has enabled deeper understanding of customer sentiment across interactions.

Data-driven risk mitigation has advanced steadily as well. Models for early warning, default prediction and fraud prevention are now part of the Bank's analytical ecosystem. Notably, the Money Mule prediction model achieved over 96% accuracy and reduced false positives to below 10%, contributing to a significant reduction in fraudulent fund flows and earning recognition at the IBSi Global FinTech Innovation Awards.

Alongside these developments, the Bank has placed strong emphasis on data governance and quality. Continuous efforts under the Data Dump Analytics programme have steadily improved the Bank's data quality, strengthening the reliability of reporting and analytics across the organisation. The branch scoring matrix, which evaluates over 130 parameters, has further enabled consistent and transparent performance assessment.

Capability building for employees remains equally important. The Bank introduced an AR/VR-based training platform powered by Generative AI, offering immersive training across multiple scenarios and now operational in all Regional Staff

Training Colleges. This initiative supports uniform learning standards and equips employees with practical, scenario-based training.

Complementing these initiatives is the Bank's adoption of a Board-approved AI Governance Policy, one of the first among Public Sector Banks. This framework ensures that all AI and ML solutions adhere to principles of fairness, transparency, privacy and compliance with evolving regulations, including data protection requirements.

Looking ahead, the Bank is deepening its work in Generative AI through a structured roadmap that includes solutions for employee assistance, customer engagement, credit support and operational efficiency. Investments in scalable platforms, MLOps frameworks and cloud-based analytics will continue to strengthen the Bank's ability to deploy advanced models responsibly and effectively.

The Bank's progress in the field of AI and data analytics reflects a consistent, long-term strategy: strengthening foundational capabilities, deploying solutions with measurable impact, prioritising responsible use of technology and enabling teams across the organisation to benefit from data-driven insights. As we continue this journey, the emphasis remains on using AI and analytics to enhance customer value, improve risk management and support sustained business growth.

*****

कविता

AI का जमाना है

अजय कुमार
प्रबंधक
अंचल कार्यालय, चंडीगढ

क्यूँ खड़ा है लाइन में,
डिजिटल तूँ भुगतान कर
करले स्केन QR कोड से
फिर उसके बाद आराम कर
समय के साथ चल यही तो जमाना है
क्योंकि AI का जमाना है, बैंक को आगे बढ़ाना है

डिजिटल पासबुक है पास तेरे,
क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल कर
डेबिट कार्ड पर है बहुत उपहार
केनरा डैशबोर्ड चेक एक बार कर
आफ़र्स की है भरमार, खुशी का खजाना है
क्योंकि AI का जमाना है, बैंक को आगे बढ़ाना है

कार लोन हो या होम लोन,
आवेदन कर नियम व शर्ते देखकर
कर आवेदन शिक्षा लोन
बच्चो का भविष्य तूँ सेफ कर
बैंक है हमेशा साथ तेरे
बस तूने आगे हाथ बढ़ाना है
क्योंकि AI का जमाना है, बैंक को आगे बढ़ाना है

चाहे हो कासा या हो लोन
जानकारी है तेरे फोन में
कब लगी है ब्याज
और कब आएगी सब्सिडी लोन में
जानकारी के लिए Ai1 पर एक क्लिक दबाना है
क्योंकि AI का जमाना है, बैंक को आगे बढ़ाना है

अजय केनरा बैंक में
सेवा बहुत निराली है
जो इसके साथ जुड़ा
उसकी ज़िंदगी में खुशहाली है
अपने बैंक के बारे में सब को बताना है
क्योंकि AI का जमाना है, बैंक को आगे बढ़ाना है

From One Man's Dream to a Million Promises: The Canara Story Lives On

Rohit Kumar
Officer
Phalton Branch

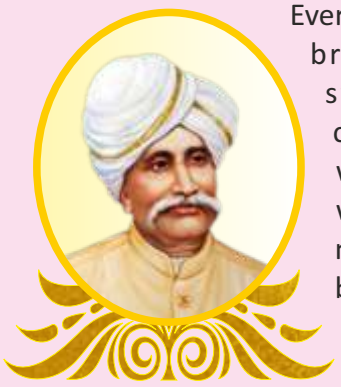

Every time we step into our branch, switch on the system, and greet a customer with a smile, we are unknowingly walking on a path laid more than a century ago by a man whose vision changed the course of Indian banking. His name was Sri Ammembal Subba Rao Pai. He was not just a lawyer or a thinker, he was a man who believed that a bank should be a pillar of trust, compassion, and community.

When he founded the Canara Hindu Permanent Fund in Mangalore in 1906, his dream was simple yet powerful. He wanted ordinary people to experience the dignity of financial independence. He believed that a good bank should not only deal with money but must serve the moral and social good of society. That vision, born in a small coastal town, became the heartbeat of what we proudly know today as Canara Bank.

For us, Founders Day is not just an annual celebration. It is a day to look back at the journey that began with one man's determination and continues through every banker who carries his values forward. When I joined this institution, I thought banking was about figures and finance, but over time I realized that every transaction carries a story, every customer teaches a lesson, and every challenge shapes our spirit.

I still remember a day when an elderly pensioner came to our branch, worried because her pension had not been credited. Her hands trembled as she held her passbook. I assured her that we would look into it immediately. After a few calls and some checks, we found that there was a small technical delay. Once it was fixed, she looked at me with relief and said, “Bete, ab bhi bank par vishwas hai.” That sentence stayed with me. It reminded me that no matter how digital or advanced we become, the true essence of banking is still trust, warmth, and understanding.

Across the country, countless Canara bankers live this truth every single day. Some travel through muddy roads in rural areas to help self-help groups get their first loan. Others work late evenings in city branches to ensure customers complete their digital transactions smoothly. There are officers who patiently guide farmers, small traders, and students, treating every query as an opportunity to build confidence.

These everyday acts of service may not make news,

but they quietly uphold the values our Founder stood for. The dedication of each employee, the kindness in each gesture, and the extra effort made for a customer in need — all of it reflects the living legacy of Shri Ammembal Subba Rao Pai.

He believed in progress through compassion, in profit through honesty, and in success through service. More than a hundred years later, these ideals still define who we are. Canara Bank today stands as one of the country's most trusted institutions, yet its strength does not come from its size or systems alone. It comes from the people who serve under its name with sincerity and pride.

I have often thought about how different the world must have been in 1906. No digital screens, no core banking, no online transfers only a belief that people deserved a fair chance to grow. That same belief guides us even now, though the times have changed. From rural development to digital inclusion, from women's empowerment to supporting young entrepreneurs, we continue to expand the founder's dream into new dimensions.

Every branch, every customer interaction, every small smile exchanged at the counter these are not just moments of service, they are acts of remembrance. They remind us that we are not only employees of a bank, but torchbearers of a noble purpose that began with faith and humility.

Founders Day, therefore, is not about remembering the past, it is about realizing how that past still lives in our actions. It is about taking the same spirit forward, ensuring that the trust our customers place in us never fades. It is about being proud that we are part of a story that began with one man's dream and now belongs to millions.

Whenever I see a young banker learning the ropes or a senior colleague guiding a customer patiently, I feel that Sri Ammembal Subba Rao Pai's presence still walks among us. He lives in the honesty of our work, in the smile of a satisfied customer, and in the quiet dedication of every Canara employee who believes in service above all.

As we celebrate this Founders Day, let us remember that our founder did not just create a bank. He created a bond — a bond of trust, respect, and hope. It is now our duty to nurture it, protect it, and pass it on stronger than before.

In every corner of India, from bustling metros to silent villages, there is a Canara branch that stands as a symbol of reliability. And behind every counter, there is a banker who keeps that symbol alive through honesty and care.

This Founders Day, I bow with gratitude to the man whose vision gave us our purpose. His belief in people continues to inspire us, and his dream continues to guide our steps.

Canara Bank is not just a financial institution; it is a living story of trust that began in Mangalore and keeps growing with every act of service. We, the bankers of today, are its storytellers. And as long as we serve with sincerity, the light of our Founder will never fade.

*****

केनरा बैंक Canara Bank
(भारत सरकार का उपक्रम) (A Government of India Undertaking)
ಸಿಂಡಿಕೇಟ್ Syndicate

"दिवाली सब के संग"

मोहम्मद ज़ुहैब
प्रबंधक
एमएसएमई सुलभ, आयोध्या

मुंबई की चकाचौंध भरी ज़िंदगी में, एक आलीशान अपार्टमेंट में रहते थे चंदन, उनकी पत्नी सुहानी, उनकी नटखट बेटी पलक, चंदन की माँ जानकी और उनके घर में काम करने वाली मीना। दिवाली का त्यौहार नज़दीक था, और घर में उत्साह के साथ–साथ कुछ अनकही भावनाएँ भी थीं।

चंदन एक बड़ी टेक कंपनी में सीनियर मैनेजर था। उसका दिन लैपटॉप, कॉन्फ्रेंस कॉल्स और डेडलाइन्स में गुज़रता। सुहानी एक फ्रीलांस ड्रेस डिज़ाइनर थी, जो घर और अपने प्रोजेक्ट्स को बखूबी संभालती थी। नौ साल की पलक स्कूल की छुट्टियों में पटाखों, रंगोली और मिठाइयों के सपने देख रही थी। जानकी माँ, जो गाँव से मुंबई आई थीं, अक्सर पुरानी यादों में खो जाती थीं, जब दिवाली में पूरा गाँव एक साथ दीये जलाता था। और मीना, जो कई सालों से उनके साथ थी, घर को चमकाने और खाने की मेज को स्वादिष्ट पकवानों से सजाने में माहिर थी।

घर में दिवाली की तैयारियाँ जोरों पर थीं। सुहानी ने घर को झालरों और फूलों से सजाया। पलक अपने छोटे–छोटे हाथों से रंगोली बना रही थी। जानकी माँ रसोई में गुजिया और नमकीन बना रही थीं, और मीना हर काम में उनका साथ दे रही थी। लेकिन चंदन का मन कहीं और था। ऑफिस में एक बड़ा प्रोजेक्ट था, और उसे लग रहा था कि वह परिवार को समय नहीं दे पा रहा।

एक शाम, चंदन देर से घर लौटा। पलक ने दौड़कर उसे गले लगाया और बोली, "पापा, इस बार हम अनार और फुलझड़ियाँ जलाएँगे ना? और मेरी रंगोली देखो, मैंने तितली बनाई!" चंदन ने थकी हुई मुस्कान दी और कहा, "हाँ, बेटा, बिलकुल।" सुहानी ने उसकी उदासी भाँप ली। रात को, जब पलक सो गई, सुहानी ने पूछा, "चंदन, क्या बात है? तुम इस बार दिवाली में कही खोये खोये से हो।

चंदन ने गहरी साँस ली। "सुहानी, मैं दिन–रात काम में डूबा रहता हूँ। मुझे लगता है मैं तुम्हारे, पलक और माँ के लिए कुछ खास नहीं कर पा रहा। दिवाली खुशियों का त्यौहार है, पर मैं तो बस थकान महसूस कर रहा हूँ।" सुहानी ने उसका हाथ थामा और बोली, "चंदन, दिवाली का मतलब है अपनों के साथ छोटी–छोटी खुशियाँ। बस एक दिन अपने लिए निकालो। पलक और माँ के साथ वक्त बिताओ। देखना, सब बदल जाएगा।

अगली सुबह, जानकी माँ ने चंदन को बुलाया। "बेटा, मेरे साथ मंदिर चल।" चंदन को जल्दी थी, लेकिन माँ की बात कैसे टालता? मंदिर में पूजा के बाद, जानकी माँ ने एक कहानी सुनाई। "जब मैं गाँव में थी, एक साल दिवाली पर हमारे पास पैसे कम थे। फिर भी पिताजी ने मिट्टी के दीये बनाए, और हमने पड़ोसियों के साथ मिलकर गाँव को रोशन किया। वो खुशी पैसे से नहीं, दिल से आई थी। बेटा, अपनों के साथ हँसी और प्यार ही असली दिवाली है।

चंदन को माँ की बात दिल में उतर गई। उसने अगले दिन छुट्टी ली। उसने पलक के साथ रंगोली बनाई, सुहानी के साथ मिठाइयाँ पैक कीं, और मीना की मदद से घर को और खूबसूरत सजाया। जानकी माँ ने अपनी गाँव की गुजिया रेसिपी सिखाई, और पलक ने मज़े–मज़े में आटे से गोल–गोल गुजिया बनाने की कोशिश की। हँसी–मज़ाक से घर गूँज उठा।

लेकिन दिवाली की सुबह मीना, जो हमेशा सुबह जल्दी आ

जाती थी, उस दिन गायब थी। सुहानी ने फोन किया, लेकिन मीना का नंबर बंद था। पलक परेशान हो गई। "मम्मी, मीना दीदी कहाँ हैं? वो बिना दीये जलाए कैसे रहेंगी?" चंदन और सुहानी ने मीना के घर जाने का फैसला किया। जब वे वहाँ पहुँचे, तो देखा कि मीना की छोटी बेटी प्रिया बुखार में तप रही थी। मीना रात से उसकी देखभाल में लगी थी, और दवाई के लिए पैसे कम पड़ गए थे।

चंदन का दिल पिघल गया। उसने तुरंत प्रिया को डॉक्टर के पास ले जाकर दवाइयाँ दिलवाईं। सुहानी और पलक ने मीना के छोटे से घर को दीयों और फूलों से सजाया। जानकी माँ ने अपनी बनाई गुजिया और नमकीन मीना के परिवार के लिए पैक किए। जब मीना ने ये सब देखा, उसकी आँखें भर आईं। "साहब, मैडम, आपने मेरे लिए इतना किया?" उसने काँपती आवाज़ में कहा।

चंदन ने मुस्कुराकर कहा, "मीना, तुम हमारे परिवार का हिस्सा हो। तुम्हारी खुशी ही हमारी दिवाली है।" उस रात, चंदन के परिवार और मीना के परिवार ने एक साथ बैठकर दीये जलाए। पलक ने प्रिया को फुलझड़ी पकड़ना सिखाया, और आसमान आतिशबाज़ियों से जगमगा उठा। जानकी माँ ने सबके लिए आशीर्वाद माँगा, और सुहानी ने सबको मिठाईयाँ खिलाईं।

चंदन को उस रात एहसास हुआ कि दिवाली का असली जादू सिर्फ अपने परिवार में नहीं, बल्कि दूसरों की मदद करने और उनकी मुस्कान में छुपा है। मीना की बेटी प्रिया की हँसी और जानकी माँ की कहानियों ने घर को रोशनी से भर दिया।

दिवाली का मतलब है रोशनी बाँटना–चाहे वो दीयों की हो, प्यार की हो, या किसी की मदद की। काम की भागदौड़ में अपनों और दूसरों के लिए वक्त निकालना ही ज़िंदगी को सच्ची खुशी देता है।

*****

Poem

"Cyber Suraksha - Our Digital Shield"

Avanish Srivastava
Officer
Chitrakoot Dham Karwi

In the word of screens and glowing light,
We surf, we chat, from day to night.
A click, a share, a post so fast-
But think before, the spell is cast.

Your password strong, your data dear,
Guard it well, keep hackers clear.
Don't trust each link, that comes your way,
A trap may hide in what seems okay.

Cyber world is vast and wide,
With knowledge deep on every side.
But dangers lurk in silent disguise,
So open your heart-but guard your eyes.

Report the wrong, stand with right,
Be Cyber Smart- Keep Safety in sight.
Together we will build a secure domain,
Where trust and truth forever remain.

Cyber Suraksha- Our Shared Duty,
To Protect this world of digital beauty

Rediscovering Local Business Through Intelligence

Ankita Sharma
Officer
Data & Analytics Section (DnA)
Head Office

A decade ago, banking was about knowing your neighbourhood — about people, not platforms. Branch staff would visit nearby markets, meet traders and shopkeepers, and build relationships one conversation at a time. Customer acquisition depended on experience, familiarity, and intuition.

Today, that same local knowledge has been strengthened with data and intelligence. With technology evolving rapidly, the Bank has found new ways to help branches understand and serve their communities better. One such step forward has been an innovative application that uses analytics to identify potential customers and businesses around each branch. It provides an overview of the local market, helping teams reach out to enterprises and entrepreneurs with insight and purpose.

What began as an idea to make customer acquisition smarter soon grew into one of the Bank's most successful digital initiatives — and the first of its kind among public sector banks. It enables staff to see business opportunities nearby, plan their approach efficiently, and engage with potential customers in a structured way. The platform's simple design and ease of use have made it a part of the daily routine for many branch teams.

Since its launch, the initiative has created visible impact across the network. Branches have reached out to lakhs of prospective customers, and thousands of those connections have already resulted in new relationships and business growth. More importantly, employees have embraced a more proactive and data-driven approach to identifying opportunities, which has strengthened both productivity and confidence.

This change reflects how far the Bank has come — combining the strength of its traditional customer relationships with the possibilities offered by analytics and digital tools. The initiative has also drawn recognition from various forums for its innovative use of geo-intelligence in strengthening grassroots banking.

As we celebrate Founder's Day, this story represents more than just a technological achievement. It reflects the spirit of curiosity and progress that has always defined the Bank — the willingness to adapt, to learn, and to grow with the times. Our founders built this institution on trust, service, and community connection. Those values remain at the heart of everything we do; only the way we deliver them has evolved.

From ledgers to dashboards, from local knowledge to intelligent insights — our journey continues with the same purpose: to serve our customers better and to strengthen our bond with every community we touch.

Because opportunity has always been around us.

Now, we have the intelligence to see it more clearly. And because the future of banking isn't about replacing people with machines — it's about empowering people with smarter tools.

केनरा बैंक Canara Bank
(भारत सरकार का उपक्रम) (A Government of India Undertaking)
ಸಿಂಡಿಕೇಟ್ सिंडिकेट Syndicate

मेरे बैंक की कहानी वर्ष 1930 से 1942 तक

बी.के. उप्रेती
वरिष्ठ प्रबंधक (सेवानिवृत्त)
केनरा बैंक

वर्ष 1930 बहुत उतार–चढाव वाला था। वर्ष 1929 में स्टॉक मार्केट क्रैश का असर दिखने लगा था। बेरोज़गारी और महंगाई बढ़ने लगी थी और कृषि में नुकसान हो रहा था। देश में नमक आंदोलन शुरू हो गया था, जिसका असर पूरे देश में दिख रहा था। मार्च 1930 को महात्मा गांधी जी को गिरफ्तार कर लिया गया था। जेल से छूटने के बाद गांधी जी ने पहले गोल मेज सम्मेलन में हिस्सा लिया। गांधी – इरविन की बात से कुछ हासिल नहीं हुआ। लेकिन गांधी जी ने हिन्दु समाज में फैली छुआछूत प्रथा के विरोध में देश भर में यात्रा शुरू कर दी थी।

दक्षिण कनारा के लोग दिल से देशभक्त थे। केनरा बैंक के बहुत से डायरेक्टर कांग्रेसी थे और वह खादी के वस्त्र ही पहनते थे। श्रीनिवास पाई हमेशा गांधी टोपी पहनते थे। सर्वोत्तम नायक कांग्रेस की रुरल मार्केटिंग और फाइनेंसिंग सब कमेटी के सदस्य थे जो कि प्लानिंग कमीशन से जुड़ी थी। हमारा बैंक दक्षिण कनारा की सामाजिक और आर्थिक परिवेश की जरूरतों को ध्यान में रखकर योजनाएं बनाते थे।

दी ट्रेवनकोर नेशनल बैंक और क्विलोन बैंक (The Travancore National Bank and Quilon Bank) का डूबना।

इस बैंक के डूबने से दक्षिण कनारा के बैंकों में डर का माहौल बन गया था। इस बैंक की स्थापना सन 1912 में एलेप्पेमें हुई थी और कुलीन बैंक 1912 में क्लोन में स्थापित हुआ था। रिजर्व बैंक के ऑर्डर से 1 सितंबर 1937 को दोनों बैंक का विलय हो गया था। विलय के 7 महीने के अंदर यह बैंक डूब गया था। इन दोनों की गिनती बड़े बैंकों में होती थी। यह दक्षिण भारत का सबसे बड़ा बैंकिंग संकट (क्राइसिस) था। इस हादसे का सबसे ज्यादा असर हमारे बैंक की मुंबई शाखा पर पड़ा। उस समय के महा प्रबंधक श्री सर्वोत्तम नायक इस समस्या का सामना करने की लिए तैयार थे। उन्होंने स्थिति को संभालते हुए बैंक कर्मचारियों को निर्देश दिया की , किसी भी बैंक के ग्राहक को बिना प्रश्न पूछे उसकी रकम लौटाई जाए। बैंक में कैश की कमी न हो तो दूसरी शाखाओं से फंड्स मंगवाए गए। कुछ समय बाद ही बैंक के ग्राहक लौटने लगे और समस्या आई गई हो गई।

आर बी आई का गठन

1 जनवरी 1935 को रिजर्व बैंक आफ इंडिया का गठन हो गया और 1 अप्रैल 1935 से आरबीआई ने काम करना शुरू कर दिया। लेकिन शेड्यूल बैंक के रेगुलेशन 5 जुलाई 1935 से लागू हुए। मुझे यह बताते हुए हर्ष हो रहा है कि दक्षिण कनारा के बैंको में से हमारा बैंक सर्वप्रथम रहा जिसने आर बी आई की शेड्यूल बैंक की आर्थिक कंडीशन को पूरा किया और आर बी आई की शेड्यूल बैंक की लिस्ट में 5 जुलाई 1935 को अपना नाम दर्ज कराया।

आर बी आई से बैंक को शाबाशी

दी ट्रेवनकोर एंड क्वीलोन बैंक के दिवालिया होने से हमारा बैंक भी कुछ समय के लिए आर्थिक संकट में आ गया। इस आर्थिक संकट से उभरने के लिए हमारे बैंक ने आर बी आई से मदद की गुहार लगाई और आर बी आई ने अपने मुंबई ऑफिस से एक अधिकारी को बैंक का निरीक्षण करने के लिए हेड ऑफिस मेंगलुर भेजा। आर बी आई अधिकारी, बैंक की कार्यप्रणाली से संतुष्ट थे और उन्होंने हमारे बैंक को आर्थिक मदद के लिए आश्वासन दिया । हमारे बैंक के प्रेसिडेंट श्री ए श्रीनिवास पाई जी ने आर बी आई के अधिकारी से बैंक की कार्यप्रणाली में सुधार के लिए सुझाव मांगे तो उन्होंने बैंक की कार्य प्रणाली की प्रशंसा की और कहा कि हमें भी बहुत कुछ केनरा बैंक से सीखना है। रिजर्व बैंक ने हमारे बैंक को आपातकाल से निपटने के लिए 7 लाख की आर्थिक सहायता की अनुमति दी।

मुंबई में शाखा विस्तार

बैंक के इतिहास में वर्ष 1928 का बहुत महत्व है। इस वर्ष बैंक ने अपनी शाखा का मुंबई में विस्तार करने की योजना बनाई। मुंबई हमारे बैंक के लिए बहुत महत्व रखता था। मंगलौर की जनता का बॉम्बे से व्यापारिक कनेक्शन था। उनको बैंकिंग सेवाओं की बहुत जरूरत थी। दक्षिण कनारा के बैंकों में से हमारा बैंक ही था, जिसने सर्वप्रथम बॉम्बे में अपनी शाखाएं खोली क्योंकि बॉम्बे आर्थिक गतिविधियों का नर्व सेंटर माना जाता था। बॉम्बे शाखा खुलने से पहले कमिशन एजेंट गोल्ड और सिल्वर सिक्कों को ईस्टर्न बैंक लिमिटेड में गिरवी रखते थे। लेकिन हमारी बैंक की शाखा खुलने के बाद वे हमारे बैंक से जुड़ गए। दिल्ली और कोलकाता में हमारे बैंक की शाखा नहीं थी, इसलिए मुंबई शाखा ही डिमांड ड्राफ्ट और टेलीग्राफिक ट्रांसफर, मर्केन्टायिल बैंक की मदद से हैंडल करती थी।

उस समय बचत खातों में चैक बुक सुविधा उपलब्धि नहीं थी। विड्रॉल ऑर्डर फार्म से ही रकम निकाली जाती थी।

1. प्रत्येक चालू खाते के चेक पर एक आने की स्टेम ड्यूटी लगती थी जो बाद में बंद कर दी गई थी।
2. बचत खाते में 5000 रुपए तक की रकम पर 4% ब्याज दिया जाता था और 5000 से अधिक रकम पर ब्याज नहीं मिलता था।
3. चालू खाते में है व्यस्त मौसम (Busy season) में 3% और मंदी के मौसम (Off season) में 2% ब्याज दिया जाता था।

वर्ष 1933 तक बैंक प्रबंधन ने शाखाओं के विस्तार के महत्व को समझ लिया था। इसी वर्ष बेंगलुरू में शाखा खोली गई। बेंगलुरू शाखा का उपयोग ईक्वीटेबल मॉर्टगेज (उम्क्लग्घ्न्ज क्ब्ल्ज्न्ज) के लिए किया गया। टाईटल डीड जमा करने के लिए यह ब्रांच उपयुक्त थी। हमारे बैंक ने दक्षिण भारत के निम्नलिखित शहरों में अपनी शाखाएं खोली, एलेप्पे, कालीकट, एणाकुलम, हुबली, धारवाड, केनेनूर, बडगारा , पायानूर, कूलोन कायमकूलम, बेलगाम, उस समय दक्षिण भारत के बैंकों में से केवल हमारे बैंक की सबसे ज्यादा शाखाएं थी। वर्ष 1936 मे मेंगलुरु शहर में क्लीयरिंग हाउस खुला और हम उसके मेंबर बने।

हमारा बैंक अपनी शाखाएं खोलकर लाभांश बढाना चाहता था। लेकिन देश में चल रहे 1942 के अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन के कारण 7 छोटी शाखों को बंद भी करना पड़ा।

बैंक का रजत जयन्ती (सिल्वर जुबली) कार्यक्रम

दिनांक 24 मई 1932 को बैंक प्रबंधन ने रविवार 9 अक्टूबर 1932, विजयदशमी के दिन बैंक के सिल्वर जुबली कार्यक्रम के आयोजन की रूपरेखा बनाई वह इस प्रकार थी।

1. गरीब लोगों को चावल का दान दिया जाएगा।
2. बैंक के शेरहोल्डर, जमाकर्ता और शुभचिंतकों से मीटिंग की जाएगी और उनके लिए चाय नाश्ते का आयोजन किया जाएगा।
3. शाम को वेंकटरमन मंदिर में पूजा का आयोजन।
4. इस उपलक्ष्य में केनरा बैंक ने केनरा बैंक सिल्वर जुबली स्कॉलरशिप की घोषणा की जो कि केनरा हाई स्कूल के बच्चों को दी जाएगी।
5. बैंक के कर्मचारियों के लिए बोनस की घोषणा की गई।

शाखा निरीक्षण (Branch Inspection)

बैंक की कार्यप्रणाली को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए बैंक प्रबंधन ने वर्ष 1930 में ही बैंक इंस्पेक्टर की ड्यूटीज और रिस्पांसिबिलिटी तय कर दी गई थी।

1. प्रत्येक शाखा का 6 महीने में एक बार निरीक्षण अनिवार्य किया।
2. इंस्पेक्टर शाखा की गलतियों/कमियों से शाखा को अवगत कराएंगे और शाखा के मार्गदर्शक और परामर्शदाता की भूमिका निभाएगें।

आजादी के बाद की बैंकिंग

15 अगस्त 1947 को देश आजाद हुआ और हमारे बैंक ने आज़ादी का जश्न बैंक कर्मचारियों को बोनस दे कर मनाया। आज़ादी तो मिल गई थी लेकिन हैदराबाद शहर में सांप्रदायिक दंगे भड़क गए। इस मुसीबत के वक्त, बैंक कर्मचारियों ने अपनी जान की परवाह ना करते हुए बैंक को अपनी संपूर्ण सेवाएं दीं। बैंक के प्रति वफ़ादारी के लिए 10 कर्मचारियों को 120 से ₹1000 तक का ईनाम दिया गया। आज़ादी के बाद सिकंदराबाद के हालात बिगड़ रहे थे। रजाकार आंदोलन के कारण मुस्लिमों ने भारत सरकार के खिलाफ युद्ध छेड दिया था। हिंदुओं के घर लुटे जा रहे थे, व्यापार और आर्थिक गतिविधियां रूक गई थी। बैंक ने इस मुसीबत के वक्त भी ग्राहकों को अपनी संपूर्ण सेवाएं दी। इसलिए जब माहौल शांत हुआ तो हमारे बैंक को

भरोसे का बैंक के खिताब से नवाजा गया।

आर बी आई द्वारा वर्ष 1947 में बैंक का निरीक्षण

वर्ष 1947 में एक बार फिर हमारे बैंक मैनेजमेंट ने आर बी आई को बैंक के निरीक्षण के लिए आमंत्रित किया। क्योंकि बैंक अपनी कार्यप्रणाली में पारदर्शिता को महत्व देता था। यह सब बैंक की नीति का हिस्सा था। आर बी आई ने हमारी बैंक की वित्तीय सुदृढ़ता पर कोई प्रश्न चिन्ह नहीं ।

प्रशासनिक विकेंद्रीकरण

वर्ष 1950 में पहली बार बैंक का प्रशासनिक विकेंद्रीकरण हुआ सर्वोत्तम नायक जी की सलाह के मुताबिक 2 जोन, मुंबई और मेंगलुरु बनाए गए।

कार्य प्रणाली में दक्षता और सुधार के लिए इबकोन कन्सलटेन्सी फर्म (Ibcon ltd consultancy firm) का चयन

वर्ष 1951 में बैंक प्रबंधन ने कार्य प्रणाली में सुधार और दक्षता लाने के लिए इस कंपनी की सेवाएं ली। इस कंपनी की सलाह पर बैंक ने 6 कर्मचारियों को विदेश ट्रेनिंग के लिए लायड बैंक लंदन भेजा जो उस समय का सबसे प्रतिष्ठित बैंकिंग संस्थान थान जिन 6 कर्मचारियों को ट्रेनिंग में भेजा उनमें श्री सी ई कामत भी थे। ट्रेनिंग के दौरान उन्होंने अपने पत्र दिनांक 18.7.1952 में लिखा कि इस बैंक में किसी भी ग्राहक को छोटा या बड़ा नहीं समझा जाता। बैंक के लिए सभी ग्राहक समान हैं। प्रबंधक ग्राहकों के खुशी के मौके पर उनको बधाई एवं शुभकामनाएं देते हैं और दुख के समय उनसे मिलते हैं और अपनी संवेदनाएं प्रकट करते हैं।

लायड बैंक के कर्मचारियों में ग्राहकों के प्रति सेवा भाव कूट – कूट कर भरा है। कर्मचारी महसूस करते हैं संस्था की सफलता के लिए ग्राहकों की सदभावना/साख (Goodwill) बहुत जरूरी है। उन्होंने लिखा लायड बैंक के कर्मचारी यह भी महसूस करते हैं कि संस्था के विकास से ही उनका भविष्य जुड़ा है। उन्होंने आगे लिखा कि यदि हम सब भी ऐसी ही सोच रखें और इसी उद्देश्य से कार्य करें तो हमारा बैंक भी निरंतर विकास और प्रकृति की ओर बढ़ता रहेगा।

केनरा बैंक का समाचार बुलेटिन 1950

वर्ष 1950 में केनरा बैंक ने समाचार बुलेटिन की शुरुआत की जिसमें बैंक की सेवाओं और उपलब्धियों से कर्मचारियों को अवगत कराया जाता था। बैंक के प्रचार विभाग को इस बुलेटिन का स्लोगन बहुत पसंद आया Family bankers to 50000 मतलब 50000 परिवारों का बैंक। कुछ ही समय में केनरा बैंक न्यूज बुलेटिन बहुत प्रसिद्ध हो गया। इसमें बहुत से रोचक लेख होते थे और उन्हें पढ कर कर्मचारियों को एक परिवार वाली अनुभूति होती थी।

स्टाफ ट्रेनिंग स्कूल बैंगलोर की स्थापना।

वर्ष 1953 में हमारे बैंक ने रिजर्व बैंक के, बैंकर्स ट्रेनिंग कॉलेज की तर्ज पर कर्मचारियों को ट्रेनिंग देने के लिए स्टाफ ट्रेनिंग स्कूल बनाया। बैंक प्रबंधन एक ऐसा सिस्टम बनाना चाहते थे जिसमें गलती की कोई गुंजाइश न हो और बैंक एक सिस्टम से चले न किसी की मर्जी से।

एक बैंकर जिसने हमारे बैंक की आर्गेनाईजेशन सेटअप का अध्ययन किया और लिखा यदि बैंक प्रबंधन से जुडें सभी लोगों को बदल दिया जाए तो भी बैंक अपनी कार्यप्रबंधन और नियमावली अनुसार सुचारू रूप से कार्य करता रहेगा।

(If all the Directors of the bank and principal officers were to be replaced in a moment by their wives, the administration would still remain unaffected)
बहुत से बैंकों ने हमारे बैंक की कार्य प्रणाली को पसंद किया और अपनाया।

कराची शहर में शाखा

वर्ष 1946 में बैंक ने पाकिस्तान के कराची शहर में शाखा खोली। वर्ष 1951 में बैंक को भारत और पाकिस्तान से व्यापार करने का लाइसेंस मिल गया था। वर्ष 1956 तक कराची शाखा ने काम किया और वहां पर बैंक की गोल्डन जुबली भी मनाई गई।

फॉरेन एक्सचेंज शाखा।

वर्ष 1953 में हमारे बैंक को रिजर्व बैंक द्वारा फॉरेन एक्सचेंज ब्रांच खोलने का लाइसेंस मिला और 27 अप्रैल 1953 को शाखा ने काम करना शुरू कर दिया। मिस्टर फ्रीमैन (Mr Freeman) को फॉरेन एक्सचेंज विभाग का इंचार्ज बनाया गया जिन्होंने 30 वर्ष तक लायड बैंक लंदन में फॉरेन एक्सचेंज डिपार्टमेंट में काम किया था। उनको विदेशी विनिमय विभाग के

कार्य में महारथ हासिल थी। हमारे देश का फॉरेन बिजनेस उस समय विदेशी बैंकों के हाथ में ही था। दिनांक 22.8.1955 को फॉरेन एक्सचेंज ब्रांच मद्रास ने काम करना शुरू कर दिया था।

प्रधान कार्यालय का स्थानांतरण

वर्ष 1954 को बैंक प्रबंधन ने प्रधान कार्यालय को मेंगलूर से बेंगलुरू स्थानांतरित करने का निर्णय लिया क्योंकि व्यापार और बैंक प्रबंधन की दृष्टि से बेंगलुरू सुविधाजनक था। दिनांक 3.3.1954 को प्रधान कार्यालय बेंगलूरू स्थानांतरित हो गया।

बैंक कर्मचारी संघ को मान्यता

इसी वर्ष बैंक प्रबंधन ने बैंक के कर्मचारी यूनियन को शास्त्री अवार्ड के अंतर्गत मान्यता दी।

वर्ष 1956 बैंक की स्वर्ण जयंती

वर्ष 1956 बैंक के लिए गोल्डन जुबली वर्ष था। वर्ष 1956 तक 51 शाखाएं का विस्तार हो गया था और उनमें 1000 कर्मचारी कार्यरत थे।

बैंक की स्वर्ण जयंती के उपलक्ष्य में बैंक ने ग्राहकों, कर्मठ कर्मचारियों और समाज के उत्थान के लिए निम्नलिखित योजनाओं की शुरुआत की।

1. मध्य वर्ग के लिए गृह ऋण योजना की शुरुआत की।
2. गोल्डन जुबली एजुकेशन फंड की स्थापना की, जिसके अंतर्गत 5 लाख की लोन स्कॉलरशिप देने की योजना बनाई, जिसमें कम ब्याज दर और आसान किस्तों पर लयगी।
3. वर्ष 1956 में एजुकेशनफंड की स्थापना हुई। इसी फंड से बुक बैंक की भी स्थापना हुई।
4. केनरा बैंक गोल्डन जुबली स्टाफ वेलफेयर फंड कर्मचारियों में बचत की भावनाओं को बढ़ावा देने के लिए इस फंड की स्थापना की गई।
5. कर्मचारियों के लिए गृह ऋण योजना की शुरुआत हुई।

अर्थी को कंधा देना

बैंक प्रबंधन अपने सभी कर्मचारियों को केनरा परिवार (Canara Family) समझता था। उस समय शव वाहन की व्यवस्था नहीं थी तब बैंक ने मृत कर्मचारियों के परिवार को हर संभव सहायता देने का बीड़ा उठाया। आपको जानकर आश्चर्य होगा कि मृत कर्मचारी की अर्थी को बैंक के महा प्रबंधक कंधा दिया करते थे।

गर्मी की छुट्टियों में ट्रेनिंग कैंप

वर्ष 1961 में केनरा बैंक जूबली एजुकेशन फंड के तत्वावधान में ग्रीष्मकालीन अवकाश पर विद्यार्थियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत की।

केनरा बैंक रिलीफ एंड वेलफेयर सोसायटी

इसके अंतर्गत गांव में रहने वाले मध्य वर्ग के बच्चों के लिए अवकाश के दौरान, प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना शुरू हुई। इस संस्था का उद्देश्य जरुरतमंदों को निशुल्क, निस्वार्थ सेवा देना था। इसी के अंतर्गत मातृछाया संस्था की स्थापना हुई जहां पर अभागिन मां के बच्चे, जिनको कुड़े के ढेर, नाली या गटर, बस स्टैंड पर जिंदा लावारिस छोड दिया जाता था उनको नवजीवन और आश्रय देने का जिम्मा इस संस्था ने उठाया। बडे होने पर अनाथ बच्चों को सरकारी अनाथालय में शिफ्ट कर दिया जात था।

सेवा क्षेत्र हास्पिटल के अंतर्गत गरीब और जरूरत मंद लोगों को निशुल्क/कम कीमत पर उपचार की व्यवस्था कराई।

वर्ष 1959 में बैंक ने अपने प्रयास से बाढ़ राहत कोष में 144000/ रुपए का अनुदान दिया।

यह है मेरे बैंक की गाथा जो शुरुआत से ही बैकिंग संस्थान होते हुए भी समाज की जरूरत और जिम्मेदारी को अपना कर्तव्य समझता है। जब कि उस समय कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व का कोई नियम नहीं था, लेकिन यह महान संस्थान तब भी और अब भी अपने संस्थापक श्री अम्मेम्बाल सुब्बाराव पै के सिद्धांत "A Good bank is not only the financial heart of the community but the social heart as well" की ओर अग्रसर है।

*****

Banking and beyond: Story of the northernmost branch of Canara Bank (A Founders' Day Special)

Abrar Ul Mustafa
Manager
Avantipora Branch

The morning sun rises gently over the mountains of Kupwara in Kashmir. Mist lingers over the walnut trees. A small hamlet named Gagal stirs awake. Somewhere at the edge of this village stands a modest building of brick and hope – Canara Bank, Gagal Branch – the northernmost outpost of one of India's oldest and most respected banks. No other bank exists here. Only this one. Only Canara. Children walk past it every morning. Their laughter echoes against the hills. Farmers greet the staff as they pass by. In this remote corner of the country, far away from the glass towers of cities, the bank is more than a financial institution. It is a friend. A guide. A silent promise that the light of opportunity will reach even the farthest doorstep.

It was a day like any other. The fresh walnut harvest was just over. The General Manager was on a visit to Gagal. The staff stood ready. Files arranged. Reports prepared. We served the fresh raw walnuts to him being the specialty of this place. The tricolor was fluttering outside with pride. What unfolded that morning was not about figures or targets. It was about faith. Faith in service, purpose and people. The branch had identified a small Government Middle School, its walls weary, its classrooms dim. The children there had dreams but no digital window to the world. The GM listened, looked around, and without a second thought, sanctioned ₹2 lakh for installing a Smart Education System – screens, computers and digital tools to turn chalkboards into smartboards. The day those children saw their first lesson light up on the new screen, their eyes glowed brighter than the morning sun. For them, it was magic. For the bank, it was mission. Because that is the Canara way — to reach where others do not. To touch lives in silence. To serve without show.

More than a century ago, in the coastal Mangalore, a visionary named Ammembal Subba Rao Pai dreamt of a bank that would be different. He did not dream of riches. He dreamt of righteousness. His vision was clear: A good bank is not only the financial heart of the community but also one with an obligation to help in its social uplift. From that small seed planted in 1906 grew a Chinar tree whose roots now spread across the nation. From Kanyakumari to Kupwara. Each branch, each employee, each account opened in a remote corner carries that founding spirit. To serve the nation before self. The world has changed. The way we bank has changed. But the values have not.

In times of flood and fire, in times of crisis and care, Canara Bank has stood like a sentinel. Recently, when parts of Jammu and Kashmir were hit by devastating floods, Canara Bank stepped forward with ₹25 lakh for the Chief Minister's Relief Fund. A gesture not just of aid but empathy. Across the country, the bank has donated ambulances to hospitals, infrastructure support to educational institutions and scholarship assistance to students from humble backgrounds. It has conducted financial literacy camps in villages where people had never held an ATM card before and digital awareness drives in towns where the first smartphone became a family treasure. Every act may look small. But together they form a mosaic. A portrait of a bank that beats with the pulse of the nation.

The Spirit of Founders' Day

Founders' Day is not merely an anniversary. It is remembrance. Reflection. Renewal. It is a day when every Canarite pauses and looks back at how far we have come. And how much further we must go. From

ledger books to mobile apps. From teller counters to AI-driven banking. The journey has been long, layered and luminous. But beneath all technology lies the same timeless truth: Banking is not about money alone. It is about meaning.

In Gagal, the Smart Classroom now hums with laughter. Children trace maps of India on the digital board. They learn English through colourful visuals. Maths through games. And geography through videos of rivers they've never seen. When asked what difference it made, Iqbal Ahmad Mir, the headmaster, smiled and said, "Earlier we taught them words. Now we show them worlds." Those words capture the essence of Canara Bank more than any slogan ever could.

There is a rhythm that runs through this institution. A quiet discipline. A deep-rooted belief that profit without purpose is hollow. Walk into any branch, the warmth feels the same. The greetings. The empathy. The willingness to help. All flow from one shared source: the founder's soul. Whether it is a new account in a remote village, a housing loan for a young family or a scholarship for a deserving student, every act, however small, carries the fragrance of that founding ideal.

As the bank steps into the age of Artificial Intelligence and Digital Transformation, it does so with the wisdom of experience. AI may predict numbers, but it cannot replace the human pulse that has guided Canara for more than a century. Technology will evolve. Algorithms will learn. But empathy will remain the real intelligence. That is what the Founders' Day reminds us. A good bank must keep pace with machines, yet never lose touch with man.

There is something poetic about a bank that began by the sea now standing proud among the mountains. The journey from Mangalore's coast to Kupwara's cold valleys mirrors India's own story – from aspiration to achievement. In each of its 10,000-plus branches, there beats the same steady rhythm – the rhythm of service. The same value. The same vow: Serve. Support. Strengthen. That is the trinity that defines Canara Bank.

At Gagal, when winter arrives, snow caps the rooftops and the valley turns white. The branch still opens on time. The staff still smile. The tricolour still flutters proudly against the cold wind. The customers walk in – shepherds, soldiers, farmers, teachers. For them, this bank is not a building. It is a bridge. A bridge between what is and what can be.

A century ago, when Ammembal Subba Rao Pai spoke of a bank that would blend business with benevolence, he was not imagining profit. He was imagining progress — social, moral, national progress. Today, every CSR activity, every community initiative, every small act of kindness carries forward that torch. From smart classrooms to flood relief, from medical aid to digital empowerment — the journey continues. The flame still burns. Ask any Canarite what Founders' Day means, and the answer comes not in grand speeches but in small gestures. A smile to a customer. A call to a pensioner who hasn't visited in a while. A visit to a nearby school. A word of encouragement to a colleague. That is Founders' Day – not a date on a calendar, but a feeling that lives every day inside the people who wear that blue badge with pride.

The story of Canara Bank is not just the story of finance. It is the story of faith – in people, in purpose, in the power of doing good. From the coastal town of Mangalore to the icy winds of Gagal, from a single branch to a network that binds the nation, the journey has been magnificent – not because of profits or figures, but because of the countless lives touched along the way. Each branch, each employee, each customer is a verse in this living poem of service. And as the sun sets behind the mountains of Gagal, its golden light falls on the signboard. The doors close for the day. But the story doesn't end. It continues. In classrooms that shine. In villages that smile. In hearts that believe. For Canara Bank was never just about banking. It was, and will always be, about belonging.

4 दिन की CL

संजीव कुमार वर्मा
अधिकारी
सीआरएम, थाणे

श्री डी. डा. डाबेराव जो कि सेक्शन इंचार्ज थे CRM (साख समीक्षा व निगरानी) के। मन में घर जाने के लिए छुट्टी की लालसा लिए हुए अपने ओवरसीइंग एग्जीक्यूटिव श्री चीं. चां. पाटिल के केबिन को बाहर से देखते हुए यह समीकरण समझने का प्रयास कर रहे थे कि क्या ये सही वक्त है अंदर जाने का?

पाटिल साहब का मिजाज कुछ यूं था कि उनकी हंसी और गम दोनों में आप शरीक नहीं हो सकते थे। जब वह हंसते, तो आपको यह सोचना पड़ जाता कि मुझे भी हंसना था क्या? उन्हें दुखी देखकर आप यह जरूर कहते, कि भला यह भी कोई उदास होने की बात है?

मगर पाटिल साहब तो पाटिल साहब !

डाबेराव सर ने जैसे ही केबिन का दरवाजा खोला पाटिल साहब कंप्यूटर चलाने में तल्लीन थे। माउस को तो उन्होंने ऐसे पकड़ रखा था कि जैसे छोड़ते ही भाग कर बिल में घुस जाएगा। SWL (जिसमें NPA होने वाले लोन का विवरण रहता है) की लिस्ट स्क्रॉल करने पर भी खत्म नहीं हो रही थी। मगर पाटिल साहब की उदारता तो देखिए कंप्यूटर से मुंह हटाते हुए तुरंत बोल पड़े डाबेराव जी, बोलिए कुछ काम है क्या?

डाबेराव सर हिचकिचाते हुए..... नहीं सर कुछ नहीं। मैं तो बस घर जाने की सोच रहा था। अगर चार दिन की CL (आकस्मिक अवकाश) मिल जाती तो।

पाटिल साहब मुंह घूमाते हुए कंप्यूटर की तरफ देखकर बोले– आज का SWL का लिस्ट देखें हैं क्या?

डाबेराव सर एक कर्मठ और जुझारू किस्म के कर्मचारी थे। जो लोन तभी NPA होने देते थे जब उनको अपनी जेब से पैसे लगाने की नौबत आ जाती थी। वरना मजाल है कि कोई लोन बिना पूछे गिर जाय। (बैंकिंग बोलचाल की भाषा में लोन गिरने का तात्पर्य लोन के NPA होने से है।)

डाबेराव सर तुरंत बोल पड़े – हां सर, सब से बात हो चुकी है, बस दो अकाउंट डाउटफुल है। एक में पार्टी गायब है और दूसरे में दुकान।

इसी क्रम में थोड़ी और हिम्मत दिखाते हुए डाबेराव सर फिर से बोल पड़े– सर, वो मैं घर जाने की सोच रहा था। 4 दिन की छुट्टी मिल जाती, तो काम हो जाता।

पाटिल सर ने तुरंत हामी भरते हुए कहा– हां– हां जाओ। मगर चार दिन में क्या ही होगा? अरे भाई मुंबई से कोलकाता जाना कोई आसान थोड़े हैं। एक दिन तो जाने में लग जाएगा और उतना ही वापस आने में। शरीर से यात्रा की थकान जब तक दूर होगी तब तक तो छुट्टी ही खत्म हो जाएगी, और वैसे भी साल का पहला क्वार्टर इंड (Quarter End) है, चले

जाना फिर इसके बाद 10 दिनों के लिए। अरे बच्चे भी खुश और बीबी भी।

डाबेराव सर को पाटिल साहेब की बातों में पहली बार अपनापन दिखा था। उन्होंने सोचा कि मार्च क्वार्टर में तो जा ही नहीं सकता था। अप्रैल तो होता ही है एग्जिक्यूटिव्स की छुट्टियों के लिए। मई में तो इतने ट्रांसफर होते हैं की छुट्टी मांगे किससे वो भी सोचना पड़ता है, और फिर जून, पहला क्वार्टर! कैसे छोड़ सकते हैं इसे? पाटिल साहब की बातों से इतनी सहमति डाबेराव सर की पहली बार बनी थी।

फिर क्या था! इस तरह जून क्वार्टर पूरे जोर– शोर से काम करते हुए निकला कि जुलाई में तो घर जाना ही है।

4 जुलाई को शाम से ही 5 तारीख को होने वाले एम– डी रिव्यू की तैयारियां चल रही थी। डेटा खोज– खोज कर नहीं बल्कि खोद– खोद कर निकाले जा रहे थे। सारे सेक्शन को देखकर यह प्रतीत हो रहा था कि मानो माइक्रोसॉफ्ट एक्सेल की ट्रेनिंग चल रही हो। एग्जीक्यूटिव डेटा की बारीकियां को देखते हुए गलतियां इस तरह निकाल रहे थे कि जैसे किसी के बाल की खाल हो।

इसी आपाधापी में 4 जुलाई को रात का 9:00 कब बज गया पता ही नहीं चला, और फिर सारे सेक्शन इंचार्ज कल सुबह की बायोमेट्रिक अटेंडेंस समय पर लगा सकें इसके लिए अपने–अपने घरों को सोने चले गए।

अगली सुबह सिर्फ सूरज नहीं निकला सारे एग्जिक्यूटिव्स और सेक्शन हेड अपने– अपने घरों से इस तरह निकले कि जैसे एम– डी साहेब ने खुद अलार्म लगाया हो।

रैपिडो और ओला वाले क्या गाड़ियां चलाएंगें, जब डाबेराव सर ख़ुद जेम्स बांड बने बैठे हैं, और बनें भी क्यूं ना? रिव्यू– मीट ख़त्म होते ही पाटिल साहब को बस इतला करके पूरे 10 दिनों के लिए घर को रवाना जो होना है।

ऑफिस पहुंचते ही दौड़कर बायोमेट्रिक को अंगूठे से ऐसे छुआ जैसे बायोमेट्रिक नहीं माशूका का गाल हो। हो गया–

हो गया अटेंडेंस लग गया, कहते हुए, रंग बिरंगे कागजों वाली फाइल पर एक सरसरी निगाह फेरते हुए, आत्ममुग्धता में, हरे कलर की पट्टी देखकर ख़ूब खुश हो रहे थे। सारे टारगेट हो गए हैं। अई साला !

उधर रिव्यू मीटिंग स्टार्ट होने से पहले ही सारे एग्जिक्यूटिव्स कॉन्फ्रेंस हॉल में ऐसे इक्कठे होकर बैठ गए जैसे शादी में तिलक चढ़ाना हो, और फिर थोड़ी ही देर में खेल शुरू हुआ। ऐसा प्रतीत हो रहा था कि जैसे कोई शेर, शिकार पर निकला हो, और शिकार होने के लिए सभी अधिकारी अपनी– अपनी बारी का बस इंतजार कर रहे हों। शायद अनुराग कश्यप ने अपनी चर्चित फ़िल्म "गैंग्स ऑफ वासेपुर" का डायलॉग "तेरी कह के लूँगा" इस तरह की मीटिंग्स को देखकर ही लिखा होगा जो बाद में चलकर एक कैचफ्रेज बन गया। मीटिंग सुबह समय से शुरू तो हो गई थी मगर शाम के साथ ढल ना सकी, बरअक्स, जवां होती जा रही थी। रात का 10, कब बज गया पता ही नहीं चला। डाबेराव सर फिर एक बार मायूस होकर इस उम्मीद में घर लौट आते हैं कि अगली सुबह छुट्टी की बात कर ही लूंगा।

और अगली सुबह ! ना ही होती तो बेहतर था। ऑफिस में इक सुई भी गिरती, तो सबको सुनाई देती। कुछ इस तरह का सन्नाटा था। सभी एग्जिक्यूटिव्स रीजनल हेड के केबिन में बैठे गहन मंथन कर रहे थे– कि सारे टारगेट तो हुए थे फिर रैंक कैसे ख़राब आयी ? रैंक वैसे भी अच्छी नहीं आती थी मगर इतनी भी बेकार नहीं आनी चाहिए थी।

छोड़ो ! अब जो हो गया सो हो गया। इस बार बेहतर किया जाएगा। बस सारे सेक्शन हेड को टाइट करने की जरूरत है। क्षेत्रीय प्रमुख के इस आदेश के साथ अन्य सभी

एग्जिक्यूटिव्स अपने– अपने केबिन में जाने के लिए बाहर निकल आए।

इसी बीच डाबेराव सर ने मौका देखकर पाटिल सर के केबिन में ऐसे घुसे जैसे कि कुछ हुआ ही ना हो। डाबेराव सर कुछ बोल पाते कि, पाटिल सर, सर घूमाते हुए बोल पड़े– रैंक देखे क्या? पूरे पांच पायदान पीछे हैं, पिछली बार से। बताइए ! डाबेराव जी कैसे होगा ? डाबेराव सर ने आव देखा ना ताव झट से नैसर्गिक प्रतिक्रिया देते हुए बोल पड़े– सर घर से वापस आते ही पूरे ताकत से काम में लग जायेंगें और सारा टारगेट पूरा कर देंगें।

"घर" विस्मय से भरी हुई आंखों से देखते हुए पाटिल साहब बोले– "घर– किसका घर" और कौन सा टारगेट। क्या पूरा कर दोगे जब अभी इस क्वार्टर का टारगेट ही अलॉट नहीं हुआ है तो?

डाबेराव सर ने सर नीचे करते हुए मंद ध्वनि में बोला– कर देंगें सर जो भी अलॉट होगा। अभी मैं घर जा रहा हूँ सर और आप ने ही तो बोला था। क्वार्टर इंड के बाद चले जाना।

पाटिल साहेब– और आप उसको इतना सीरियसली ले लिए। एक बार मजाक में बोली हुई बात अभी तक याद है। यहां टारगेट रोज मेल में, फोन में तीन–तीन बार आ रहा है वो किसी को याद नहीं। उसको तो इतना सीरियसली नहीं लेते हैं आप, क्यों जी?

नहीं सर ऐसी बात नहीं है। वो आप ने कहा था इसीलिए मैने टिकट करा लिया था। डाबेराव सर इतना ही बोल पाए थे कि पाटिल साहब बीच में टोकते हुए बोले– कहा तो मैंने बहुत कुछ था। कहा तो यह भी था कि टारगेट होना चाहिए वो तो आपने नहीं किया मगर टिकट कर लिया। घर जाने वाली बात अक्षरशः कंठस्थ है और टारगेट भूल गए। चलिए जाइए, और हां, वापस कब ज्वाइन कर रहे हैं?
डाबेराव सर – सर आ जाऊंगा 10 दिन में।

पाटिल साहेब हतप्रभ होकर बोले– कितना? 10 दिन– 10 दिन। कोलकाता जाना है या अंडमान निकोबार जा रहे हैं जो 10 दिन लग जाएगा। फ्लाइट से जाना है फ्लाइट से आना है। फिर भी 10 दिन।

सर आपने ही तो कहा था कि चार दिन के CL में क्या ही होगा? आराम से जाना 10 दिन की छुट्टी लेकर। डाबेराव सर ने देर न करते हुए तुरंत याद दिलाया। किंतु हुआ उल्टा। फिर वही बात, अपने कहा था– आपने कहा था। मैंने जो भी कहा है सारी बातें छोड़कर बस यही बात आपने मानी है। अरे 10 दिन बाद आओगे तो रैंक नहीं डाउन होगी हम खुद ही डाउन हो जाएंगे। हमें नीचे से नहीं ऊपर से टॉप करना है। अभी– अभी तो क्वार्टर की शुरुआत हुई है। शुरु में ही सेक्शन हेड गायब हो जाएगा तो क्या संदेश जाएगा बाकी सब में? मैं कुछ नहीं जानता 4 दिन में आपको जाकर वापस आना है। 4 दिन की CL लगाइए और मंडे को ज्वाइन करिए।

"मरता क्या ना करता" कुछ ऐसी ही परिस्थिति में थे डाबेराव सर। उदास चेहरे पर सहमति की चादर ओढ़कर "हां" में सर हिलाते हुए बाहर निकलते समय हिसाब लगा रहे थे कि वापस आने के हवाई टिकट को रीशेड्यूल करने में कितना और खर्च आ सकता है? खुद को भी तो तसल्ली देना जरूरी था कि चलो 10 दिन की छुट्टी ना सही कम से कम 4 दिन तो मिला। वैसे भी CL खराब हो रही थी।

शाम को जब डाबेराव सर घर जाने के क्रम में पाटिल साहब से अलविदा कहने गए तो पाटिल साहब ने सख़्त हिदायत दी– फोन बंद नहीं करना है। इस बीच एक भी लोन NPA नहीं होना चाहिए, और हां, "कनेक्शन" बनाए रखना है। "मोमेंटम" बिगड़ने ना पाए। "टेम्पो" मेनटेन रहना चाहिए। अगली बार मैं आप को पूरे 10 दिन– पूरे 10 दिन की छुट्टी दूंगा। हैप्पी जर्नी।

डाबेराव सर भी मुस्करा के धन्यवाद् कहते हुए इस ख़्याल के साथ खुद को हौसला देते हुए घर निकल पड़े कि अगली बार 4 दिन की CL नहीं, पूरे 10 दिन की PL (एक विशेष अवकाश जो लंबे अवधि के लिए मिलती है) लूंगा। मगर डाबेराव सर ही नहीं बल्कि नौकरी करने वाले ज्यादातर लोग अक्सर यह भूल जाते हैं की नौकरी में बड़ी "ई" की मात्रा साइलेंट है।

*****

Save Today, Shine Tomorrow

Basavraj Kulali
Officer
CIBM Manipal

Save a coin when the sky is clear,
Because storms can come when none are near.
A tiny seed, quietly sown,
Becomes a tree when time has grown.
A small step taken here today,
Can shape tomorrow in its way.
Not every gain is quick or loud,
Some grow slowly, under a cloud.
The hands that plan, the minds that save,
Turn passing time into something brave.
True wealth is not just land or gold,
But steady hearts and dreams that hold.
So look ahead, let vision guide,
Let every choice be made with pride.
Save with hope and purpose sure,
To build a life that will endure.

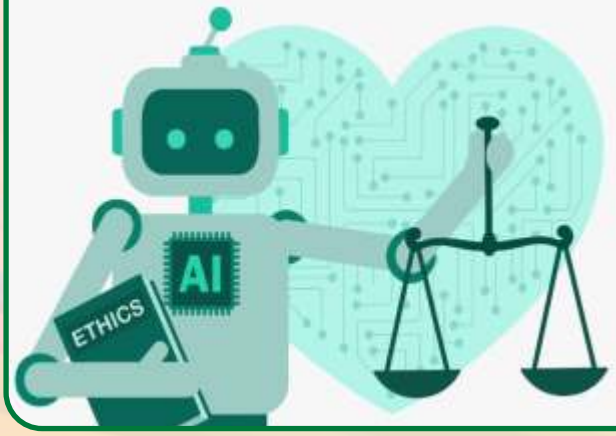

"AI can decide fast, but ethics decides right."
"Responsible AI is not optional—it is essential."
"Innovation succeeds only when guided by values."
"Ethical AI protects trust in a digital world."
"The smartest systems still need human conscience."

केनरा बैंक, प्रधान कार्यालय, बेंगलूरु में हिंदी दिवस समारोह 2025 का भव्य आयोजन

कार्यक्रम की झलकियाँ

केनरा बैंक, प्रधान कार्यालय, बेंगलूरु में दिनांक 25.09.2025 को हिंदी दिवस समारोह का भव्य आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता श्री के सत्यनारायण राजु, प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा की गई। इस अवसर पर श्रीमती जूलिया मोहापात्रा, महाप्रबंधक (डाक लेखा एवं वित्त), भारतीय डाक सेवा, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रही। श्री हरदीप सिंह अहलूवालिया, कार्यपालक निदेशक, श्री भवेन्द्र कुमार, कार्यपालक निदेशक एवं श्री एस के मजुमदार, कार्यपालक निदेशक, श्री बी पी जाटव, मुख्य महाप्रबंधक, मानव संसाधन व जन संपर्क विभाग तथा अन्य विभागों के मुख्य महाप्रबंधक गण, महाप्रबंधक गण, कार्यपालक गण व स्टाफ सदस्यों द्वारा समारोह में शिरकत की गई। मंचासीन गणमान्यों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर, बैंक के संस्थापक श्री अम्मेम्बाल सुब्बाराव पै को श्रद्धासुमन अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

Canara Centre of Excellence (CCoE)

Sri. Vijay Srirangan, Chairman, visited the Canara Centre of Excellence (CCOE), Bagaluru on 31st October 2025. Sri. Shreenath Joshi, GM and CLO and Sri Rama Naik, GM, GA Vertical, welcomed the Chairman. In his address, the Chairman emphasized the importance of preparing for emerging technological advancements and evolving regulatory frameworks. He appreciated the L&D vertical for introducing various technology driven initiatives and acknowledged the significant progress made in this direction.

AHMEDABAD

Sri. S K Majumder, Executive Director, visited Ahmedabad Circle on 4th October,2025 to attend the launch programme of the nationwide campaign for Unclaimed Assets, "आपकी पूँजी, आपका अधिकार" by Smt. Nirmala Sitharaman, Finance Minister. Sri Ranjeet Kumar Jha, GM and Circle Head, along with DGM and other Circle Executives also participated in the launch event. After the launch event, the Circle's performance for September 2025 quarter was reviewed. Later, the Executive Director, shared the corporate message and urged the staff to guide branches towards improved performance.

CHANDIGARH

As part of CSR initiative, Sri. Hardeep Singh Ahluwalia, Executive Director, along with Sri. Manoj Kumar Das, GM and Circle Head and other officials handed over a mini ambulance to Shiromani Gurudwara Parbandhak Committee (SGPC) at Golden Temple Amritsar. Sri. Harjinder Singh Dhami, SGPC President, honoured the Executive Director with a Siropa and a model of Sri Harmandir Sahib, as a token of gratitude.

CHENNAI

Branch Managers' Conferences for Q2 FY 2025-26 were conducted across multiple Regional Offices during October 2025. The meetings were held at Dharmapuri RO on 23rd October, Chennai Tambaram RO on 18th October, Namakkal RO on 17th October, Trichy RO on 23rd October, Vellore RO on 18th October, Salem RO on 13th October, Thiruvallur RO on 13th October, Chennai South RO on 14th October, Chennai North RO on 16th October, Puducherry RO on 9th October and Erode RO on 16th October, 2025, respectively. Across all these conferences, Regional Office performance was reviewed in detail, key achievements and concerns were discussed and suitable suggestions were provided to strengthen business growth and improve overall operational efficiency.

A new General Branch Banking outlet was inaugurated at Sholingur (DP 8265) under Vellore region on 31st October, 2025. The new branch was inaugurated by Sri. A. M Muniratinam, Sholingur MLA. Sri. Raghavendra H S, AGM and Sri. Devaraja H S, Resources DM of Vellore RO and other Executives were present during the inauguration.

HUBBALI

A Branch Managers review meeting (Q2, FY 2025-26) was conducted on 14th November 2025 at Chikodi Regional Office. Sri. Jagdish Swamy, DGM Circle Office, Sri. M Panee Shayana, AGM and Regional Head and other Executives from the Hubbali CO and Chikodi RO were present during the meet. Sri. M Panee Shayana, AGM emphasised on key priority sections including Mission SB, KCC renewals, CASA mobilisation, HNI engagement and improving branch rankings, while, Sri. Jagdish Swamy, DGM, reviewed the Circle's performance and stressed on focussed efforts on deposit growth, NPA and slippage control.

Founder's Day was observed at the Chikodi Regional office premises on 19th November, 2025. Sri. M Panee Shayana, AGM and Regional Head, Branch Heads, HNI customers and other RO Executives were present during the meet. During the interaction with HNI customers, the AGM shared insights on Savings and Current account features, premium variants and SME/business loan solutions. Another programme was also conducted as part of Founder's Day celebrations at CB Kore Polytechnic College, Chikodi. A detailed session highlighting financial literacy for youth, digital banking safety, government schemes, Canara Aspire Education loan benefits and premium payroll accounts, also took place during the programme.

KARNAL

A Vigilance awareness walkathon was conducted on 28th October, 2025, as part of Vigilance Awareness Week. Sri. Rakesh Kumar, Additional Chief Vigilance Officer, Sri. G A Anupam, GM and Circle Head, Sri. Harshit Bansal, Joint Commissioner of Income Tax, Sri. Deepak Shukla, DGM and Sri. Gyanendra Sahoo, AGM participated in the event. The event emphasised integrity, transparency, ethical conduct and fraud prevention through public interaction and awareness

activities. Matters like accountability and adherence to guidelines in all financial dealings were also highlighted during the awareness programme.

MADURAI

As part of Vigilance Awareness Week 2025, Coimbatore Regional Office-I, organised a walkathon on 28th October, 2025. It was flagged off by Smt. K R Shylaja, DGM and RO Head. Other RO Executives and staff members also participated in the event. Participants carried placards to promote preventive vigilance and public awareness. As part of the observance, an essay writing competition was also conducted at KK Naidu Higher Secondary, School, which was coordinated by Sri. Araveti Pavankumar, CM, PSG College Branch.

MANGALURU

As part of CSR and digital outreach initiatives, Sri. Bhavendra Kumar, Executive Director, led two key programmes in Mangaluru. Sri. Shambhu Lal, CGM, Lead Bank & Financial Inclusion Wing and other Senior Executives also were present during the events. An AC bus was donated to Father Muller's Medical College, enhancing student mobility and supporting health-care services. An e-Hundi facility was also inaugurated at the Kadri Temple in-order to promote digital offerings and reinforcing the Bank's commitment to secure, cashless transactions.

VIJAYAWADA

A Branch Manager's Conference(Q2) for FY 2025-26 was held at Visakhapatnam Regional Office on 14th October, 2025. Smt. Vijayalakshmi C. J, GM, Circle office, chaired the conference. Sri N. Madhusudhana Reddy, AGM and Regional Head and other Executives were present during the conference. The conference reviewed the region's steady progress, RAM and RTF renewals, customer service and branch wise performance improvement. Sri. Pratap Kumar H, DM, presented an in-depth analysis of the scoring matrix which is used for evaluating performance across all key parameters. He elaborated on how the matrix supports fair assessment and encourages healthy competition among branches.

आगरा

दिनांक 30.09.2025 को अंचल कार्यालय, आगरा में माननीय अंचल प्रमुख एवं महाप्रबंधक श्री रजनी कांत की अध्यक्षता में हिंदी दिवस समारोह – 2025 का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉ. रुचि चतुर्वेदी, केंद्रीय विधि मंत्रालय की हिंदी सलाहकार की माननीय सदस्य ने मुख्य अतिथि के रूप में समारोह की शोभा बढ़ाई। समारोह के दौरान अंचल कार्यालय के अन्य कार्यपालकगण एवं स्टाफ सदस्य समारोह में उपस्थित रहे।

अहमदाबाद

केनरा बैंक, अंचल कार्यालय, अहमदाबाद द्वारा अंचल प्रमुख व महा प्रबंधक, श्री रणजीत कुमार झा जी के कुशल मार्गदर्शन में दिनांक 27 अक्तूबर, 2025 से 02 नवंबर, 2025 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया। इसके तहत दिनांक 28 अक्तूबर, 2025 को अंचल प्रमुख के मार्गदर्शन में सभी कार्यपालकगणों, अनुभाग प्रमुखों एवं समस्त कर्मचारियों ने बैंक में सदैव ईमानदारी तथा सत्यनिष्ठा के उच्चतम मानकों के प्रति वचनबद्धता दोहराते हुए सत्यनिष्ठा की शपथ ली कि, हम नीतिपरक कार्य पद्धतियों को बढ़ावा देंगे तथा ईमानदारी और सत्यनिष्ठा की संस्कृति को प्रोत्साहन देंगें।

बेंगलूरु

बेंगलूरु अंचल की व्यावसायिक समीक्षा बैठक 28 अक्टूबर 2025 को आदरणीय प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री के सत्यनारायण राजु, मुख्य महाप्रबंधक खुदरा साख व सा.प्र विभाग श्रीमती आर अनुराधा, मुख्य महाप्रबंधक एवं बेंगलूरु अंचल के अंचल प्रमुख श्री महेश एम पै, महाप्रबंधक एवं सी.डी.ए.ओ.एस एंड डी.ए विभाग श्री चक्रवर्ती पी, श्री मनोज कुमार मीणा, महाप्रबंधक संसाधन विभाग श्री वी एस संतोष, महाप्रबंधक एवं बोर्ड सचिव की उपस्थिति में आयोजित की गई। बैठक में सभी क्षेत्रीय प्रबंधक, एलसीबी, एमसीबी, सुलभ, आरएएच, एआरएम, एसीसी के प्रमुख, अंचल के कार्यपालकगण और बेंगलूरु अंचल के सभी स्केल IV शाखा प्रमुखों ने भाग लिया।

भोपाल

दिनांक 30.10.2025 को केनरा बैंक, अंचल कार्यालय भोपाल द्वारा महाप्रबंधक श्री प्रविण डी. काबरा के नेतृत्व तथा उप महाप्रबंधक श्री सुबोध कुमार, श्री बलविंदर कुमार की उपस्थिति में सतर्कता हमारी साझा जिम्मेदारी थीम पर सतर्कता जागरूकता सप्ताह – 2025 के अंतर्गत वॉकथॉन का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।जिसमें अंचल

कार्यालय भोपाल क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल तथा नजदीकी शाखा के सभी स्टाफ सदस्यों ने प्रतिभागिता कर कार्यक्रम को सफल बनाया।

चेन्नई

दिनांक 24.09.2025 को केनरा बैंक अंचल कार्यालय, चेन्नई में श्रीमती के ए सिंधु, मुख्य महा प्रबंधक की अध्यक्षता में हिंदी दिवस समारोह–2025 का भव्य आयोजन किया गया। श्री राजेश कुमार वर्मा, उप महा प्रबंधक व श्री राघवेंद्र राव कनाला, उप महा प्रबंधक की उपस्थिति नें कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। साथ ही अंचल कार्यालय के सभी कार्यपालकगण व स्टाफ सदस्यों ने कार्यक्रम में भाग लिया। केनरा बैंक राजभाषा अक्षय योजना व राजभाषा पुरस्कार योजना के विजेताओं और हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में स्टाफ सदस्यों के लिए आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

दिल्ली

अंचल कार्यालय, दिल्ली में सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वर्ष का विषय Vigilance – Our Shared Responsibility (सतर्कता – हमारी साझा जिम्मेदारी) रहा, जिसके अंतर्गत कर्मचारियों को ईमानदारी, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व के महत्व से अवगत कराया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ अंचल प्रमुख एवं मुख्य महाप्रबंधक श्री विक्रम दुग्गल एवं मुख्य अतिथि अजय कुमार कन्नोजिया, अपर सचिव सीवीसी, श्री राकेश कुमार, अपर मुख्य सतर्कता अधिकारी, श्री पी श्रीनिवास राव, उप महाप्रबंधक, सीवीसी (प्रतिनियुक्ति) तथा सभी कार्यपालकगणों द्वारा दीप प्रज्वलन और सतर्कता शपथ के साथ किया गया।

गुवाहाटी

केनरा बैंक ने अपनी 120 वर्षों की सफल और समृद्ध यात्रा में एक और नई उपलब्धि दर्ज करते हुए 29 अक्टूबर 2025 को गुवाहाटी अंचल के अंतर्गत गुवाहाटी क्षेत्र में बोको शाखा का शुभारंभ किया। इस शाखा का उद्घाटन गुवाहाटी अंचल के अंचल प्रमुख श्री लोकनाथ जी एवं गुवाहाटी क्षेत्रीय कार्यालय प्रमुख श्री नरेश कुमार द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। उद्घाटन समारोह में अंचल प्रमुख श्री लोकनाथ जी ने बैंक की सतत प्रगति, ग्राहकों के प्रति समर्पण और वित्तीय समावेशन के प्रति बैंक की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे, जिनमें श्री दिवाश बोरदोलोई (राजस्व अधिकारी) श्री सुमित राभा (कार्यकारी सदस्य, राभा हासोंग स्वायत्त परिषद) तथा श्री तपन दत्ता (प्राचार्य, जे. एन. कॉलेज) मुख्य रूप से शामिल थे।

जयपुर

केनरा बैंक द्वारा आयोजित डीएफएस के त्रे–मासिक ग्राम पंचायत स्तरीय वित्तीय समावेशन संतृप्ति अभियान के अंतर्गत जयपुर जिले की बिलोंची ग्राम पंचायत (जीपी) में एक मेगा वित्तीय समावेशन शिविर का आयोजन किया,

जिसका उद्देश्य बैंकिंग और सामाजिक सुरक्षा सेवाओं का अंतिम व्यक्ति तक पहुँच प्रदान करना है। शिविर में श्री बी.पी. जाटव– मुख्य महाप्रबंधक, प्रधान कार्यालय, श्रीमती गीतिका शर्मा, महाप्रबंधक, अंचल कार्यालय, जयपुर, श्री बी. श्रीनिवास, क्षेत्रीय प्रमुख जयपुर, श्री एम. गांधी, उप महाप्रबंधक, अंचल कार्यालय जयपुर एवं बिलोंची गांव के संरपच भी उपस्थित थे।

करनाल

क्षेत्रीय कार्यालय गुरुग्राम द्वारा जिले के चंदू गाँव में दिनांक 01.09.2025 को वित्तीय समावेशन संतृप्ति कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य प्रत्येक परिवार को औपचारिक बैंकिंग सेवाओं से जोड़ना और ग्रामीण समुदायों में वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देना था। इस अवसर पर प्रधान कार्यालय से कार्यपालक निदेशक श्री भवेन्द्र कुमार जी को आमंत्रित किया गया था। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि किस प्रकार वित्तीय समावेशन समाज के सभी वर्गों को अर्थव्यवस्था की मुख्यधारा के साथ जोड़ता है और राष्ट्र की प्रगति में योगदान देता है। उन्होंने पीएमजेडीवाई, पीएमएसबीवाई, पीएमजेजेबीवाई और एपीवाई जैसी पहलों के माध्यम से नागरिकों को सशक्त बनाने के लिए केनरा बैंक की प्रतिबद्धता को दोहराया।

कोलकाता

अक्टूबर माह में कोलकाता अंचल में 4 नई शाखाएं खुली है। क्षेत्रीय कार्यालय कोलकाता–2 के अधीन शांतिपुर शाखा का उद्घाटन श्री अरुण कुमार मिश्रा, महा प्रबंधक व अंचल प्रमुख, अंचल कार्यालय कोलकाता ने 30.10.2025 को किया। फीता काटकर उद्घाटन करने के पश्चात् हमारे बैंक के संस्थापक श्री अम्मेमबाल सुब्बाराव पै की तस्वीर पर माल्यार्पन कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। दीप प्रज्जवलित किया और ग्राहकों के साथ संवाद किया। क्षेत्रीय कार्यालय दुर्गापुर के अधीन मानबाजर शाखा का उद्घाटन श्रीमती किरण एन एस, उप महाप्रबंधक, अंचल कार्यालय कोलकाता ने किया। इसी दिन क्षेत्रीय कार्यालय कोलकाता–2 के अधीन साल्टलेक शाखा और क्षेत्रीय कार्यालय सिलीगुड़ी के अधीन बीजनबाड़ी शाखा भी खुली।

कोषिक्कोड

25 अक्टूबर 2025 को केनरा बैंक ने वित्त मंत्रालय के अंतर्गत वित्तीय सेवा विभाग के ग्राम पंचायत स्तरीय सामाजिक सुरक्षा संतृप्ति अभियान के अधीन कुट्टियाडी ग्राम पंचायत में वित्तीय समावेशन शिविर का आयोजन किया। केनरा बैंक कुट्टियाडी शाखा के सक्रिय सहयोग से इस शिविर का आयोजन और प्रचार लीड बैंक कोषिक्कोड द्वारा किया गया। एसएलबीसी केरल वर्टिकल, लीड बैंक और वित्तीय समावेशन विभाग तिरुवनन्तपुरम के महा प्रबंधक श्री प्रदीप के एस , अंचल कार्यालय कोषिक्कोड के सहायक महा प्रबंधक श्री मल्ला विक्रम , कोषिक्कोड लीड बैंक के मण्डल प्रबंधक श्री ज्योतिस एस , क्षेत्रीय कार्यालय कोषिक्कोड के मण्डल प्रबन्धक श्री नीलाधर भंडारकर , वित्तीय समावेशन अनुभाग के प्रभारी श्रीमती धन्या आर , कुट्टियाडी शाखा के प्रबंधक श्री वैशाख ई

पी, श्रीमती नफीसा ओ टी अध्यक्ष कुट्टियाडी ग्राम पंचायत इस समारोह में उपस्थित थे।

लखनऊ

अंचल कार्यालय लखनऊ में 27 अक्तूबर 2025 से 02 नवंबर 2025 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गया जिस दौरान सतर्कता जागरूकता से संबंधित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया और दिनांक 04 नवंबर 2025 को अंचल कार्यालय के महाप्रबंधक श्री अजीत कुमार मिश्र जी की अध्यक्षता में सतर्कता जागरूकता समारोह का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में प्रधान कार्यालय से मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री नबीन कुमार दास जी उपस्थित थे और उन्होने सभी स्टाफ सदस्यों को सतर्कता जागरूकता के संबंध में संबोधित किया।

मणिपाल

सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 के उपलक्ष्य में, केनरा बैंक, अंचल कार्यालय, मणिपाल ने 31 अक्टूबर 2025 को "सतर्कता हमारी साझा ज़िम्मेदारी है" विषय पर एक वॉकथॉन का आयोजन कियाइस कार्यक्रम को केनरा बैंक, अंचल कार्यालय, मणिपाल के महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख, श्री एच. के. गंगाधर ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस कार्यक्रम में नकद प्रबंधन शाखा के महाप्रबंधक श्री एच. टी. बाविस्कर और जीटीपीसी के महाप्रबंधक श्री आर. कृष्ण प्रसाद भी शामिल हुए। यह वॉकथॉन अंचल कार्यालय परिसर से शुरू हुआ और मणिपाल के प्रमुख मार्गों से होते हुए जनता में ईमानदारी, पारदर्शिता और नैतिकता का संदेश फैलाया।

मुंबई

दिनांक 04.11.2025 को अंचल कार्यालय मुंबई के मुख्य महाप्रबंधक व अंचल प्रमुख श्री रंजीव कुमार द्वारा "केनरा प्रीमियर लीग 3.0" की विजेता टीम मुंबई अंचल को सम्मानित किया। कार्यक्रम में प्रतिभागियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन और टीम भावना की सराहना की गई। प्रतियोगिता को कर्मचारियों में उत्साह, ऊर्जा और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने वाला प्रेरक मंच बताया। सभी विजेताओं को बधाई एवं आगामी प्रतियोगिताओं में भी इसी प्रकार के प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएँ दी।

पुणे

हमारे पर्यवेक्षण कार्यपालक श्री अनंत जालोन्हा, महाप्रबंधक, खुदरा आस्ति विभाग, प्रधान कार्यालय ने 12 सितंबर 2025 को हमारे पुणे अंचल का दौरा किया। क्षेत्रीय कार्यालयों, आरएएच, एमएसएमई सुलभ, एलसीबी, एमसीबी और सभी क्षेत्रों की चुनिंदा शाखाओं की समीक्षा सह व्यापार रणनीति बैठक आयोजित की गईकारोबार समीक्षा बैठक की शुरुआत औपचारिक दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई और उसके बाद हमारे

प्रिय संस्थापक स्वर्गीय श्री अम्मेमबल सुब्बा राव पै को पुष्पांजलि अर्पित की गई।

रांची

केंद्रीय सतर्कता आयोग के निर्देशानुसार सतर्कता : हमारी साझा ज़िम्मेदारी विषय पर 29 अक्टूबर 2025 से 06 नवंबर 2025 तक अंचल कार्यालय, रांची में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गया ।अंचल कार्यालय, रांची के अंतर्गत विभिन्न शाखाओं में ग्राम सभा का आयोजन किया गया एवं ग्राहकों को सतर्क एवं सचेत व जागरुक रहने की आवश्यकता पर बल दिया गया। विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई जैसे फर्जी कॉल, म्यूल खाता, ओटीपी किसी के साथ साझा न करना, समय– समय पर केवाईसी अपडेट करना आदि विषयों पर चर्चा की गई ।अंचल प्रमुख श्री सुजीत कुमार साहू जी ने भ्रष्टाचार विषय पर सभी कर्मचारियों को संबोधित किया और सतर्कता जागरूकता सप्ताह के महत्व से अवगत कराया ।

तिरुपति

दिनांक 01 अक्टुबर, 2025 को केनरा बैंक, अंचल कार्यालय, तिरुपति एवं अध्ययन एवं विकास केंद्र के संयुक्त तत्वाधान में हिन्दी दिवस समारोह–2025 का भव्य आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख श्री आई पांडुरंग मितंताया द्वारा की गई। इस अवसर पर अंचल कार्यालय के उप महाप्रबंधक श्रीमती पी सुमलता, श्री रविंद्र कुमार अग्रवाल, सहायक महाप्रबंधक श्री आर.के.राठौर, श्रीमती कीर्ति विश्वनाथ वी.एस., श्री अशोक कुमार शर्मा एवं श्री प्रवीण कुमार एवं सभी मंडल प्रबंधक एवं अनुभाग प्रमुखों, कर्मचारियों की गरिमामयी उपस्थिति ने समारोह को सुशोभित किया।

तिरुवनंतपुरम

अंचल कार्यालय, तिरुवनंतपुरम में शुक्रवार, दिनांक 26.09.2025 को सुबह 11.00 बजे हिन्दी दिवस समारोह का आयोजन धूम–धाम से किया गया। अंचल कार्यालय के महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख श्री सुनिलकुमार एस. की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में डॉ. एम. एस. विनयचंद्रन, प्रोफेसर व प्राचार्या (सेवानिवृत्त) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अंचल कार्यालय के उप महाप्रबंधकगण श्री अजय कुमार सिंह एवं श्री सुवाष कुमार भी उपस्थित थे । अंचल कार्यालय के सहायक महाप्रबंधकगण, मंडल प्रबंधकगण व अंचल कार्यालय के कर्मचारीगण कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई ।

120th प्रधान कार्यालय में संस्थापक दिवस समारोह

Founder's Day Celebration at Head Office

(Honourable DFS Secretary Sri M Nagaraju inaugurating 10,000 and 10,001 Branch at Budigere and Alapadu; New Products launched in commemoration of Founder's day virtually by DFS Secretary Sri M Nagaraju IAS)

West Bengal- The Sweetest Part of India Shantiniketan

Namrata Dutta
Officer
Guwahati R O

Nestled in the tranquil rural landscape of Birbhum District in West Bengal, Shantiniketan meaning the "Abode of Peace", is a town of profound cultural historical and educational significance. Founded and developed by the illustrious Tagore family it stands as the enduring legacy of Nobel Laureate Rabindranath Tagore's vision for education and unity.

The genesis of Shantiniketan can be traced back to 1863 when Maharishi Debendranath Tagore, Rabindranath's father and a philosopher established an ashram on a leased piece of land under two chhatim trees. This serene spot now known as Chhatimtala was initially intended for meditation. It was Rabindranath Tagore who institutionalized its educational ethos. Dissatisfied with the conventional colonial education system, he founded the Brahmacharyashrama (later renamed Patha Bhavana) in 1901.His educational model was a revolutionary experiment based on the ancient Indian Gurukul System but infused with internationalist and modern ideals. Classes were often conducted in open air settings under thick canopies of the trees, fostering a deep connection between students, teachers and nature.

Visva - Bharati: Rabindranath Tagore's vision culminated in the founding of the Visva Bharati University in 1921- an institution conceived as a nexus where "the world would form a single nest". Tagore's goal was to promote unity among different cultures and to combine the best of Eastern and Western Learning. Today Visva Bharati is a Public Central University and an institution of National importance. It continues to embody Tagorean principles with a focus on holistic education system, spanning a wide range of disciplines including: 1. Kala Bhavana (Institute of Fine Arts) 2. Sangit Bhavana(Institute of Dance, Drama and Music) 3. Vidya Bhavana (Institute of Humanities) 4. Siksha Bhavana (Institute of Science) 5. Palli Samgathana Vibhaga (Institute of Rural Reconstruction) at Sriniketan which focuses on agricultural education and revival of traditional crafts.

Shantiniketan is a vibrant cultural hub, fostering an artistic and intellectual renaissance that has left an indelible mark on 20th century South Asian Art, literature and music. The town's cultural life is deeply intertwined with its calendar of traditional and seasonal festivals.

Some of the famous festivals of Shantiniketan are:

- **Poush Mela:** Held during the Bengali Month of Poush (December /January). It is a grand cultural extravaganza featuring Baul music, folk dances and local handicrafts.
- **Basanta Utsav**: The celebration of spring, often likened to Holi, characterized by music, dance and throwing of colored powder (abir).
- **Maghotsav:** The annual festival commemorating the establishment of Brahmo Samaj at the Ashram.
- **Vriksharopana and Halakarshan:** Seasonal festivals focused on tree planting and the honoring of agriculture, celebrating the symbiotic relationship with nature.

Beyond the university grounds, the local Sonajhuri Haat (weekly market) is a popular Saturday

gathering where visitors can buy authentic local handicrafts like Kantha embroidery, Dokra Tribal jewelry and pottery directly from local artisans.

I had the opportunity to visit this vibrant town in the year 2009. A train journey from the town of Malda (famous for its mangoes) took us to the town of Bolpur where Shantiniketan is located. A short car ride took us around the town, and soon we reached Shantiniketan. We were able to take a tour of the area where the Ravindra Bhavan also known as the Tagore Museum is located. The museum houses Tagore's personal belongings, manuscripts, paintings and photographs. I remember being mesmerized by the area's lush green natural settings. As we made our journey back to the railway station, something about the place struck me. It was vibrant and colourful - just like Shantiniketan itself. The atmosphere buzzed with artistic energy and the exchange of ideas. It was truly a delightful experience full of creativity and shared appreciation.

The scene created a harmonious blend of art and community and has remained etched in my memory even after all these years. Reflecting on that visit brings a sense of warmth and offers a glimpse into what West Bengal – The Sweetest Part of India has to offer.

*****

Poem

"A Dream Fulfilled"

N Laxmi Narayanan
Manager
Pension Fund, HR Wing

With stethoscope in hand and a heart so bright,
You have achieved your dream, and it is a beautiful sight.
Years of hard work, dedication, and might,
Have led you to this moment, shining so bright.
Your passion for healing, your care for the soul,
Have guided you in this journey, making you whole.
From textbooks to patients, from theory to practice,
You have grown into a doctor, with compassion and grace.

I am so proud to call you my own,
A brilliant mind, a kind heart, and a spirit that is grown.
Your patients will love you, your colleagues will admire,
The difference you will make will be your greatest desire.

As you, embark on this noble quest,
Remember, your dreams are the seeds you have sown best.
Keep learning, growing, and shining so bright,
In addition, you will make a difference, in the dark of night.

Congratulations, Dear daughter, on this achievement so grand,
May your future be filled with joy, love and healing hands.

- PROUD MOMENT OF FATHER

"To the Base of the World's top – A Founders fortnight Trek to Everest"

Pavan Kumar Simhadri
Manager
RAH Nagole, Hyderabad

Founders Day, for most of us, is about looking back at how it all began – the birth of a visionary, and philanthropist, the grit behind a name, the people who made it happen.

But last year, I chose to spend Founders fortnight in a different way – by walking towards the foot of Mount Everest with a group of complete strangers and conveying birth anniversary wishes from the base of the world's top at 5,364 meters.

Not colleagues, Not friends:
Just 7 Indians and 1 Russian, aged 20 to 45 years, who came together for a goal bigger than themselves — to reach Everest Base Camp.

A Team of Strangers:
It started in Kathmandu-Nepal, where names, handshakes, and introductions were exchanged over rented boots and duffel bags. Some had trekked before. Others were first timers. We had a corporate employee from Bengaluru, Rajasthan and Kerala, a student from West Bengal, a 35 year's Software Developer on his first solo trek from Kerala and a 45 year old Russian studying in Nepal.

We were all vastly different, but the mountain doesn't care who you are — it only asks that you keep walking.

Our guide, Anil, a young and cheerful Nepali from a travel company, assured us that the journey would be demanding but worth every step. And so, with duffel bags strapped to yaks and heart full of uncertainty, we flew into Lukla, one of the World's most dangerous airstrips, and stepped onto the trail.

The Trail that taught us:
We passed through magical landscapes-pine forests, hanging bridges and villages carved into mountains. The weather changed by the hour, and so did we. Every day brought new challenges: cold nights, altitude headaches, and the sheer effort of putting one foot in front of the other.

On Day-4, trek from Namche Bazaar to Tengboche, one of our trekkers from Kerala aged 25 fell ill - breathless, dizzy and unable to continue. We stabilised him and coordinated with nearby sherpas to transfer him to lower altitude and from there shifted him back to Kathmandu.

With resilience, we marched towards Tengboche and halted for night.

But the real beauty? The people:
Along the way, we met trekkers from across the world — Koreans, British, Japanese, Germans & Russians — all walking the same path. Some were in their early 20s, full of energy and ambition. Others were in their 50s, walking with calm determination. Their presence reminded us that **growth has no age, and courage has no expiry date.**

The Twist Before the Summit:
Two days before we were to reach Everest Base Camp, On Day 5, our guide Anil and a Russian trekker fell ill - showing symptoms of high altitude and exhaustion and could no longer continue.

What do you do when the person trained to lead can't move? You lead yourselves.

We didn't panic. We responded together. With no guide, but complete trust in each other, we pushed forward to reach summit and return safely. We split roles - one handled route checks, another ensured medical gear, someone coordinated with nearby groups for help and others ensured Anil and the Russian trekker were stabilised and coordinated with nearby sherpas. That night, we became more than trekkers. We became a team. The last stretch to Base Camp with no guide, freezing winds, and tired legs became our defining moment.

The Summit and the Real Win

On Day 7, reaching Everest Base Camp at 5,364 meters wasn't just about altitude or achievement. It was about everything, we discovered on the way up i.e. adapting, trusting, and growing – values that reflected the true spirit of our Founder's Day.

We stood there – 6 strangers, now bound by shared struggle & spirit looked at the Khumbu Icefall in silence. There were no big speeches. Just a quiet, shared understanding: we made it not because we were strong alone, but because we chose to stay strong together and a sense of deep respect for the mountain, for each other and for ourselves.

We started this, as strangers, but at that moment, we were a team, a family & a shared legacy. And celebrating Founders' Day here? It made sense.

The twist that no one expected:

As we descended back to Lukla, on our path, we came across the same Russian trekker who had previously fallen ill and could not continue with us. To our surprise, he was now marching steadily towards Gorakshep, determined to reach Everest Base camp.

Lessons from the Trail

This journey didn't just leave me with memories. It left me with truths:

- You're never too old to take the first step or too young to be changed by it.
- Strangers can become the strongest teams — if there's trust.
- You're capable of more than you think — until you're tested.
- Everest didn't give us a trophy. But it gave us perspective.

As we descended back to Lukla, the thought that stayed with me was this:

Sometimes, you don't climb a mountain to conquer it. You climb it to discover yourself.

And what better day to do that than on Founders fortnight – a tribute to beginnings, boldness, and the people who keep moving forward, together.

*****

"नव सीमाएँ – एआई संचालित समाधान

आशीष रंजन
वरिष्ठ प्रबंधक
सीआईबीएम, मणिपाल

नव सीमाएँ खुली, ज्ञान के नए द्वार,
कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने बढ़ाया संसार।
जहाँ डेटा बहता, अज्ञान का अंधकार,
वहीं एआई ने दिखाई भविष्य की नई धार।

साधारण से कामों में लाया क्रांति,
नव तकनीक से जुड़े हर चुनौती की भ्रांति।
व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य और विज्ञान में,
एआई ने रची नव संभावनाओं की व्याख्यान में।

हर पिक्सल, हर सूचना, हर संकेत का ज्ञान,
अब मशीनें समझें, दें समाधान महान।
अभियांत्रिकी में गति, अर्थव्यवस्था में वृद्धि,
एआई ने बढ़ाई उत्पादन, कुशलता और समृद्धि।

निर्णय कठिन हो या समस्या विरल,
एआई से संभव हुआ हर समाधान सरल।
विश्लेषण, भविष्यवाणी और योजना में दक्षता,
बुद्धिमत्ता की नई प्रस्तुति और सटीकता।

सामाजिक क्षेत्र में भी इसकी छवि उजली,
शिक्षा, स्वास्थ्य और नीति में लायी यह हल्की।
छात्रों के सीखने में मिली नई दिशा,
रोगियों के उपचार में हुई विशेषज्ञता की शिक्षा।

एआई संचालित समाधान केवल तकनीक नहीं,
यह दृष्टिकोण, यह नवाचार और सोच भी है कहीं।
मानव और मशीन का संगम हुआ सजीव,
हर चुनौती अब लगे जैसे हल्का और वाजिब।

स्वचालन से बढ़ी दक्षता,
डेटा की शक्ति से भविष्य की साक्ष्यता।
स्मार्ट शहर, स्मार्ट उद्योग, स्मार्ट सेवाएँ,
एआई ने दुनिया को दी नई संभावनाएँ।

जहाँ पूर्व में समय और संसाधन की बाधा,
अब एआई ने मिटाई हर कठिनाई की आभा।

मशीन लर्निंग, डीप लर्निंग और न्यूरल नेटवर्क की शक्ति,
दूर करती अज्ञानता, देती ज्ञान की सच्ची दृष्टि।

व्यापार में निर्णय अब त्वरित और सटीक,
ग्राहक अनुभव हुआ वैयक्तिक और विशेषीकृत।
संगठन बढ़े दक्षता और नवाचार की राह पर,
एआई ने मानव क्षमता को दी नई उड़ान की चाह पर।

नव सीमाएँ केवल तकनीक की नहीं,
यह मानव की सोच और संकल्प की भी जीत है कहीं।
संघर्ष, प्रयोग और नवाचार का संगम की राह,
एआई ने हर कार्य में लायी अनोखी ऊर्जा का प्रवाह।

डेटा और बुद्धिमत्ता का जो संगम हुआ,
वह मानवता के विकास में एक नई क्रांति हुआ।
जहाँ पूर्व में अनुमान और अटकलबाज़ी का साम्राज्य,
अब एआई ने बनाया सटीकता और स्पष्टता का राज्य।

एआई केवल उपकरण नहीं, यह है सहयोगी साथी,
जो मानव की सोच और मेहनत को बनाता असीमित शक्ति।
नव सीमाएँ खोलकर देता है नई दिशा का पक्ष,
प्रत्येक समस्या का समाधान करता सटीक और निष्पक्ष।

आइए हम स्वीकारें यह नव युग,
जहाँ एआई संचालित समाधान देंगे जीवन में नया युग।
सपनों को हकीकत में बदलने की शक्ति,
हर उद्योग, हर क्षेत्र में लाए नई गति।

नव सीमाएँ – एआई का भविष्य उज्ज्वल,
मानव और मशीन का सहयोग बने अमूल्य।
ज्ञान, नवाचार और समाधान की यह यात्रा का वादा,
ले जाए हमें सफलता, प्रगति और समृद्धि की ओर सदा।

Case Study : Targeting a Senior Citizen

Rahul Rajwal
Senior Manager
ZI Mumbai

Digital Arrest: A High-Value Cybercrime Targeting a Senior Citizen

Date of Incident: August 4 - September 4, 2023

Reported Loss: Approximately ₹23 Crores (USD $2.8 Million)

Location: National Capital Region, Delhi, India.

Executive Summary

This case study is based on a real-life incident that took place in Delhi NCR, where a 78-year-old retired banker was psychologically manipulated and coerced into transferring approximately Rs 23 crore over four weeks in a sophisticated 'Digital Arrest' cybercrime. The case, which was widely reported in National newspapers, highlights the evolving nature of social engineering, the impersonation of law enforcement, and the exploitation of fear to achieve financial extortion. It serves as a critical learning tool to sensitize bankers to the psychological and procedural dimensions of modern cyber frauds.

Background of the Victim

The victim, a 78-year-old retired banker residing in the National Capital Region, lived alone and was recovering from surgery. Although financially literate, his limited technological adaptability and isolation made him vulnerable. His banking background ironically contributed to his trust in procedural authority, which the perpetrators exploited.

Chronology and Modus Operandi

The scam unfolded in three primary stages over a month-long period, revealing an intricate blend of psychological coercion, technological manipulation, and fraudulent documentation.

Stage 1: The Initial Contact and Impersonation

On August 1, 2023, the victim received a landline call from an individual claiming to be a senior officer from a metropolitan police department. The caller alleged that the victim's Aadhaar number had been linked to a SIM card used for criminal activities including money laundering and terror financing. The caller threatened immediate arrest and disconnection of communication lines, thereby inducing panic.

Stage 2: Digital Arrest and Intimidation

The perpetrators declared that the victim was under "digital arrest" and demanded his continuous presence over video calls between 8 AM and 8 PM for 'monitoring'. Fake documents, including a forged court order and asset seizure notice, were shared to validate the claim. The

scammers invoked a fictitious "National Secret Act," prohibiting the victim from speaking to anyone about the investigation. Emotional blackmail and fear of repercussions against family members ensured compliance.

Stage 3: Asset Liquidation and Fund Transfers

Under intimidation, the victim disclosed complete details of his assets, including multiple bank and demat accounts. He was instructed to liquidate securities and transfer the proceeds into designated 'verification accounts' purportedly belonging to the Reserve Bank of India. Over the following month, the victim transferred approximately ₹23 crores into fraudulent accounts. The funds were quickly layered and dispersed through multiple mule accounts, complicating recovery.

Investigation and Institutional Response

Upon realization of the fraud, the victim filed a complaint with the Intelligence Fusion and Strategic Operations (IFSO) unit, which registered an FIR under cybercrime provisions. Investigators succeeded in freezing ₹1.5 crores that remained unwithdrawn. The case remains under active investigation, emphasizing the need for rapid inter-bank coordination and digital forensics support to trace cross-border transactions.

Key Learnings

1. **Targeting of the Elderly:** Perpetrators exploit emotional vulnerability, loneliness, and diminished digital literacy.
2. **Impersonation of Authority:** Criminals leverage trust in police, judiciary, and regulatory institutions.
3. **Psychological Entrapment:** Long-duration coercion and fake documentation override rational thinking.

4. **Digital Awareness Gap:** Elderly individuals are often unaware that legitimate authorities do not demand money or video surveillance.
5. **Banker's Role:** Timely alerts by bank officials noticing abnormal transactions could have limited the damage.
6. **Inter-Agency Coordination:** Real-time cooperation between banks, telecom operators, and cybercrime units is critical.
7. **Public Awareness Campaigns:** Community education can prevent recurrence of such cases.

Conclusion

This case demonstrates how modern cybercriminals exploit both human psychology and institutional trust. The 'Digital Arrest' phenomenon is emblematic of evolving social engineering crimes that transcend financial boundaries. Financial institutions must adopt proactive awareness programs, real-time transaction monitoring, and behavioral analytics to protect customers, especially senior citizens. A collaborative ecosystem involving banks, law enforcement, and telecom regulators is essential for effective cybercrime prevention and redressal.

एक सादा आदमी: सुब्बा राव पै

लवकुश गोठवाल
अधिकारी
बगरू शाखा

एक सदी पहले की बात है,
मैंगलोर के उस सफ़ेद शहर में, जहाँ नारियल के पत्तों पर धूप फिसलती थी।
एक आदमी बैठा था– शांत, मगर आँखों में कल का हिसाब था।
ज़रूर कोई सपना था
जो नींद से ज़्यादा जागने पर मजबूर करता था।

"सिर्फ़ अमीरों के लिए क्यूँ हो दौलत की राह?"
उन्होंने मिट्टी को देखा,
मेहनतकश किसान की हथेली देखी,
देखा उस छोटे व्यापारी का डर जो साहूकार की चौखट पर खड़ा था।
और सोचा: "बदलना होगा यह मौसम, यह मिज़ाज।"
एक छोटी–सी इमारत खड़ी की, नाम दिया 'केनरा हिंदू परमानेंट फ़ंड'...
(नाम थोड़ा लम्बा था, पर नियत बहुत साफ़ थी।)

एक बीज बोया भरोसे का, जहाँ रसीदें थीं कागज़ के टुकड़े नहीं,
बल्कि भविष्य की गारंटी थीं।
आज यह दरख़्त बन गया है, जिसकी शाखें सारे देश में हैं...
पर जड़ें आज भी उस छोटे से अहाते में हैं।
न कोई शोर, न कोई हंगामा।
बस, एक बुज़ुर्ग की दूरदर्शिता...

जो जानता था, पैसा नहीं, पर भरोसा सबसे बड़ी पूँजी है।
उन्होंने एक नोट नहीं, एक क़ीमती काग़ज़ बनाया,

जिस पर लाभ से पहले सेवा की इबारत लिखी थी।
उन्होंने कहा, "सबसे पहला खाता, उस गरीब का खुलेगा।"
जो अमीर नहीं, मगर ज़रूरतमंद है।

इमारत सिर्फ़ ईंट और सीमेंट की नहीं थी,
बल्कि उन वादों से बनी थी, जो निभाए गए।
हर शाखा एक खिड़की थी,
जहाँ उधार सिर्फ़ हिसाब नहीं था, आगे बढ़ने का हौसला था।
रकम जमा हुई, मगर साथ में विश्वास भी।
वो ब्याज जो लौटा, सिर्फ़ रुपया नहीं था,
गरीब की आँख का सपना था, जो पूरा हुआ।

'एक नेक काम करना' यह उनका पहला नियम था,
'आख़िरी साँस तक नेक काम करना' यह उनकी रूह का हिस्सा।
उन्होंने पैसे को ताक़त नहीं, ज़िम्मेदारी समझा।
जैसे बारिश का पहला क़तरा, जो ज़मीन को सींचता है,
उन्होंने धन को सही हाथों में बाँटा, ताकि ख़ुशहाली हो।

आज भी बैंक की हर दहलीज़ पूछती है:
"क्या आज किसी की ज़िंदगी आसान हुई?
क्योंकि वो जानते थे, सबसे बड़ी जमापूँजी बैंक की तिजोरी में नहीं,
बल्कि उन लाखों घरों के चेहरे पर आई मुस्कान में है,
जिन्हें इस छोटी सी शुरुआत ने एक बड़ा भविष्य दिया।

पाई एक उपनाम नहीं था, एक संकेत था,
उस पुल का, जो ग़रीबी और खुशहाली को जोड़ता है।
वो सिर्फ बैंक का संस्थापक नहीं,
वो एक नज़रिया था,
कि दौलत भी नेक नियत से कमाई जा सकती है।
और सेवा, सबसे बड़ा निवेश है।

Making sense of India's second quarter GDP

Dr. Madhavankutty G
Chief Economist

The second quarter GDP growth rate surpassed expectations of 7.3% on the upper end. Against expectations of 7.5%, India's real GDP grew by 8.2% Y-o-Y in Q2 FY26, a sharp acceleration from 5.6% in the previous year indicating strong momentum in economic activity. These growth numbers are attributable to a low base and strong fundamentals. High frequency indicators (like ecommerce sales, tourist footfalls, UPI transactions etc) available on a monthly basis had made it very clear that Q2 growth numbers would be close to that of the first quarter.

However, what is a bit concerning is that nominal GDP which takes into account the impact of inflation, rose by just 8.7% reflecting subdued inflation despite strong demand pick up. Retail inflation was muted due to a favourable base while wholesale price pressures too stayed low due to absence of input cost pressures. For the full half year (April–September) GDP growth averages 8.0%, significantly higher than 6.1% in the first half of FY25. These data points also indicate that we are now closer to the potential rate of growth though a substantial section of Indian economy remains outside the formal fold.

Unliike what many of us feared, US tariffs have not impacted growth because 50% of exports to US, which constitutes mobile phones, semi-conductors and pharmaceuticals, have been kept out of tariffs. Moreover, India has front loaded shipments to the US and expanded exports to other destinations including China, Vietnam and Indonesia. Finally, India is not heavily export dependent and much of the export slack due to tariffs would have been absorbed by domestic consumption which is also a reason for consumption growing at a robust pace of 7.9%. The 100 bps Repo Rate Cut also aided consumption growth.

Key highlights

Agriculture & allied activities grew 3.5%, moderating from 4.8% last year, due to base effect but follows its trend rate of growth supported by favourable monsoon and steady rural demand. Mining & quarrying witnessed negative growth (-0.04%) reflecting weak global commodity demand and production constraints.

Manufacturing sector showed a robust growth rate of 9.1%, indicating revival in industrial output. There is a gradual pick up in capacity utilisation in certain sectors from 70% to 80% which has facilitated steady industrial growth. However, manufacturing growth of 9.1% is attributable largely to a low base and average growth in this sector for Q2 of FY25 and FY26 is 5.6%, which is just the historical trend rate of growth. Construction and electricity segments maintained the usual growth print.

Services sector with a growth rate of 9.2% continues to be the largest contributor to GDP growth. Financial, real estate & professional services segment grew 10.2%, reflecting strong credit growth, financial intermediation and professional activity. Trade, hotels, transport & communication growth of 7.4% reflects better mobility, tourism and logistics activity. Public administration, defence & other services growth of 9.7% indicates increased government spending on defence and public administration.

Expenditure-Side

Private consumption grew 7.9%, higher than 6.4% in Q2 FY25, indicating improving household demand. The 100-bps Repo Rate Cut is a major factor that facilitated this consumption boom though income tax relief would have

played a smaller role. The impact of GST cut will be reflected in the Q3 numbers.

The ratio of consumption to nominal GDP (at current price) surged beyond 62% and this could be maintained in Q3 due to the impact of GST relief. Private Investment as indicated by Gross Fixed Capital Formation (GFCF) was more than 30% but lags the ideal rate of 35% to achieve sustained and consistent growth rate of 8% in real terms.

Real GVA

In ₹ Lakh Crore

Industry	Q2 2023-24	Q2 2024-25	Q2 2025-26	Y-o-Y Q2FY26
Agriculture, Livestock, Forestry & Fishing	4.57	4.76	4.93	3.5
Industry	11.92	12.36	13.32	7.7
Mining & Quarrying	0.65	0.65	0.65	-0.04
Manufacturing	7.05	7.20	7.86	9.1
Electricity, Gas, Water Supply & Other Utility Services	1.00	1.03	1.08	4.4
Construction	3.22	3.49	3.74	7.2
Services	22.63	24.27	26.50	9.2
Trade, Hotels, Transport, Communication & Services related to Broadcasting	7.14	7.57	8.13	7.4
Financial, Real Estate& Professional Services	10.47	11.22	12.37	10.2
Public Administration, Defence & Other Services*	5.03	5.47	6.00	9.7
GVA at Basic Prices	39.12	41.39	44.75	8.1
Net Taxes	3.42	3.53	3.86	9.50
GDP	42.54	44.93	48.63	8.20

Implications and Outlook:

1. Growth outlook strengthened: The strong 8.2% GDP growth in Q2 FY26, following robust Q1 performance, significantly improves India's growth trajectory for FY26. Full-year GDP growth is now likely to remain comfortably above earlier conservative estimates. We are likely to end the full fiscal year with a growth rate close to 7.5%.

2. Monetary Policy Committee (MPC) is expected to revise GDP growth outlook for FY26 to 7% from its earlier estimate of 6.6%. Optimism on better growth outlook is likely to result in a boom in equity markets which could encourage FIIs to bring more capital notwithstanding higher valuations Vs. peers like China.

3. Inflation–growth trade-off favours monetary easing: Despite strong real growth, nominal GDP growth remains contained at 8.7%, indicating muted price pressures. This creates policy space for monetary accommodation without risking inflation.

4. As nominal GDP growth for the full fiscal is expected at 9% (based on estimated real GDP growth of 7.5%) there would not be any impact on the fiscal deficit target of 4.4%.

To conclude, the Q2 growth has made it clear that tariffs have not had any impact on our growth so far. In fact, a combination of a likely trade in the rest of the fiscal coupled with a consumption boom due to GST tweaks will facilitate achievement of 7.5% growth rate in FY26 without much challenge. A further 25 bps rate cut will be an added booster through the consumption channel.

मां वैष्णो देवी की पावन यात्रा – एक अविस्मरणीय अनुभव

(07 अक्टूबर 2025 – 12 अक्टूबर 2025)

अक्षय गौरव
अधिकारी
प्रौद्योगिकी सेवाएं विभाग
क्षे. का. पटना

हर यात्रा कुछ न कुछ नया सिखा जाती है – कोई अनुभव, कोई एहसास, या फिर कोई आध्यात्मिक स्पर्श जो मन को भीतर तक झकझोर देता है। ऐसी ही एक पवित्र और रोमांचकारी यात्रा का अवसर मुझे अक्टूबर 2025 में प्राप्त हुआ – माता वैष्णो देवी के दरबार की। यह यात्रा न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण रही, बल्कि इसने मेरे भीतर एक नई आस्था, ऊर्जा और जीवन के प्रति गहरा दृष्टिकोण भी भरा।

पहला दिन – 07 अक्टूबर 2025, मंगलवार : आरंभ हुआ पावन सफर

सुबह का समय था – लगभग 7:30 बजे – जब मैं दानापुर रेलवे स्टेशन पहुँचा। स्टेशन पर पहले से ही यात्रियों की चहल–पहल थी। श्रद्धालु जय माता रानी के जयकारे लगा रहे थे – जय माता दी! की गूंज से वातावरण भक्तिमय हो उठा था। हम सभी का उत्साह देखते ही बनता था।

हमारी ट्रेन थी आर्चना एक्सप्रेस, जो हमें जम्मू तक लेकर जाने वाली थी। जैसे ही ट्रेन ने सीटी बजाई और धीरे–धीरे पटरी पर चल पड़ी, मन में एक अलग ही उमंग जागी। यह सिर्फ एक यात्रा नहीं थी, बल्कि एक आस्था की यात्रा, जो हमें माता के दरबार तक ले जा रही थी।

ट्रेन के सफर में सहयात्रियों से बातचीत, खिड़की से गुजरते नज़ारों को निहारना, और माता के भजन सुनना – ये सब मिलकर वातावरण को भक्तिमय बना रहे थे। रात तक हम ट्रेन में ही थे, और अगले दिन का इंतज़ार हर किसी के चेहरे पर साफ़ झलक रहा था।

दूसरा दिन – 08 अक्टूबर 2025, बुधवार : जम्मू पहुँचकर कटरा की ओर

सुबह लगभग 11 बजे हम जम्मू तवी स्टेशन पहुँचे। यात्रा का पहला पड़ाव पूरा हुआ था, लेकिन असली यात्रा तो अब शुरू होने वाली थी। स्टेशन पर उतरते ही ठंडी हवा का झोंका चेहरे को छू गया – मानो स्वागत कर रही हो।

स्टेशन के बाहर टैक्सी स्टैंड से हमने कटरा के लिए टैक्सी ली। रास्ते में पहाड़ों की खूबसूरती, झरनों की कल–कल ध्वनि, और हरी–भरी घाटियाँ – सब कुछ मन मोह लेने वाला था। लगभग दो घंटे की यात्रा के बाद हम बैंक के हॉलीडे

होम, कटरा पहुँचे। वहाँ का वातावरण शांत और स्वच्छ था। थोड़ा विश्राम करने के बाद शाम होते–होते उत्साह फिर चरम पर पहुँच गया। माता के दर्शन की अधीरता अब और नहीं रोकी जा सकती थी।

तीसरा दिन – 08 अक्टूबर की रात से 09 अक्टूबर की सुबह : माता के दरबार की ओर पैदल यात्रा

शाम 8 बजे, हमने यात्रा पर्ची ली – यह पर्ची माता के दरबार तक जाने का अनुमति–पत्र होती है। पर्ची हाथ में लेते ही मन में एक अलौकिक ऊर्जा महसूस हुई। हम सबने जय माता दी के जयकारे लगाते हुए यात्रा आरंभ की।

कटरा बेस कैंप से माता के भवन तक की दूरी लगभग 13 किलोमीटर है। रास्ता कठिन अवश्य था, पर हर कदम पर भक्ति का जोश बना हुआ था। कुछ लोग घोड़े पर, कुछ पालकी में, तो कुछ जैसे हम – अपने पैरों से माता तक पहुँचने की ठान चुके थे।

रात का समय था, परंतु मार्ग पर रोशनी, भक्तों के भजन और जय माता दी की गूंज ने अंधकार को भी पवित्र बना दिया था। रात 11:30 बजे हम अर्धकुंवारी माता मंदिर पहुँचे। यहाँ माता ने 9 महीने तक ध्यान लगाया था, इसीलिए यह स्थान अत्यंत पवित्र माना जाता है। थोड़ा विश्राम कर हमने आगे की चढ़ाई शुरू की। पहाड़ों पर ठंडी हवा चल रही थी, पर मन में केवल एक ही लक्ष्य था – माता के दर्शन।

लगभग सुबह 4 बजे हम वैष्णो देवी भवन पहुँचे। जैसे ही भवन का दर्शन हुआ, थकान पल भर में गायब हो गई। यह दृश्य शब्दों में नहीं बयां किया जा सकता। मन भाव–विभोर हो गया।

सुबह 5 बजे हमें माता के पवित्र दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उस पल आँखों से अपने आप आँसू बह निकले – वो आँसू भक्ति, कृतज्ञता और आनंद के थे।

चौथा दिन – 09 अक्टूबर 2025, गुरुवार : भैरो बाबा के दर्शन और वापसी

दर्शन के बाद हमने कुछ समय विश्राम किया – लगभग दो घंटे का। फिर हमने रोपवे के माध्यम से भैरो बाबा मंदिर की ओर प्रस्थान किया। पहाड़ों के ऊपर से दिखते दृश्य इतने सुंदर थे कि लगता था मानो धरती पर स्वर्ग उतर आया हो।

भैरो बाबा के दर्शन करने के बाद मन को गहरी शांति मिली। मान्यता है कि माता की यात्रा तभी पूर्ण मानी जाती है जब भक्त भैरो बाबा के भी दर्शन करे।

दोपहर होते–होते हमने वापसी की यात्रा शुरू की। लंबा रास्ता उतरते समय पैरों में दर्द तो था, पर मन अत्यंत प्रसन्न था। शाम 7 बजे हम पुनः कटरा हॉलीडे होम लौट आए। शरीर थक गया था, लेकिन आत्मा प्रसन्न थी। स्नान और भोजन के बाद सबने गहरी नींद ली।

पाँचवाँ दिन – 10 अक्टूबर 2025, शुक्रवार : जम्मू दर्शन का दिन

अगली सुबह हम उठे तो शरीर में थोड़ी अकड़न थी, पर मन फिर नई जगहें देखने के लिए उत्साहित था। हमने टैक्सी ली और जम्मू के लिए निकल पड़े। सबसे पहले पहुँचे बाबा धनसार मंदिर। यहाँ का प्राकृतिक सौंदर्य और पवित्र वातावरण मन मोह लेता है। झरने के पास स्थित यह मंदिर अपने आप में अनोखा है। वहाँ की ठंडी हवा और पानी की बूँदें चेहरे पर गिरते ही मन को ताजगी से भर देती हैं।

इसके बाद हम चामुंडा माता मंदिर पहुँचे – माता के इस रूप के दर्शन कर लगा कि शक्ति हर रूप में हमारे चारों ओर विद्यमान है।

फिर हमने कुछ रोमांच का अनुभव किया – चेनाब नदी में रिवर राफ्टिंग का। तेज़ बहाव के बीच नाव का डगमगाना और ऊपर से पहाड़ों का नज़ारा – यह अनुभव रोमांचक और यादगार था।

राफ्टिंग के बाद हमें बताया गया कि पास में ही वह प्रसिद्ध पुल है जहाँ फिल्म "हीना" की शूटिंग हुई थी – जहाँ ऋषि कपूर का प्रसिद्ध दृश्य फिल्माया गया था। हमने वह स्थान भी देखा। मन में अजीब सी खुशी हुई कि जिस जगह को हम केवल परदे पर देखते थे, अब वह सामने है।

इसके बाद हम झरने और अन्य दर्शनीय स्थलों की ओर गए। पहाड़ों के बीच गिरते जलप्रपात, मंदिरों की घंटियाँ, और प्रकृति की शांति – यह सब मिलकर दिन को विशेष बना रहे थे। रात 9 बजे हम वापस कटरा हॉलीडे होम पहुँचे। पूरा दिन घूमने के बाद शरीर थका जरूर था, लेकिन मन संतुष्ट था।

छठा दिन – 11 अक्टूबर 2025, शनिवार : वापसी की तैयारी

सुबह नाश्ता कर हमने अपने बैग पैक किए। अब वापसी का समय था। टैक्सी से हम जम्मू रेलवे स्टेशन के लिए निकले। रास्ते में बार–बार नजरें उन पहाड़ों पर जा रही थीं जहाँ माता का दरबार है – मन कह रहा था, मां, जल्द ही फिर बुलाना।

स्टेशन पहुँचकर हमने बेगमपुरा एक्सप्रेस पकड़ी। ट्रेन धीरे–धीरे प्लेटफॉर्म से चल पड़ी। खिड़की से पीछे छूटते पहाड़ों को देखकर मन में गहरी भावनाएँ उमड़ आईं। यह सिर्फ एक यात्रा नहीं थी, बल्कि एक आत्मिक अनुभव था।

सातवाँ दिन – 12 अक्टूबर 2025, रविवार : दानापुर वापसी और मनन

अगली सुबह ट्रेन दानापुर स्टेशन पर पहुँची। घर लौटते समय मन में एक ही विचार था – इस यात्रा ने मुझे भीतर से बदल दिया है।

मैंने देखा कि कैसे हजारों लोग कठिन रास्तों से, दर्द और थकान के बावजूद, केवल मां के आशीर्वाद के लिए वहाँ जाते हैं। यह केवल श्रद्धा नहीं, बल्कि जीवन का सच्चा अर्थ है – भक्ति में शक्ति है

अनुभव : जब यात्रा साधना बन जाती है

माता वैष्णो देवी की यह यात्रा मेरे लिए केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं रही, बल्कि यह आत्मा का अनुभव बन गई। जब आप रात के अंधेरे में जय माता दी कहते हुए पहाड़ों पर चढ़ते हैं, तो आपको एहसास होता है कि जीवन में कोई भी रास्ता कठिन नहीं – बस विश्वास चाहिए।

कटरा से भवन तक का सफर, भैरव बाबा के दर्शन, जम्मू के मंदिरों और झरनों का सौंदर्य – सब कुछ आज भी स्मृतियों में ताज़ा है।

यह यात्रा मुझे सिखा गई कि भक्ति और विश्वास से कोई भी मंज़िल पाई जा सकती है। माता वैष्णो देवी का आशीर्वाद मेरे साथ है – और मैं उन सभी के लिए यही कामना करता हूँ कि जिन्हें भी अवसर मिले, वे एक बार अवश्य इस पवित्र यात्रा का अनुभव करें।

*****

--------- Test your Tech IQ! ----------

FUN CORNER

1. As AI reshapes the world around us, understanding its basics has become essential. This AI Quiz brings you a simple yet exciting set of questions to test your knowledge of key terms and modern digital concepts. Ready to challenge your tech instincts? Let's begin!

1. "When a machine understands human feelings, what field is that?"
2. "If a computer writes stories and paints pictures, what is happening?"
3. When cars follow roads without a driver-what is at work?
4. What lets your phone guess what you want to type next?"
5. Which is the brain inside chatbots?
6. What lives in your phone and answers when you say "Hey"?
7. Shows you ads for things you talked about yesterday.
8. Recognises your face better than your friends.
9. What helps maps predict traffic jams before you reach them?
10. What makes music apps auto-create playlists based on your mood?

2. In today's digital world, new tech slang pops up faster than apps update. From internet culture to everyday smartphone lingo, these quirky phrases shape how we chat, scroll and search. Think you are fluent in modern tech-speak? Take this fun quiz and see how well you understand the hidden language of the digital era!

1. What does "Shadowban" mean on social media?
2. What is "Breadcrumb" in website navigation?
3. What is "Botnet" used for?
4. What does "Digital Detox" refer to?
5. What is a "Ghost notification"?

Answers to the Test your Tech IQ!

1. Emotion AI/Affective Computing
2. Generative AI
3. Autonomous Driving AI
4. Predictive AI
5. Large Language Models -LLMs
6. Voice Assistant
7. Recommendation Algorithm
8. Face Recognition AI
9. Predictive Traffic AI/ Machine Learning
10. AI Music Recommendation/Mood based Algorithm

1. Shadowban - Your posts become hidden or less visible without notifying you.
2. Breadcrumb - A trail showing where you are on a website (navigation path).
3. Botnet - A network of infected devices used for hacking or spam attacks.
4. Digital Detox - Taking a break from screens or social media.
5. Ghost notification - When your phone shows a notification that doesn't exist.

ROSOGULLA

Rochak Dixit
Manager
Retail Asset Vertical
RA & GA Wing, HO

It was just another day at office but a little special than the usual. Special because, it was the potluck lunch day of the month where everyone in the team would bring a dish to celebrate each other's company at work. Almost all the employees would be happy and would wait for this day. Brishti was equally excited, if not more, as it was her chance to showcase her cooking talent. Out of many of her favorite dishes she decided to cook Indori poha, of which her husband and family were very fond of. She had gathered all the ingredients the previous night, prepared poha in the traditional MP style and also made a special chana curry to go with it. She was happy, even while packing the lunch and was already imagining about how her colleagues are going to appreciate her culinary skills. But things did not go as per the plan. As soon as she opened her lunch box, she saw happy faces but with a tad disappointment. Though her food was delicious and people finished her dish like they have never had Poha in their lives, but they were expecting a sweet dish from Brishti. One of her colleagues even said “You are a Bengali lady Brishti, where is the 'rosogulla or Sandesh”. Another one said “I was eagerly waiting for maachh bhaat”. This was not the first time that something like this has happened. Whether there is potluck at work, or a discussion about art in her kitty party or if any singing reality TV show gets filled up with Bengali singers, people would look at her. Brishti was indeed a Bengali woman but due to her parent's government postings, all her life she had been living in MP and had imbibed the local culture. She could neither speak the sweet Bangla language fluently, nor was very good with art or literature. Only connection she had with West Bengal was that both her parents were from Kolkata and she was a huge fan of bengali sweets. But deep down inside she had wanted to enquire more about her roots and at times have also planned to visit there but couldn't go for some or the other reason. Finally, after thinking for a few days she decided to visit Kolkata on her upcoming birthday.

The day finally arrived and Brishti was excited like never before, she had been on any of her birthdays. She and her husband boarded an early morning flight and she was continuously doing online research about the various eateries and sightseeing spots of Kolkata. Her husband was just looking at her the way, one looks at little kids playing with their

favorite toys. She could sense a connection with her roots even before the airplane landing. At the Kolkata airport, she was greeted by her childhood friend and her young and over energetic driver who looked like a bengali from head to toe. He even greeted her with his authentic bangla tone "Nomoshkar Didi". They quickly sat in the car and stared their much-awaited journey.

Brishti was looking out of the car window and could barely hear that her friend was asking about her well being. Her complete focus was on the city and the busy streets. She had never in her life seen a train on the road travelling amidst other vehicles. If this wasn't enough, there came another marvel of mankind, The Howrah Bridge. When the Howrah Bridge came into view from her taxi, she felt a sudden lump in her throat. The steel giant stood shimmering under a mild October sun, with the Hooghly river flowing below, green and brown and endless. The bong driver, wearing a traditional kurta, asked, "Didi, first time Kolkata eshechen?"

"Yes," she smiled, stumbling over the words, "Aagey kokhono ashi ni."

Her friend immediately says, "You speak well Brishti, why are you always hesitant about your bangla" to which Bishti's husband replies, "She has mugged up a few sentences", and everybody shared a good laugh.

Although Brishti had already booked a hotel but her friend insisted on staying with her so that she can make her feel the real Bengal. The next few days was a rollercoaster of emotions for Brishti and her husband. Her friend not only took good care of them at home and cooked some authentic recipes but also showed her the town. One evening, she visited Kumartuli, where clay idols of Durga were being painted. The smell of wet earth and paint filled the narrow lanes. Watching an artisan shape the Goddess's eyes, she felt something stirring — a memory she'd never lived. The women around her spoke in quick, musical Bangla; she understood just enough to catch the rhythm of their joy. Another day, she tasted her first plate of ilish machh with bhapa doi, at a small eatery near College Street, the flavors – mustard sharpness, tender fish, cool sweetness – seemed to speak to a part of her she hadn't known was hungry. The waiter smiled when she asked, in broken Bangla, "Aro ekbar debe?" (Will you serve it once more?)

On the penultimate day of her travel, Brishti saw her friend a little worried as her son had a computer practical exam in school the next day and the project was yet to be completed. Being a Software Engineer herself, Brishti not only helped her friend's kid complete the project but also taught him a few other basic concepts. The next day when he came back from school, he ran towards Brishti first and hugged her tight. Brishti's friend was very happy as she did not expect the project to be completed on time. Even the neighbors came running listening to the celebrations and took part in it as if their own son or daughter has done something big. Brishti immediately realized why this place is called the 'City of Joy'. It is the small things in life that matters.

She realized what it feels like to be close to the roots and even though she is happy with her life, she feels that there is a lot that she is missing while living in MP. But this is not just Brishti's story. This is the story of many such individuals where the chase of career or responsibilities becomes lifelong settlement away from the roots.

Finally, it was the day of travelling back to the home away from home. The little kid asked Brishti in a soft voice. "Will you be back aunty?"

"O Yes, I am going to be back for Durga Puja" Brishti said while gulping a big juicy rosogulla.

केनरा बैंक Canara Bank
(भारत सरकार का उपक्रम) (A Government of India Undertaking)
सिंडिकेट Syndicate

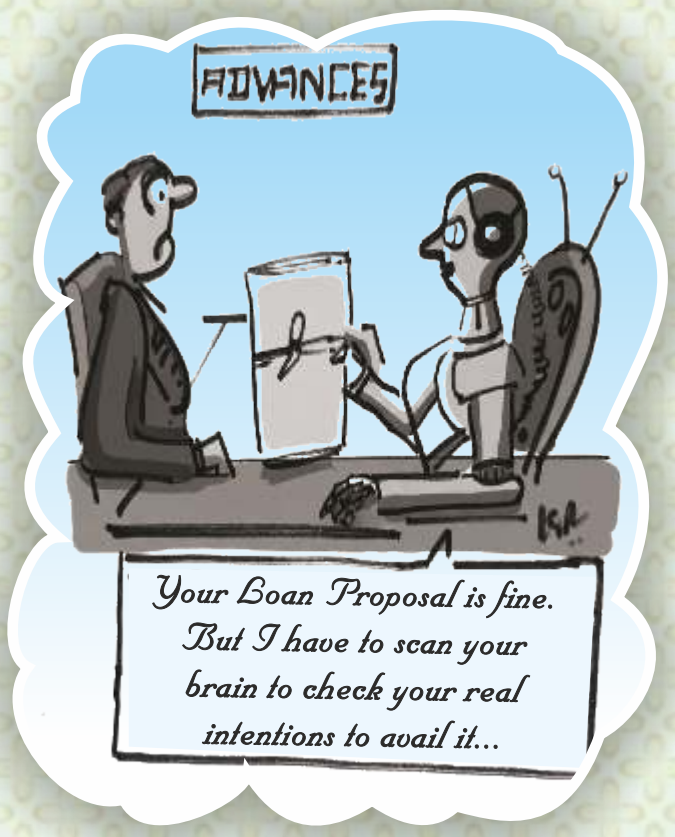

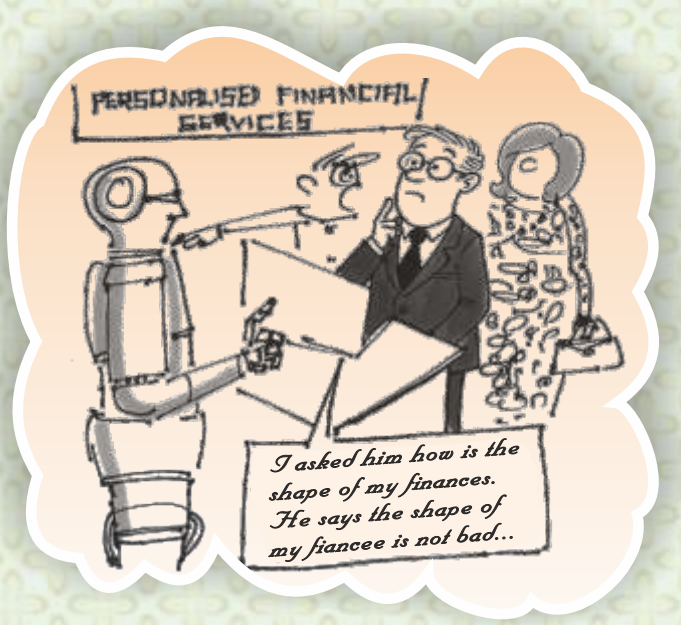

Refer to "drawer" by:
K P Ramesh Rao

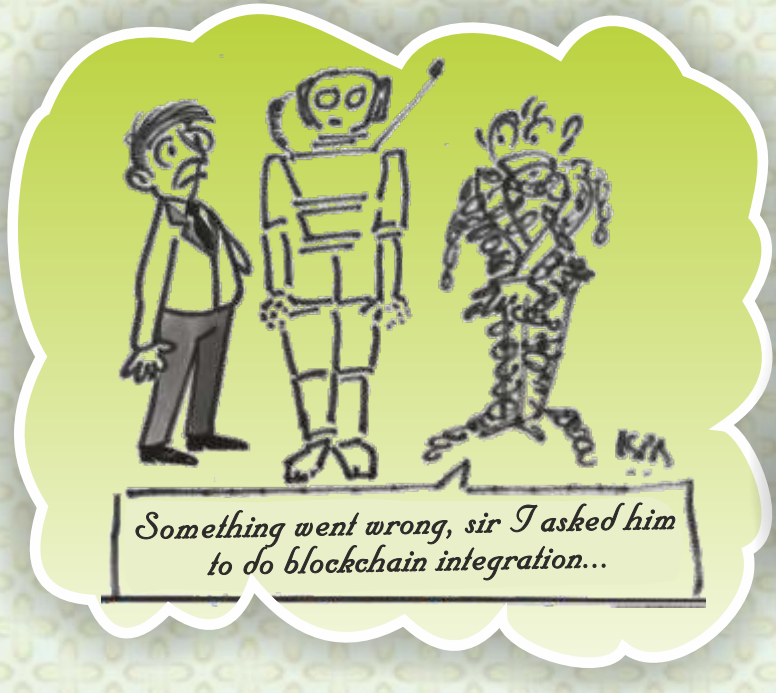

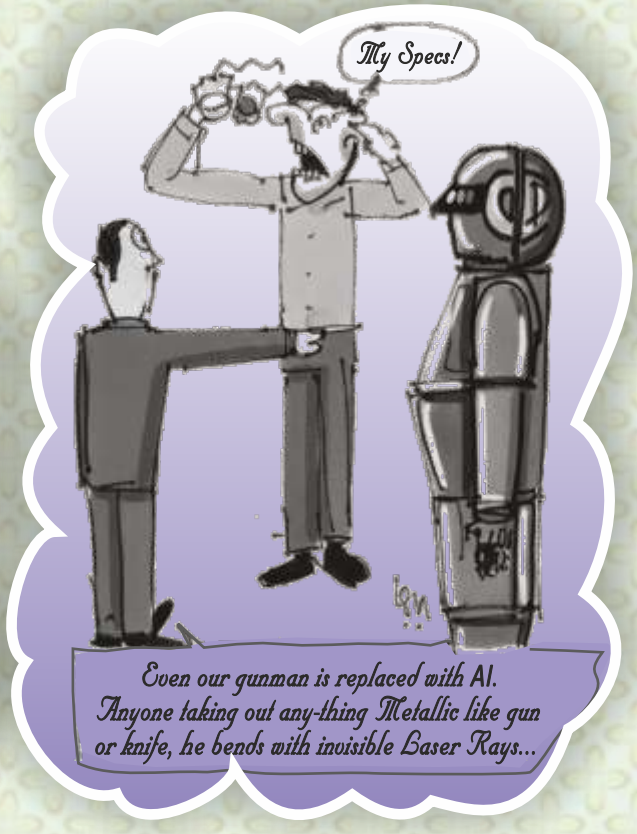

बैंकिंग में एआई

स्वीटी राज
अधिकारी
पटना जीएम रोड शाखा

नए युग की है ये कहानी,
जहाँ टेक्नोलॉजी है अब सयानी।
बैंक की लाइनें छोटी हो चलीं,
अब एआई ने अपनी राह चुनी।

कभी खाता खुलवाने में लगते थे दिन,
अब चंद मिनटों में पूरी हो यात्रा।
ऑनलाइन फॉर्म, चेहरे की पहचान,
सब कर दे अब मशीनें आसान।

लोन की जांच, जोखिम का आंकलन करे,
डेटा पढ़े और करे सही मूल्यांकन।
न धोखा दे और ना करे फर्जी पहचान,
एआई रखे बैंक का मान।
चैटबॉट अब बनें सहायक हमारे,
हर सवाल का दें जवाब वो प्यारे।
दिन हो या रात, नहीं कोई रुकावट ना बाधा,
सेवा में तत्पर, हरदम मिलती सहायता।

मशीन लर्निंग, ब्लॉकचेन संग,
बैंकिंग बने अब और भी प्रगतिमान।
सुरक्षा हो या ग्राहक का ध्यान,
एआई के संग सब कुछ आसान।

पर इंसानों का भी है स्थान,
संवेदना और सोच का रखे ज़ान।
एआई हो साथ, पर साथ हमारा,
बनाए बैंकिंग का भविष्य सुनहरा।

DO THE RIGHT THING

D Bharathi
Customer Service Associate
Malleshwaram Branch

Doing the right thing in the right manner at the right time is very important. Let me illustrate this with a short story.

In a small town, there lived a man with his wife and their three school going sons. His world was simple, a modest provision store, the sole source of income and the family he cherished. Life moved on with steady rhythm, until one cruel day fate struck like lightning. The man died unexpectedly, grief descending upon the family. The widow, shaken to the core, swallowed her grief and stood tall for her sons. With only meagre savings and an iron will, she held the family together as the boys grew.

The eldest son, resolute and sincere, on completing his studies, was the first to take charge of the crumbling store. He put in all strength and time to manage the provision store, working tirelessly sunrise to sunset. But sincerity without experience is a fragile shield. Suppliers, seeing his naivety exploited his trust. They charged heavy prices and supplied poor quality goods. Several debtors cheated him by not honouring their debts. All these dwindled the business causing intense pressure and deteriorating his health until he became incapable of handling the business. Due to ill health, he overlooked pest control in the premises. Rodents crept in through neglected cracks and consumed what little was left.

The second son watched this collapse, heart heavy with frustration. “Hard work alone is too slow, too painful”, he thought. Hard work looked like slavery to him. He swore to never be crushed like his brother. When he completed his studies, he took charge of the struggling store. But he chose a different path–slick, sharp and dangerously fast.

He bought poor quality goods, made attractive packaging and sold them at high prices to his customers to make good the loss his brother had suffered. At first, it worked as people got attracted towards the colourful packages. But, when they realised that contents were of poor quality, the word spread like wild fire and people stopped buying them. In addition to this, he resorted to man handling to recover bad debts. All this ruined his reputation further. The business didn't just fail – it fell into disgrace.

The youngest son, quiet, observant and thoughtful – had seen it all, his eldest brother crushed by blind hard work, the second consumed by reckless schemes. He analysed that the truth la somewhere in between effort and strategy. There was something else, something deeper and that was **doing the right thing.**

When his turn came, he did not rush – He planned, listened and watched. Then he acted – with discipline and principle.

He went to suppliers himself and personally checked on the quality of goods and signed fair, future contracts with them for uninterrupted supply. He made a list of all debtors, shortlisted the unreliable ones and barred them from his business. He further strengthened ties with reliable customers. Along with good packaging he also ensured good quality. He got pest control done to prevent unnecessary losses. He took loan from bank – not to patch holes, but to build foundations. He hired two trust worthy boys to take care of the stores while he went outdoor harnessing more business. He tracked every coin and kept good account of his transactions. This way he not only worked hard-but also smart and above all-he worked “right”.

When customers received good quality products on time, word spread, not through gossip but through praise.

Later, the two elder brothers too joined in and together they brought back the lost glory to their stores.

For any organisation to be successful, its employees should work both hard and smart. But what matters most is WORK RIGHT. It's the cornerstone upon which everything else rests. It is the spine of all true success. Without it, everything falls. With it, everything rises.

Banking in Bengal: Where Sweet meets Smart

Akanksha Khanna
CSA
Tilak Nagar Branch

In Bengal, where rivers flow and
Rabindra Sangeet plays,
Banks now echo innovation in sweet and thoughtful ways.
No longer just counters; unsympathetic, cold and bare,
They greet with compassion, warmth, and a little extra care.
Mishti greetings every Monday morn,
Sondesh with service- a tradition reborn.
Smiling staff in sarees neat,
Welcome villagers of the dusty street.
Mobile Vans, painted bright and bold,
Bring banking to the farmer old.
Solar panels on the top they bear,
Powering dreams from town to fair.
Digital kiosks at the haat and mela,
Help the vendor and sweet shop wala.
In Bangla voice, they guide and teach,
How UPI and savings are in easy reach.
Passbooks scanned with QR grace,
No long lines, no paper chase.
Accounts open with just a smile,
Even in islands across the mile.
Teller counters, a cultural blend,
With terracotta designs, messages send
That banks respect the art and land,
Not just numbers but a helping hand.
In **Santiniketan,** they launched a drive,
Banking with bauls- music live!
Songs of saving, sung with flair,
Awareness floated through the village air.
Senior citizens got golden hours,
Special seating, tea and flowers,
A young rep helps with mobile apps,
Guiding gently through tech gaps.
Festive loans for Durga Puja,
Tailored offers, smooth as khowa.
Easy EMI, low-interest schemes,
Fulfiling homemakers' festive dreams.
Inclusive banking for all to see,
With sign-language ATMs and Braille ID.
Differently-abled felt empowered again,
No more waiting in silent pain.
Cash-back stalls at local fairs,
For swiping cards in handicraft lairs.
Promoting artisans, hand in hand,
With economic goals across the land.
Eco-friendly branches, zero waste zone,
Recycled paper, bamboo phone,
Workshops held on green finance,
Urging clients to give Earth a chance.
And what's more - **the chatbots speak in Bangla too,**
Helping youth and elders through.
No fancy jargon, no hi-fi terms,
Just simple guidance in local forms.
Mother's banking hour on every Friday,
With toys and space for kids to play.
Women feel safe, and staff are trained,
To ensure dignity is maintained.
So here's to Bengal, where banks now sing,
Of service sweet and smartening,
In every deposit, loan, or plan,
They put heart first- as best they can!

*****

"सेवा का मूल्य" – केनरा बैंक शिवपुर शाखा की एक सच्ची कहानी

राज भूषण पाण्डेय
प्रबंधक
जीटीपीसी, उडूपी

जब हम बैंकिंग की बात करते हैं, तो अक्सर खातों, बैलेंस शीटों, नीतियों और प्रक्रियाओं की कल्पना करते हैं।लेकिन मैं आज आपको एक ऐसी घटना सुनाना चाहता हूँ, जिसने मुझे यह सिखाया कि—बैंकिंग का वास्तविक अर्थ है: जीवनों को छूना, उम्मीदों को थामना और विश्वास को जीवित रखना।

यह उस समय की बात है जब मैं, राज भूषण पाण्डेय, केनरा बैंक शिवपुर शाखा में शाखा प्रबंधक के रूप में कार्यरत था।

शाम के लगभग सात बजे थे। शाखा आधिकारिक रूप से बंद हो चुकी थी, लेकिन हम सभी अंदर बैठकर अपना इंटरनल वर्क पूरा कर रहे थे। तभी मेरी नज़र काँच के दरवाज़े के पास खड़े एक दुबले–पतले, लगभग 16 वर्ष के लड़के पर पड़ी, जो सिक्योरिटी गार्ड से कुछ कह रहा था।

गार्ड उसे समझा रहा था कि बैंक का समय समाप्त हो चुका है और अब उसे अगले दिन आना होगा। लेकिन उसके चेहरे पर चिंता की एक गहरी रेखा उभरी हुई थी।

मैंने तुरन्त दरवाज़ा खुलवाया और उसे अपने केबिन में बुलाया।

बोलो बेटा, क्या बात है? मैंने पूछा।

धीमी, लेकिन स्पष्ट आवाज़ में उसने कहा कि उनकी परिवार की ज़मीन बिकने वाली है और उसके दादा–दादी के नाम पैसे आने हैं। पर समस्या यह थी कि उनका कोई बैंक खाता ही नहीं था।

मैंने शांत स्वर में कहा,

खाता खुल जाएगा। लेकिन आज बैंक बंद हो चुका है। कल सुबह दादा–दादी को लेकर आ जाना।

लड़का असहाय भाव से बोला,

सर... यही तो दिक्कत है। दादा–दादी चल नहीं सकते, वो बैंक नहीं आ पाएँगे।

मैंने मुस्कुराते हुए कहा,

''इसमें दिक्कत क्या है? अगर वे बैंक नहीं आ सकते—
तो बैंक उनके घर जा सकता है।'

उसके चेहरे पर आश्चर्य और राहत एक साथ तैर रही थी।

मैंने उसका पता और मोबाइल नंबर लिया और उसे भरोसा दिलाया कि अगली सुबह सबसे पहले उसके घर पहुँच जाऊँगा।

अगले दिन, कार्यालय पहुँचते ही मैंने नियमों के तहत आवश्यक फ़ाइलें लीं और सीधे उसके घर पहुँचा।

दादा–दादी बेहद विनम्र और सादे लोग थे। औपचारिकताओं से अधिक उन्हें बैंक की यह अप्रत्याशित सेवा आश्चर्यचकित कर रही थी।

मैंने घर पर ही सभी दस्तावेज़ सत्यापित करवाए, फॉर्म भरवाए, केवाईसी पूरा कराया और उसी दिन दोनों के बचत खाते खोल दिए।

जब प्रक्रिया पूरी हुई, तो दादी ने भावुक होकर कहा,

बेटा, तुम मैनेजर होकर खुद हमारे घर आए...

आज तक किसी बैंक ने ऐसी सेवा नहीं दी।"

उन्होंने मुझे घर की चाय पिलाई, आशीर्वाद दिया और बार-बार धन्यवाद कहा।

मैने भी विनम्रता से कहा, आपने केनरा बैंक पर विश्वास किया—यही हमारे लिए सबसे बड़ी खुशी है।

कुछ ही दिनों बाद, उनके खाते में 13 करोड़ रुपये का क्रेडिट आया – एक ऐसी बड़ी राशि जिसने न केवल परिवार को सुरक्षित भविष्य दिया, बल्कि हमारी शाखा को भी उस समय चल रही एमडी एंड सीईओ कैंपेन में क्वालिफाई करा दिया।

पर साथियों...
यह कहानी 13 करोड़ की नहीं है।
यह कहानी है उस 13 सेकंड की मुस्कान की,
जो उस बूढ़ी दादी के चेहरे पर आई थी।
और मेरे लिए असली उपलब्धि एमडी एंड सीईओ कैंपेन में क्वालिफाई करना नहीं था बल्कि मेरे लिए असली उपलब्धि थी—
उस बुज़ुर्ग दंपत्ति की आँखों में दिखता संतोष,
और उस 16 साल के लड़के का यह विश्वास कि
बैंक सिर्फ दीवारों और काउंटरों का नाम नहीं—
सेवा और संवेदना का नाम है।

अन्ततः—एक बात कहना चाहूंगा कि खाता खोलना बैंकिंग है, पर किसी का विश्वास प्राप्त कर लेना सेवा है जिसे हम केनराइट भलीभांति जानते हैं।

*****

Poem

Chestnuts are Falling!

Divyam Agarwal
Officer
Mussorie Branch

The advent of winter season brings,
Gloom and melancholy in its strings.
With the fall in temperature
And the leaves bidding departure.

The shiny rotund chestnuts in their shells cling
Dripping to the cold winds' sling.
The journey begins with a fall,
Which the chestnut bears it all.

Hundreds of chestnuts take the plunge,
To scatter and roll in the world's conundrum.
They are picked, they are kicked
They are chewed, they are rammed.

Of the few chestnuts left,
They hurry and bury.

For they must grow and take a stand
To leaf in the spring
To feed the hungry offspring
To colour the surroundings
And never give up hope

Face the challenges in life
For thee shall one day realise
How far one has arrived
That from the soil that forms the grave,
Resurrect the Brave.

CANARA
Champions Aiming New Achievements, Rising Ahead

Harsha K R
Manager
HR & PR Section
RO Palakkad & Malappuram

Canara with an array of hope
To serve the last who deserve.
A root with the blood of common man
Beyond reach hosts its flag of life span.

Canara with the sweat of talent
To nurture the future aspirant's aspiration.
A flower which blooms in the mind of many,
Born from the first glimpse of a visionary.

Canara with the cart of hard work,
To bring on the angelic touch for women.
A droplet of rain showered upon many,
Blessing each heart of scope to reach the sky.

Canara with the bow of feather
To be the strength of the nation's economy.
A start from the scrap to the stars
Bouncing back at all downfalls, all along.

Canara with the sync of blue and orange
To rise above all with courage to go limitless.
A trendsetter in the Fin industry to Bank On,
Bringing in the massive crowd of trust.

Canara with an adamant mind to serve
To enroute the best minds on work.
A spark in the dark, guiding towards way of light
Battlefield warrior with the trust of many.

Canara gliding above the peer
To stretch out to win, pacing the blue.
A hand in the lowest desire of life
Bestowed upon many,
to be the life support needed.

Canara reflecting upon lives, building society
To emphasis the service mentality.
A leader, a goalkeeper to keep up with the game,
Buoyant upon the gradual changes of the world.

Canara flew above the growth,
a breakthrough balance sheet,
To embark the light upon the ones trusted.
A dominance to regain the crown of the king,
Benevolent to the people who were
pillar all along.

Canara crossing the borders of expectations,
To rise above the history to HIS story.
A spirit of honour embedded upon
each positive share,
Boundless applause in the massive crowd.

Why Do I Have Heel Pain in the Morning?

If you wake up in the morning with heel pain, you may feel stiffness or pain in your heel when you're lying down in bed. Or you may notice it when you take your first steps out of bed in the morning. Heel pain in the morning might be because of a condition like plantar fasciitis or Achilles tendinitis. It may also be due to an injury like a stress fracture. Heel pain can sometimes be treated with at-home remedies like ice and rest. If your pain is more debilitating, a doctor or podiatrist can diagnose your symptoms and recommend treatment.

Read on to learn about some of the possible causes for heel pain in the morning.

1. **Plantar fasciitis :** Plantar fasciitis is a condition where the plantar fascia, a thick ligament on the bottom of your foot, is irritated. Symptoms include stiffness or pain in the heels or feet. Symptoms might be worse in the morning because of poor blood supply to the heel and foot area when you're at rest. If you have plantar fasciitis, it usually takes a few minutes of activity, such as a few minutes of walking, to warm up the area and relieve the pain.

2. **Achilles tendinitis:** The Achilles tendon, the band of tissues that connects the calf muscle to the heel bone, can become inflamed. This can result in Achilles tendinitis, or stiffness and pain in the heel area. Symptoms may be worse in the morning because circulation to this part of the body can be limited at rest. Unlike plantar fasciitis, you'll likely feel pain or discomfort throughout the day if you have Achilles tendinitis.

3. **Rheumatoid arthritis (RA):** People with Rheumatoid Arthritis (RA) are at increased risk for plantar fasciitis. This can result in heel pain in the morning. If your symptoms don't improve with home treatments, your doctor may recommend wearing a night splint to keep your foot flexed at night.

4. **Stress fracture :** You can get a stress fracture in your heel from overuse, improper technique, or intense athletic activity. You may notice pain that develops over days or weeks, and swelling. It may hurt to walk. If you have a stress fracture, you'll likely experience pain throughout the day. See your doctor as soon as possible if you suspect you have a stress fracture.

5. **Hypothyroidism :** Hypothyroidism can cause heel pain in the morning. The disruption of chemicals and hormones in the body can lead to inflammation and swelling in the feet, ankles, and heels. It can also cause tarsal tunnel syndrome, where the tibial foot nerve is pinched or damaged. If you have unexplained heel pain in the morning and symptoms of hypothyroidism, your doctor may recommend a blood test to check your thyroid.

Home remedies : Home remedies and non-prescription painkillers may be effective for mild-to-moderate heel pain. If you have sharp or sudden pain, see your doctor. Your heel pain may be the result of a more serious injury.

- **Ice:** Keep a small water bottle filled with water in the freezer overnight. Wrap it in a towel, and roll it gently along your heel and foot in the morning.
- **Massage:** Roll a tennis ball along the bottom of your foot from your toes to your heel. This may help release tension. Or you can do a more traditional massage by holding your foot in your hand and applying gentle pressure along the foot and heel area with your thumb.
- **Stretching**

Try the following stretches for heel pain:

Heel cord and foot arch stretch

1. Facing a wall, step back with one foot and bend your front knee, keeping both feet and heels on the ground.
2. Lean forward slightly as you stretch.
3. Hold 10 seconds, then relax.
4. Repeat with the other side.

Plantar fascia tension stretch

1. Sitting on the side of your bed or on a chair, cross the affected foot over the other knee, creating a “four” position with your legs.
2. Using the hand on your affected side, gently pull your toes back toward your shin.
3. Hold for 10 seconds and relax.
4. Repeat if desired, or switch legs if both heels are affected.

How to prevent heel pain

The following steps may help prevent morning heel pain:

- Maintain a healthy weight and healthy lifestyle. Being overweight or obese may put additional stress on the heel and foot area.
- Wear sturdy, supportive footwear, and avoid wearing high-heeled shoes.
- Replace running or athletic shoes every 400 to 500 miles.
- If you normally run, try low-impact activities, like cycling and swimming.
- Perform stretches at home, especially after exercising.

When to seek help

Make an appointment with a doctor or podiatrist if you have the following symptoms:

- Morning heel pain that doesn't go away after a few weeks, even after trying home remedies like ice and rest
- Heel pain that continues throughout the day and is interfering with your daily routine

Seek emergency care if you notice any of the following:

- Severe pain and swelling near your heel
- Severe heel pain that starts following an injury
- Heel pain accompanied by a fever, swelling, numbness, or tingling
- Inability to walk normally

Courtesy: www.healthline.com

विश्वास की नींव: गांधीनगर जिले का केनरा बैंक जालियांमठ गाँव शाखा

अजीतसिंह भीखुसिंह परमार
ग्राहक सेवा सहयोगी
गिफ्ट सिटी शाखा

मूल सिद्धांत: ईमानदारी (Integrity), विश्वसनीयता (Reliability), ग्राहक–केंद्रितता (Customer-Centricity), और नवाचार (Innovation).

गुजरात के गांधीनगर जिले से कुछ दूरी पर, जालियांमठ गाँव स्थित था। यह गाँव अपनी हरियाली और कड़ी मेहनत के लिए जाना जाता था। यहाँ के लोगों के लिए, केनरा बैंक की शाखा केवल एक वित्तीय संस्थान नहीं, बल्कि संकट के समय एक भरोसेमंद साथी थी। इस भरोसे का मुख्य कारण थीं शाखा प्रबंधक, नीलम पवार।

नीलम पवार की सबसे बड़ी ताकत उनकी ईमानदारी थी। उनके नेतृत्व में, बैंक का हर कर्मचारी ग्राहकों को परिवार की तरह मानता था। एक तपती दोपहर, 70 वर्षीय किसान, श्री मोहनलाल, अपनी जीवन भर की बचत – ₹5 लाख – लेकर बैंक पहुंचे। उन्हें यह रकम जमा करानी थी, लेकिन बड़ी गलती यह हुई कि वह अपना पहचान पत्र (आधार कार्ड) घर पर ही भूल आए थे।

कैशियर ने नियमानुसार असमर्थता जताई, "मैनेजर मैम, इतनी बड़ी रकम बिना पहचान पत्र के जमा नहीं की जा सकती। यह आरबीआई के सख्त नियमों के खिलाफ है।

मोहनलाल का चेहरा निराशा से भर गया। गर्मी इतनी थी कि उन्हें लगा कि अब इतनी दूर गाँव तक वापस जाना असंभव है।

नीलम पवार ने यह स्थिति देखी। वह तुरंत काउंटर पर आईं, उनके चेहरे पर एक सहज ग्राहक–केंद्रितता का भाव था।

उन्होंने शांत स्वर में कहा, "मोहनलाल जी, आप बिल्कुल चिंता न करें। केनरा बैंक आपकी विश्वसनीयता पर भरोसा करता है। आप हमारे सबसे पुराने ग्राहक हैं। हम आपको इतनी दूर वापस नहीं भेजेंगे।

उन्होंने कैशियर को निर्देश दिया, "ईमानदारी हमारी पहली प्राथमिकता है। इनके खाते की जाँच करें, और एक 'अस्थायी जमा' फॉर्म भरें। हम अगले दिन तक कागजात आने का इंतजार कर सकते हैं।

जाँच पूरी होने पर, नीलम पवार ने अपने विवेक का उपयोग करते हुए, एक विशेष प्रक्रिया के तहत, मोहनलाल जी से दस्तखत लिए और पैसे जमा कर लिए। उन्होंने गाँव से किसी भरोसेमंद व्यक्ति के हाथ अगले दिन पहचान पत्र भिजवाने की व्यवस्था करने को कहा।

मोहनलाल ने कृतज्ञता से सिर झुकाया। उन्होंने कहा, "पवार जी, आपने गांधीनगर की गर्मी में मुझे इतनी बड़ी मुसीबत से बचा लिया। बैंक ने मेरा विश्वास कायम रखा।

नीलम पवार के इस निर्णय ने बैंक के मूल सिद्धांत को पुख्ता किया: नियमों का पालन हो, लेकिन मानवता को सर्वोपरि रखकर।

आज भी, गांधीनगर जिले के जालियांमठ गाँव में, केनरा बैंक नीलम पवार के नेतृत्व में, विश्वास, ईमानदारी और नवाचार की मिसाल बना हुआ है, जो गाँव के विकास की कहानी लिख रहा है।

The Beginning of Rural Industrial Financial Support

Sumithra S
Probationary Officer
Madalur Branch

Canara Bank is well remembered for many landmark achievements, but one event that remains comparatively unnoticed – yet deeply influential – is the establishment of its first Rural Industrial Credit Branch in the early 1930s. At a time when rural India lacked access to institutional credit, this bold initiative quietly transformed economic possibilities for thousands of artisans and small-scale workers.

During the 1930s, agriculture and small industries were the foundation of India's rural economy. Despite this, loans and credit facilities were largely controlled by private moneylenders who charged exorbitant interest rates, often trapping families in life-long debt. Formal banking systems had minimal reach in rural regions, as most banks preferred servicing business owners in urban centres. Recognising this deep imbalance, Canara Bank committed itself to a revolutionary idea – taking structured financial support directly to rural producers.

Under the guidance of the bank's leadership, the first Rural Industrial Credit Branch was set up with the specific objective of supporting small industries, weavers, cobblers, potters, carpenters, and self-employed craftsmen. The branch provided affordable loans for buying tools, raw materials, and expanding cottage industries. At a time when Indian society lacked financial safety nets and industrial policies were still evolving, this branch gave new economic dignity to the rural workforce.

What made the initiative even more remarkable was that it was driven not merely by business objectives, but by a commitment to social progress. Officers of the bank personally travelled to villages, identified skilled workers and local produce clusters, and introduced modern banking practices to communities that had never engaged with formal finance. The bank's effort to understand local needs and customise credit solutions became a model that would later influence rural banking policies nationwide.

The impact of this event was far-reaching.
Many family-run trades began to flourish, creating local employment and strengthening village economies. Women, especially those involved in home-based weaving and handicrafts, gained access to small-value credit for the first time. The circulation of affordable capital increased production, income stability, and self-sufficiency. This quietly planted the seeds of cooperative development and micro-enterprise support decades before such terms became widely known.

Although this rural credit initiative did not attract major headlines at the time, it played a pivotal role in shaping Canara Bank's identity as a people-centric institution. It foreshadowed later national priorities such as rural development finance, priority sector lending, and self-help groups. The event demonstrated that banking could be a vehicle for empowering the most underserved segments of society.

Today, when we celebrate Canara Bank's Foundation Day, revisiting the establishment of its first Rural Industrial Credit Branch reminds us that true progress begins when opportunity reaches every corner of society. It stands as an enduring example of the bank's vision – using finance to uplift communities and create shared prosperity.

*****

केनरा बैंक Canara Bank
(भारत सरकार का उपक्रम) (A Government of India Undertaking)
सिंडिकेट Syndicate

"मिठास से भरी ज़मीन – मेरा पश्चिम बंगाल"

राजीव रंजन
वरिष्ठ प्रबंधक
अंचल कार्यालय, पटना

कोलकाता के बाराबाजार, एम.डी. रोड पर, टकसाल के सामने वाली 07 तल्ले की बिल्डिंग में मेरी पैदाइश हुई – हावड़ा ब्रिज के साये में। हावड़ा ब्रिज, जो मानो पूरे शहर की धड़कन में लय देता था, सुबह–सुबह जब हावड़ा ब्रिज की स्टील की बुनावट पर पहली धूप पड़ती है, तो उसकी चमक हूगली नदी के शांत जल पर झिलमिलाती नज़र आती है। उस दृश्य में जैसे पूरी ज़िंदगी का सौंदर्य उतर आता है। हवा में रुई की तरह उड़ते हुए रसगुल्ले की ख़ुशबू, दुकानदारों की पुकार, और ट्राम की घनघनाहट – यही थी मेरी पहली दुनिया।

हूगली नदी, गंगा की एक बाँह, जो शहर की सांसों में बसी है – उसकी लहरें पुराने गीत गाती हैं, जिनमें नावों के चप्पू और आरती की घंटियों की मधुर ताल घुली होती है।ट्राम की बजती घंटियाँ और मेट्रो की सीटी – यही है कोलकाता की दो धड़कनें। ट्राम अब भी धीमी चाल में श्याम बाजार से धर्मतला तक सरकती रहती है, मानो वक्त को खींच ले जाने का हुनर रखती हो। दूसरी तरफ़ नई मेट्रो की तेज़ रफ़्तार, जो अब सियालदह से एयरपोर्ट तक पहुँचने लगी है, इस शहर के पुरानेपन में आधुनिकता की चमक जोड़ती है। जब लोकल पैसेंजर ट्रेनें हावड़ा स्टेशन की पटरी पर चीख मारती हैं, तो पूरा इलाका एक जीवंत संगीत बन जाता है – वह शोर, वह कोलाहल, हर बंगाली के दिल में बसता है।संध्या होते ही विक्टोरिया मेमोरियल का सफ़ेद संगमरमर आसमान के केसरिया रंग से घुलकर जैसे कोई कविता रच देता है। उसकी दीवारों पर बादलों का प्रतिबिंब उतरता है, और बगीचों में सैर करते हुए लगता है मानो इतिहास अब भी सांस ले रहा हो।

मैंने अपने चचेरे भाई बहन के साथ उस मोहल्ले में लगभग छह साल बिताए। वह इलाका मेरे लिए किसी खुले आसमान की तरह था – छोटा, मगर रंगों और कहानियों से भरा हुआ। सुबह–सुबह टायरियों की खड़खड़ाहट के बीच स्कूली बस्ता लेकर निकलना, और शाम को हावड़ा ब्रिज के पास बैठकर हुगली के पानी को निहारना – बस यही मेरा सबसे प्यारा खेल था।

पश्चिम बंगाल की बात ही कुछ और है। यहाँ की मिट्टी में मिठास है, लोगों के बोलने के अंदाज़ में अपनापन है। चाहे वो कालीघाट की आरती हो या दुर्गा पूजा का उल्लास – सबमें एक अनोखी गर्मी और मानवीयता झलकती है। और अगर बात करें स्वाद की, तो रसगुल्ला, मिष्टी दोई, और काठी रोल – हर निवाले में प्यार और परंपरा दोनों का संगम। और फिर आती है बंगाल की असली मिठास – माछ–भात की खुशबू। उस गरम भात और गरम–गरम हिलसा मछली के रस्से का स्वाद, जो बचपन से जीभ पर बस गया है। आज भी जब घर लौटता हूँ, तो बाराबाजार की गलियों में खड़े होकर गोलगप्पे खा लेता हूँ – वही मसालेदार पानी, वही पुदीने की ठंडक, वही पुराना स्वाद जो हर यात्रा को घर लौटने जैसा बना देता है।पश्चिम बंगाल सच में भारत का सबसे मीठा हिस्सा है – यहाँ की बोली में मिठास है, यहाँ की नज़रों में सादगी है, यहाँ की रूह में संगीत है। इस मिट्टी की हवा में अब भी ट्राम की घंटी, लोकल ट्रेन की सीटी, और माँ के हाथों के माछ–भात की ख़ुशबू घुली हुई है।

शाम के समय हावड़ा ब्रिज से, हावड़ा स्टेशन की तरफ लोगों को अपने अपने गंतव्य की ओर जाते देखना, वो शाम को डूबते सूरज की लालिमा के अद्भुत किरण का वो मनमोहक परिदृश्य, आज जब मैं कोलकाता से दूर हूँ, तो अक्सर सोचता हूँ – वह छह साल मेरे जीवन की सबसे कीमती पूँजी थे। वह बराबाज़ार, वह एम.डी. रोड, हावड़ा ब्रिज की ठंडी हवा, और मामा के घर की छत पर बैठी शामें – सबकुछ अब भी मेरे दिल में वैसे ही जिंदा हैं, जैसे पश्चिम बंगाल की मिठास–समय के साथ कभी फीकी नहीं पड़ती।

यही है मेरा कोलकाता, यही है मेरा पश्चिम बंगाल – मिठास से भी मीठी

Mishti Doi - The Soul of Bengal

M Shaiksha Basha
Officer
RO Kurnool

If you've ever been to Bengal, you've probably heard of Mishti Doi. It's not just a dessert; it's an emotion. This sweet treat makes you smile after every meal, no matter how full you feel.

Recipe requirements and process:

Ingredients (serves around 2):

- Half litre full-fat milk (the higher the fat content, the better)
- Half cup jaggery (or 1/4 cup sugar if you can't find jaggery)
- 2 tablespoons curd (for setting – use thick, fresh settled curd)
- (A pinch of cardamom powder).

Steps

1. **Boil the milk**
   Put the milk in a thick-bottomed pan. Boil on medium heat. Stir it frequently and gently so it doesn't stick to the bottom. After around 15 to 20 minutes, it should become a little thicker and creamier, which means it's ready for the next step.

2. **Sweeten**
   Turn off the flame and let the milk cool slightly. It should be warm but not boiling. In another pan, melt the jaggery. Let it bubble a little until it turns to liquid gold. Slowly pour this into the warm milk while stirring. Don't rush; jaggery and milk need to mix gently. If you're using sugar, slightly caramelize it before mixing for that distinct brown colour.

3. **Cooling**
   Allow it to rest until it's lukewarm, it should be just warm enough for you to safely dip your finger in.

4. **Add the starter (curd)**
   Whisk the curd well and then add a spoonful to the milk. Mix gently.

5. **Pour and set**
   Traditionally, Mishti Doi is placed in earthen pots because they absorb excess moisture and provide a subtle earthy smell. However, any bowl will do. Pour the mixture in and cover it. Leave it in a warm spot—perhaps in an off oven or under a cloth—for 6 to 8 hours. Overnight is ideal.

6. **Chill and serve**
   Allow it to set firm and wobbly, then refrigerate for several hours. After chilling, you'll discover a creamy top layer and a soft, sweet Dahi base—that's the magic.

A Little Tip from the Heart; avoid using cold milk or curd; it won't set properly, use jaggery instead of sugar for its warm, earthy taste and serving in clay pots adds an authentic touch.

केनरा बैंक Canara Bank
(भारत सरकार का उपक्रम) (A Government of India Undertaking)
सिंडिकेट Syndicate

West Bengal "The Sweetest Part of India"

Vipin Kumar
Divisional Manager
CIBM, Manipal

West Bengal is a place where every lane hums with music, every meal tells a story, and every festival turns the ordinary into art. Stretching from the snow-kissed peaks of the Himalayas in the north to the rhythmic waves of the Bay of Bengal in the south, the State is a mosaic of landscapes, languages, and legacies. Its charm lies in the way, it balances intellect with emotion, heritage with modernity and always, sweetness with strength.

A Land of Contrasts and Continuity

Geographically, West Bengal is a wonder of diversity. The lofty hills of Darjeeling and Kalimpong whisper through tea gardens that paint the slopes in green. In the plains, the Ganga River known here as the Hooghly, flows gracefully through fertile lands, nurturing rice fields and jute farms before meeting the sea. Down south, the Sundarbans, the world's largest mangrove forest and home to the majestic Royal Bengal Tiger, breathe mystery and resilience into the land.This natural richness has shaped Bengal's soul. The people of the state are deeply connected to their environment, the monsoon is awaited like an old friend, and every change of season finds a place in songs and rituals. From the hills to the deltas, each region tells its own version of Bengal's story.

A Glimpse into History

The story of Bengal is the story of India's evolution itself. It was once the heartland of the Mauryan and Gupta Empires, and later became a thriving hub of trade and art under the Pala dynasty. The arrival of the British East India Company in the 18th century turned Calcutta (now Kolkata) into the first capital of British India a city of contrasts, where colonial architecture stood beside the humble ghats of the Hooghly. During the Bengal Renaissance, the state became the cradle of modern Indian thought. Visionaries like Raja Ram Mohan Roy, Ishwar Chandra Vidyasagar, and Rabindranath Tagore led waves of social, cultural, and educational reform. Bengal gave India its first Nobel laureate, Rabindranath Tagore, who wrote not just poetry, but also the national anthems of two nations India and Bangladesh. Later came Netaji Subhas Chandra Bose, who carried the fire of freedom beyond India's borders, inspiring generations to think fearlessly.

Even today, history breathes in the lanes of North Kolkata, where crumbling colonial mansions, tram tracks, and old bookstores stand as gentle reminders of the past's enduring presence.

Culture: A Celebration of the Mind and the Heart

To understand Bengal's culture is to understand the harmony between intellect and imagination. The state has given India some of its finest poets, filmmakers, and musicians. Satyajit Ray's cinema brought Indian storytelling to global recognition. Rabindra Sangeet (songs written and composed by Tagore) remains the soul of Bengal's mornings, echoing through radios, classrooms, and hearts. Folk traditions like Baul music with its wandering minstrels singing of divine love blend spiritual philosophy with simplicity. In contrast, modern theatre, literature, and fine arts in Kolkata continue to push creative boundaries. The College Street Coffee House is not just a café but a living institution, where debates on art, politics, and philosophy still thrive over endless cups of tea.

Festivals: Bengal's Heartbeat

In Bengal, every festival is celebrated as if, it's the first one full of devotion, colour, and music.

Durga Puja: The Festival of the Goddess

The crown jewel of Bengali celebrations, Durga Puja is more than a religious event; it's an emotion that unites everyone. For five glorious days, the State transforms into a vast open-air museum. Pandals (temporary temples) become art installations, each telling a different story through design and light. The fragrance of shiuli flowers fills the air, dhak drums roll, and the streets glow with joy. People, dressed in their finest, visit pandals, feast on bhog (a sacred meal of khichuri, labra, and payesh), and celebrate the victory of good over evil with unmatched spirit.

Kali Puja and Diwali

Soon after Durga Puja, Bengal lights up again for Kali Puja. Houses sparkle with diyas, and sweets flow freely. It's a night of reverence and energy, where faith and festivity meet under a thousand lamps.

Other Celebrations

The calendar overflows with occasions Saraswati Puja, where students pray to the goddess of learning with yellow flowers and books; Poila Boishakh, the Bengali New Year, marked by traditional attire and community feasts; Eid, Christmas, and Chhath Puja, all celebrated with harmony that defines Bengal's inclusive spirit.

Each festival is an excuse for food, music, laughter, and connection and that's where Bengal's true identity shines.

Cuisine: A Symphony of Flavours

If Bengal is "The Sweetest Part of India," it's not just a slogan it's a promise fulfilled on every plate.

Bengali cuisine is as poetic as its culture. Fish and rice are staples; hilsa (ilish), rohu, and prawns cooked in mustard paste or coconut milk and served with steaming rice, form the comfort core of every household. Vegetables are elevated with mustard seeds and poppy paste, creating delicacies like aloo posto and shorshe begun.

And then, the sweets – rosogolla, sandesh, chomchom, mishti doi each made with care and tradition. Every district has its own signature sweet: Mihidana from Bardhaman, Sitabhog from Asansol, Langcha from Shaktigarh, and Chhanar Payesh from Kolkata. Even festivals have dedicated desserts, like Nolen Gur er Sandesh during winter, made from fresh date palm jaggery.

Tea also plays a central role, especially the world-famous Darjeeling tea, known for its floral aroma and golden liquor. A cup of "cha" (tea) and a plate of telebhaja (fried snacks) at a roadside stall can turn any afternoon into an adda worth remembering.

Modern Bengal: Tradition Meets Tomorrow

Today, West Bengal is as forward-looking as it is rooted in its past. Kolkata continues to be a major center of education, technology, and innovation, hosting leading universities, startups, and cultural festivals. From the annual Kolkata International Film Festival to Book Fair, the state embraces global ideas while celebrating its own heritage. At the same time, Bengal's focus on sustainability such as eco-friendly Durga Puja pandals and conservation efforts in the Sundarbans shows how culture and responsibility can walk hand in hand.

Conclusion: A Sweet Blend of Soul and Substance

West Bengal's sweetness is not just in its desserts; it's in its spirit. It's in the way an old woman offers you mishti doi with love, how children dance barefoot during Durga Puja, and how conversations flow endlessly under the yellow glow of streetlamps.

The land, its people, and its culture together create an experience that feels timeless. Every melody, every festival, every story reminds you that Bengal isn't just a place on the map; it's a feeling. And that feeling, true to its name, will always make it **"The Sweetest Part of India."**

West Bengal – "The Sweetest Part of India"

Swapnil Meshram
Senior Manager
ZI Bhopal Rajkot Unit

To celebrate my younger son's, second birthday, which falls on 13th August; we chose Kolkata, the capital of West Bengal. I took the LFC Tour facility to visit Kolkata. It was my maiden visit to the 'City of Joy' and second visit to the state of West Bengal. My first visit was to Darjeeling a few years ago. During the trip, we stayed for five days, at ITC Royal Bengal, which is one of the most luxurious hotels in Kolkata and India.

Kolkata beautifully showcases the rich heritage of West Bengal along with its colonial-era legacy. Durga Pooja is the foremost festival of Bengali Hindus and the most significant one in West Bengal. We visited Kolkata just before the festival, so preparations for Durga Pooja were happening everywhere; creating a vibrant and festive atmosphere.

On the first day of our trip, we visited Dakshineswar Kali Temple, located on the banks of Hoogly River. We took India's oldest metro service to reach the temple. The metro was jam packed, yet the people of West Bengal were extremely humble and even offered us their seats. The temple holds a unique place in the Ramakrishna Paramahamsa movement. It wasn't very crowded and it took us less than an hour to complete the visit.

On the second day, we visited Eco Park. The Park featured a man-made lake, the famous "Seven Wonders", a kid's train, cycle rides, boat ride and a large food court. There is also a wonderful restaurant located in the middle of the lake that serves multi cuisine foods. We had our lunch at that restaurant and the food was extremely delicious. Eco Park is a complete one-day package and a "must go" destination.

After Eco Park, we visited Mother's Wax Museum. The museum features life-like statues of more than 50 global personalities.

On the third day, we visited Science City which was 200 meters away from our hotel. Inside the complex, one Canara Bank Branch is also located. Science City is

currently the largest science centre in the Indian subcontinent, with a science museum, a science park and multiple auditoriums. It was both an educational and enjoyable trip for my kids.

West Bengal's visit is incomplete without experiencing a boat ride on the Hoogly river and seeing the iconic Howrah Bridge. On our fourth day, we took a West Bengal Government cruise ride near the Howrah bridge. It was a delightful two-hour journey filled with singing, dancing and enjoying local cuisine.

15th August was our fifth day and we celebrated Independence Day near Victoria Memorial, where the State's Chief Minister hoisted the flag. After that, we took Kolkata's iconic yellow Hindustan Ambassador taxi to travel from our hotel to the new market where we enjoyed shopping at the Kolkata's famous cloth market for beautiful Bengali sarees.

From New Market, we took Asia's oldest electric tram ride for half an hour. It was a memorable experience, especially since the government is planning to stop its operation soon.

Our trip to West Bengal was truly an amazing one. Wherever, we went, the aroma of freshly made Bengali sweets filled the air. The people were warm, polite and very simple. Overall, the experience was delightful and will remain one of our cherished family trips.

केनरा बैंक Canara Bank
(भारत सरकार का उपक्रम) (A Government of India Undertaking)
सिंडिकेट Syndicate

Shreyas, in homage to Canbank's departed souls, pray that they rest in bliss, in eternal peace.

Death, said Milton, is the golden key that opens the palace of eternity.

Name	Staff No	Designation	Branch	Expired on
SATYAPAL SINGH	515203	OFFICE ASSISTANT	IKRI	19-07-2025
RAKESH KUMAR	652101	OFFICE ASSISTANT	SHASTRI PURAM	01-08-2025
ABDUL NASIR	93915	SENIOR MANAGER	AVATHI	04-08-2025
S.B. SRINIVAS	65094	OFFICER	SECUNDERABAD ALWAL	05-08-2025
UJJWALA SARATHE	588643	CSA	BHOPAL SAKET NAGAR	07-08-2025
PENUGONDA NAGENDRA PRASAD	826855	OFFICE ASSISTANT	KADAPA II NGO COLONY	15-08-2025
BELUM GAYITHRI	122994	OFFICER	CHITYAL	18-08-2025
RAJ KUMAR	393751	OFFICE ASSISTANT	BHANGEL	20-08-2025
CHAINI DEVI	72219	OFFICE ASSISTANT	KOT FATUHI N R I	22-08-2025
GUDDURU SUDHEER REDDY	122465	OFFICER	BHONGIR	01-09-2025
SURYA PRAKASH	96332	SENIOR MANAGER	ROHTAK B M MARG MAIN	03-09-2025
ASHWANI SAXENA	75512	AGM	LUCKNOW C.O	05-09-2025
MANJE GOWDA. B C	80594	H K CUM OFF ASST	BIDARE	05-09-2025
RAJANAIK. H	101526	CSA	CHITRADURGA MADEHALLI	11-09-2025
KUMARI SWATI SAH	122733	OFFICER	RETAIL ASSETS HUB MUZAFFARPUR	15-09-2025
YUVASHANKAR T	835689	MANAGER	THULASAPURAM	15-09-2025
C KRISHNAN	74920	OFFICE ASSISTANT	CENTRAL DELHI MSME SULABH	27-09-2025
SURESHA S	522032	SENIOR MANAGER	ZI MANIPAL UNIT: PUTTUR	28-09-2025
JAGANNATH ALLAM	75523	OFFICE ASSISTANT	PRODUTTUR	28-09-2025
SAMUTHIRAM S	71307	H K CUM OFF ASST	RAJAPALAYAM	02-10-2025
ALLAVUDEEN A	72163	H K CUM OFF ASST	KOMBAI	05-10-2025
K SANJEEV NAIK	498227	SENIOR MANAGER	PUTTUR	07-10-2025
RAJESWAR NAIK	84230	CSA	JEYPORE	10-10-2025

"The Pursuit of Happyness"

While countless movies come and go, some manage to leave a lasting impact, The Pursuit of Happyness, is definitely one of them. This 2006 biographical drama directed by Gabriele Muccino, tells the true story of Chris Gardener, a man who along with his young son navigates a period of homelessness, before achieving remarkable success as a stockbroker. The protagonist role played by the award-winning actor, Will Smith, beautifully touches the innate emotional chords of one's life. He depicts a common man who finds hope at rock bottom and promotes a "pull yourself up by your bootstraps" narrative. The story focusses on determination, fatherhood and the pursuit of the American Dream which is symbolic of every individual's toil of success. Even the distorted spelling in the title of the movie depicts the same phenomenon of the concept of "happiness" as it is always a pursuit and not a permanent threshold.

Chris Gardener, took up an unpaid internship in a brokerage firm for six months, and at the same time, he worked as a salesman to sell off some medical machines, which had costed him his life savings. The only way of survival left for him was to sell at-least one machine a week which meant he had enough food to feed his family. But due to his inability to do the same, he became not only homeless but also a single parent. But he pulled his scattered life together and moved forward with a "dream". One of the film's most powerful takeaway was in the form of a line which was said by the lead actor to his son, that has since become iconic: "Don't ever somebody tell - you can't do something. Not even me-You got a dream, you gotta protect it." This message resonated universally as it gave immense importance to guide our dreams because the world often tried to convince us otherwise.

Beyond its cinematic brilliance, the film touches a raw nerve about human emotions. Feeling 'underrated and unappreciated' is the worst demeaning feeling one can face. Deep down, none of us want to feel this, as it provokes an uncomfortable emotion that sparks the inner fire which all of us try to supress.

As every 'feel-good movie' does ends with a happy ending, The Pursuit of Happyness also didn't overstep that criterion. It ended with tears of joy welling up in the audience' eyes. "That moment" when Chris finally got the affirmative nod for the long-pursued job on the final day of his internship, felt like the perfect acknowledgment of his dedication and efforts, which he had so strongly invested throughout his journey.

It is therefore more than just a movie - it is a reminder that success is not built overnight and adversity is not the end but maybe the beginning of something greater. Above all, it gives us the strength to believe that tomorrow can always be brighter- "If only we dare to move forward."

Manisha Manohar
Officer, HML Section

दिनांक 5 नवंबर, 2025 को सिरी इंडस्ट्रियल पार्क बेल्थांगडी, मंगलूरु अंचल कार्यालय में नई एटीएम सुविधा के उद्घाटन समारोह में कार्यपालक निदेशक श्री भवेन्द्र कुमार, मुख्य महाप्रबंधक, अग्रणी बैंक व वित्तीय समावेशन विभाग श्री शंभू लाल, मंगलूरु अंचल प्रमुख व महाप्रबंधक श्री मंजूनाथ बी सिंगई एवं अन्य वरिष्ठ कार्यपालकगण।

Sri. Bhavendra Kumar, ED, at the inaugural function of new ATM facility at Siri Industrial Park, Belthangady, Mangaluru Circle office on 5th November, 2025. Sri Shambhu Lal, CGM, Lead Bank & Financial Inclusion Wing, Sri. Manjunath B Singai, GM and Circle Head, and other Senior Executives are seen in the picture.

दिनांक 25 नवंबर, 2025 को मणिपाल अंचल कार्यालय की सीएसआर पहल के अंतगर्त उडुपी के डायोसीज़, सेंट मैरी अंग्रेजी माध्यम स्कूल को एक महिंद्रा बोलेरो कार की चाबियां सौंपते हुए। कार्यपालक निदेशक श्री एस के मजुमदार, महाप्रबंधक व मणिपाल अंचल प्रमुख श्री एच.के. गंगाधर एवं अन्य कार्यपालकगण।

As part of CSR initiatives by Manipal Circle, Sri S K Majumdar, ED, handing over the keys of a Mahindra Bolero to the Diocese of Udupi, St Mary's English Medium school, on 25th November, 2025. Sri H.K. Gangadhar, GM and Circle Head and other Executives are seen in the picture.

श्री के. सत्यनारायण राजु, प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी, बैंक के नए कार्यपालक निदेशक के तौर पर कार्यभार संभालने पर श्री सुनील कुमार चुघ का स्वागत करते हुए।

Sri K Satyanarayana Raju, MD & CEO, is seen welcoming Sri. Sunil Kumar Chugh on his taking charge as the Bank's new Executive Director.

केनरा बैंक
Canara Bank
A Government of India Undertaking
Together We Can

120 Years of Trust

You go the extra mile...
We bring you smiles.

INTRODUCING
Canara GIGSTAR
EARN. SAVE. SHINE.

Savings Account for Gig Workers

Gig workers include drivers, delivery personnel, healthcare and housekeeping workers, home-service providers and other **independent earners engaged through app-based / online platforms**.

No Minimum Balance Requirement

Nil Processing Fee on Two-wheeler Loans up to ₹50,000/-

Hassle-free Loans
Housing Loan up to ₹35 Lakh & Two-wheeler Loan up to ₹2 Lakh

FREE
- Accidental Insurance Cover
- SMS Alerts / Cheque Book / QR Standee
- Unlimited NEFT / RTGS / IMPS
- Visa Platinum Debit Card

Internal

Scan to know more about GigStar account

*T&C Apply
रजिस्ट्रेशन सं./Registration No. 36699/83

1 Bank Number 1800 1030 24/7
www.canarabank.bank.in